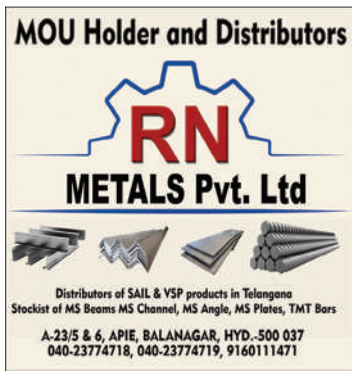

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । सोमवार, 01 जून, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-149

RCB फिर धुरंधर

विराट जीत से आईपीएल 2026 पर कब्जा

अहमदाबाद, 31 मई (एजेंसियां)।

आईपीएल 2026 का खिताबी मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने जीत लिया है। उसने गुजरात टाइटंस को बुरी तरह से हराते हुए लगातार दूसरे सीजन यह खिताब अपने नाम किया। शुभमन गिल की टीम इतनी आसानी से घुटने टेक देगी किसी को शायद ही भरोसा हो रहा होगा।

90,014 फैंस से भरे स्टेडियम में आरसीबी के गेंदबाजों और बल्लेबाजों ने अपने जबरदस्त प्रदर्शन ने मैच को एकतरफा कर दिया। आरसीबी ने विराट कोहली की धांसू हाफ सेंचुरी के दम पर आसानी से 5 विकेट से मैच और ट्रॉफी जीत लिया। जिस टूर्नामेंट में 250 रन भी सुरक्षित नहीं माना जा रहा था उसके खिताबी मुकाबले में 156 रनों का लक्ष्य कहां से टिकता।

आरसीबी के धाकड़ बल्लेबाज और क्रिकेट किंग विराट कोहली ने अपनी रन चेज वाली भूमिका को गजब अंदाज में अंजाम दिया।

उन्होंने वेंकटेश अय्यर के साथ मिलकर शुरुआती 4 ओवरों में आरसीबी की झोली में मैच डाल दिया। विराट ने 42 गेंदों में 9 चौके और 3 छक्के के दम पर नाबाद 75 रन की पारी खेली, जबकि विनिंग छक्का भी जड़ा।

लगातार दो सीजन आईपीएल ट्रॉफी जीतने वाली टीमें

–चेन्नई सुपर किंग्स ने 2010 और 2011 में लगातार खिताब जीते। कप्तान थे एमएस धोनी थे।

–मुंबई इंडियंस ने 2019 और 2020 में लगातार आईपीएल चैंपियन बनी। कप्तान थे रोहित शर्मा।

–रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 2025 का खिताब जीता था, जबकि 2026 फाइनल में गुजरात टाइटंस को हराया।

इससे पहले 156 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी ने गजब शुरुआत की। मोहम्मद सिराज के पहले ओवर में सिर्फ 5 रन बने, जबकि अगले ही ओवर में वेंकटेश अय्यर ने 3 चौके और एक छक्का उड़ाते हुए कागिसो रबाडा को 18 रन कूट डाले। इसके बाद चौथे ओवर में उन्हें विराट कोहली ने 3 चौके और एक छक्का लगाते हुए 19 रन ठोके। इसके साथ ही टीम की हाफ सेंचुरी पूरी हो गई। हालांकि, अगले ही ओवर में आक्रामक दिख रहे वेंकटेश अय्यर मोहम्मद सिराज की गेंद पर आउट हो गए। उन्होंने 16 गेंदों में 4 चौके और 2 छक्के ठोकते हुए 32 रन बनाए।

इसके बाद कागिसो रबाडा ने देवदत्त पडिक्कल को 1 रन के स्कोर पर आउट करते हुए पर्पल कैप पर कब्जा किया, जबकि भुवनेश्वर कुमार को पीछे छोड़ दिया। टीम शतक की ओर तेजी से बढ़ रही थी कि राशिद खान ने कप्तान रजत पाटीदार को 15 रनों के निजी स्कोर पर आउट करते हुए बड़ा झटका दिया, लेकिन आरसीबी को यहां से लगभग रनोबॉल ही चाहिए था। टीम ने 10वें ओवर में टिम डेविड के चौके से शतक पूरा किया तो जीत अब दिखने लगी। विराट कोहली ने सिर्फ 25 गेंदों में हाफ सेंचुरी की, यह उनके आईपीएल करियर की सबसे तेज फिफ्टी भी है। इसके बाद क्रुणाल पंड्या का एक रन पर विकेट जरूर गिरा, लेकिन इसका असर नहीं पड़ा। विराट कोहली ने खिताबी जीत दिलाकर ही दम लिया। इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के गेंदबाजों ने धीमी पिच का पूरा फायदा उठाते हुए ▶10पर

वैभव को ऑरेंज कैप

अहमदाबाद, 31 मई (एजेंसियां)।

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में भले ही राजस्थान रॉयल्स फाइनल तक नहीं पहुंच सकी, लेकिन युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने पूरे सीजन ऐसा तूफान मचाया कि अवॉर्ड्स की बारिश उन्हीं पर हुई। राजस्थान रॉयल्स का सफर क्वालिफायर-2 में गुजरात टाइटन्स से हार के साथ खत्म हुआ था, लेकिन वैभव ने आखिरी मैच में भी सिर्फ 47 गेंदों में 96 रन ठोककर साबित कर दिया कि वह इस सीजन के सबसे बड़े सुपरस्टार रहे। महज 15 साल की उम्र में वैभव सूर्यवंशी ने 16 पारियों में 48.50 की औसत और 237.30 की विस्फोटक स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए। उन्होंने पूरे सीजन में 1 शतक और 5 अर्धशतक लगाए। 31 मई (रविवार) को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटन्स के बीच आयोजित आईपीएल के 19वें सीजन के फाइनल के बाद जब अवॉर्ड सेरेमनी हुई, तब हर तरफ सिर्फ वैभव सूर्यवंशी का नाम गूंज रहा था...। वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में सबसे खतरनाक स्ट्राइक रेट के साथ बल्लेबाजी करते हुए यह अवॉर्ड अपने नाम किया। ▶10पर

सूर्या का हत्यारा असद ढेर

पिता समेत तीन अन्य गिरफ्तार

गाजियाबाद, 31 मई (एजेंसियां)।

गाजियाबाद के खोड़ा थाना क्षेत्र में हुए चर्चित सूर्यप्रताप उर्फ सूर्या हत्याकांड में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि मुख्य आरोपी असद को पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नवाब पुत्र शेर अली (45) , फरहान पुत्र अगवान अली (19) और आतिफ पुत्र ताज उर्फ बाबू (19) के रूप में हुई है. इनमें नवाब उस असद का पिता है, जिसे पुलिस मुठभेड़ में मार गिरा चुकी है और जिसे इस हत्याकांड का मुख्य आरोपी बताया गया था।

पुलिस जांच में सामने आया है कि हत्या की पूरी साजिश एक मामूली विवाद के बाद रची गई थी। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आरोपी फरहान ने कई अहम खुलासे किए हैं, जिनसे घटना की पूरी कहानी सामने आ गई है। बता दें कि सूर्या चौहान हत्याकांड के मुख्य आरोपी असद को पुलिस ने आज सुबह मुठभेड़ में मार गिराया है। पुलिस के अनुसार आरोपी पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था और वह घटना के बाद से लगातार फरार चल रहा था। मुठभेड़ के दौरान एक पुलिसकर्मी भी घायल हुआ है। फरहान ने पुलिस को बताया कि 28 मई को दोपहर करीब 3 बजे असद और सूर्या के बीच बाइक चलाने को लेकर विवाद हुआ था। दोनों के बीच कहासुनी और झगड़ा हुआ था। इसके बाद असद ने अपने पिता नवाब और फरहान को पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी।

फरहान के मुताबिक, झगड़े के बाद तीनों ने मिलकर सूर्या को सबक सिखाने की योजना बनाई। इसी साजिश के तहत करीब आधे घंटे बाद यानी दोपहर लगभग 3:30 बजे सूर्या को नवनीत विहार की गली नंबर-4 में घेर लिया गया। पूछताछ में फरहान ने स्वीकार किया कि उसने ही असद को हमला करने के लिए चाकू उपलब्ध कराया था। वहीं, घटना के दौरान मौजूद असद के पिता नवाब ने कथित तौर पर बेटे को उकसाते हुए कहा, आज इसकी कहानी खत्म कर दे। पुलिस के अनुसार, पिता की यह बात सुनते ही असद ने सूर्या पर हमला कर दिया और उसके पेट में कई बार चाकू घोंप दिए। ▶10पर

ममता की बैठक में सिर्फ 20 विधायक

60 ने बनाये बहाने, अहम मीटिंग रद्द

कोलकाता, 31 मई (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल की सियासत में रविवार को एक बड़ा घटनाक्रम सामने आया। तृणमूल कांग्रेस के नए चुने गए विधायकों की एक अहम बैठक रद्द कर दी गई। इस बैठक की अध्यक्षता पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी को करनी थी, लेकिन तीन-चौथाई यानी कि 80 में से 60 विधायक शामिल नहीं हो पाए। यह बैठक कोलकाता स्थित ममता बनर्जी के कालीघाट आवास पर होनी थी। टीएमसी प्रवक्ता कुणाल घोष ने विधायकों की गैर-मौजूदगी को आपातकालीन स्थिति बताया। उन्होंने कहा कि यह स्थिति शनिवार को टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले और रविवार को पार्टी सांसद कल्याण बनर्जी पर हुए कथित हमले के बाद बनी। उन्होंने कहा कि कई विधायक जमीनी हालात संभालने में लगे हुए हैं, ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 37^0
न्यूनतम : 27^0

हिमाचल में उलटफेर

4 में से 3 निगम भाजपा जीती

नयी दिल्ली, 31 मई (एजेंसियां)।

हिमाचल प्रदेश के नगर निगम चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने बड़ा राजनीतिक उलटफेर करते हुए चार में से तीन नगर निगमों पर कब्जा जमा लिया है। सोलन, मंडी और धर्मशाला नगर निगम में बीजेपी ने शानदार जीत दर्ज की है, जबकि कांग्रेस केवल पालमपुर नगर निगम बचाने में सफल रही। सत्ता में होने के बावजूद कांग्रेस के लिए यह नतीजे बड़ा झटका माने जा रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इन चुनावी परिणामों को 2027 के हिमाचल विधानसभा चुनाव से पहले जनता के मूड के संकेत के रूप में देखा जाएगा। खासकर मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू के लिए यह नतीजे चेतावनी माने जा रहे हैं। बीजेपी खेमे में उत्साह का माहौल है। पार्टी इन नतीजों को 2027 विधानसभा चुनाव से पहले ▶10पर

लेबनान में इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच घमासान, आईडीएफ के जवान नबातीह के बिलकुल करीब

बेरूत (लेबनान)

दक्षिणी लेबनान में कोहराम मचा हुआ है। इजराइली सैनिकों और ईरान समर्थित आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह के बीच सैन्य टकराव थमने का नाम नहीं ले रहा। इस समय इजराइल का पूरा जोर लेबनान के प्रमुख शहर नबातीह को चारों ओर से घेरने पर लगा हुआ है। नबातीह हिजबुल्लाह का प्रमुख गढ़ है। उसके लगभग सारे प्रमुख कमांडर और नेता नबातीह में ही बाल-बच्चों के साथ रहते हैं।

शिया बहुल नबातीह को हिजबुल्लाह के सामाजिक आधार और प्रतिरोध की विचारधारा का मुख्य स्तंभ माना जाता है। वर्ष 1983 में अशूरा जुलूस के दौरान इजराइली सैनिकों के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह की चिंगारी यहीं से उठी थी। नबातीह इजराइल की सीमा के बिल्कुल करीब स्थित है। हिजबुल्लाह नबातीह से ही इजराइल के शहरों पर राकेट और मिसाइलें दागता है। नबातीह- नबातीह गवर्नरेट और काजा जिले का प्रशासनिक मुख्यालय है।

अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) के सैनिक हमला करते हुए नबातीह के बिलकुल करीब पहुंच गए हैं। साथ ही युद्ध से तबाह दक्षिण के कस्बों को जबरदस्ती आम लोगों से खाली कराया जा रहा है। आईडीएफ का लक्ष्य हिजबुल्लाह के ठिकानों और उसके कमांडरों का पूरी तरह सफाया करना है। लेबनान की सेना यह सब चुपचाप देख रही है। भू-राजनीतिक विश्लेषक जो मैकरान का कहना है कि लेबनानी सेना पूरी तरह से खिंची हुई है, क्योंकि इजराइली सैनिक लेबनानी इलाके पर अपना कब्ज़ा बढ़ा रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल की सेना लेबनान की लिटानी नदी के उत्तर की ओर बढ़ गई है। सैनिक नबातीह को धीरे-धीरे चारों ओर से घेर रहे हैं। हिजबुल्लाह ने आनन-फानन में उत्तरी इजराइल में नबातीह से राकेट हमले शुरू किए हैं। हमले की गंभीरता को देखते हुए प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने रक्षामंत्री इजराइल काट्ज़, सैन्य प्रमुख इयाल जमीर और उत्तर में मोर्चो संभालने वरिष्ठ अधिकारियों से विचार-विमर्श किया है। हिजबुल्लाह ने शनिवार को नबातीह से इजराइल के उत्तर की ओर दर्जनों राकेट दागे। 17 अप्रैल को हुए सैन्य विराम के बाद पहली बार उत्तरी इजराइल के सफद और नाहरिया में राकेट से हमला किया गया है। इजराइली आर्मी रेडियो ने कहा है कि उत्तरी इजराइल में 1,099 बार चेतावनी सायरन बजाए गए।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान में सड़क हादसों में आठ लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की संघीय राजधानी इस्लामाबाद और सिंध प्रांत की राजधानी कराची में पिछले 24 घंटों के दौरान अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में आठ लोगों की मौत हो गई। इन हादसों में पांच लोग घायल हो गए। इस्लामाबाद में शनिवार को भारा काहू अथल चौक पर हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और पांच गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि एक तेज गति कार ने दो कारों और कई मोटरसाइकिलों को टक्कर मार दी।इससे सड़क पर चार लोगों की मौत हो गई और पांच लोग घायल हो गए। घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि आरोपित चालक अपनी कार छोड़कर फरार हो गया। सिंध पुलिस के अनुसार, कराची में शनिवार को कुछ ही घंटों के भीतर अलग-अलग इलाकों में हुई चार दुर्घटनाओं में चार लोगों की मौत हो गई। पहली दुर्घटना सोहराब गोठ में हुई। वहां सड़क पर बाइक फिसल जाने से एक मोटरसाइकिल चालक की मौत हो गई। दूसरी घटना में बलदिया रईस में तेज गति से चल रही एक कार ने एक मोटरसाइकिल चालक को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। दुर्घटना के बाद कार चालक फरार हो गया। तीसरी घटना मलिर में हुई। यहां एक कार ने एक किशोर को कुचल दिया। दुर्घटना के बाद कार चालक फरार हो गया। कोरंगी क्रासिंग में एक टैंकर की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत हो गई। इस वर्ष अकेले सिंध प्रांत में हुई यातायात दुर्घटनाओं में 415 लोगों की मौत हो चुकी है।

बांग्लादेश के फरीदपुर जिले में खसरे से मई में 18 की मौत

ढाका। बांग्लादेश के फरीदपुर मेडिकल कालेज अस्पताल में खसरे से पीड़ित एक और बच्चे की मौत हो गई है। इस बच्चे की मौत के साथ फरीदपुर जिले में मई माह में ऐसी मौतों की संख्या बढ़कर 18 हो गई। मृतक तासिम झेनैदाह शहर के आसिम मिया का बेटा था। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, अस्पताल सूत्रों ने बताया कि तासिम को 29 मई को फरीदपुर मेडिकल कालेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पिछले 24 घंटों के दौरान इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। फरीदपुर सिविल सर्जन कार्यालय के आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले 24 घंटों में जिले भर के सरकारी अस्पतालों में खसरे के लक्षणों वाले 91 नए मरीज भर्ती हुए। इसी अवधि के दौरान 45 मरीज ठीक होकर घर लौट गए। वर्तमान में जिले के विभिन्न अस्पतालों में 183 मरीजों का इलाज चल रहा है, जिनमें फरीदपुर मेडिकल कालेज अस्पताल में भर्ती 118 बच्चे भी शामिल हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि संक्रमित मरीजों में अधिकतर बच्चे हैं। फरीदपुर के सिविल सर्जन डा. महमूदुल हसन ने कहा कि सरकारी निर्देशों के अनुसार जरूरी दवाएं, उपकरण और कर्मचारियों की व्यवस्था कर ली गई है। उन्होंने कहा कि खसरे के मामलों में बढ़ोतरी इसलिए हो सकती है क्योंकि बकरीद की छुट्टियों के दौरान अलग-अलग इलाकों से बच्चे अपने गांवों में वापस आए थे।

एआई से नौकरियां जाने का डर बेवजह टेक दिग्गजों ने बदली अपनी बात

वाशिंगटन। दुनिया भर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर नौकरियों के खत्म होने का जो डर बीते कुछ सालों से मंडरा रहा था, उस अब गूगल, एनवीडिया और चैटजीपीटी बनाने वाली ओपनएआई जैसी दिग्गज कंपनियों के सीईओ बेवजह बता रहे हैं। उनका कहना है कि एआई इंसानों की जगह नहीं लेगा, बल्कि काम करने के तरीके को बदलेगा और एक सहयोगी के रूप में काम करेगा। बीते कुछ सालों में एआई के तेजी से विकास और चैटजीपीटी जैसे टूल्स के आने से यह बहस और तेज हो गई थी कि लाखों लोग बेरोजगार हो सकते हैं। दुनिया भर में कई कंपनियों ने एआई के नाम पर छंटनी भी की, जिससे डर बढ़ गया। लेकिन अब इन्हीं टेक दिग्गजों के सुर बदले हुए नजर आ रहे हैं, जो एआई के भविष्य को लेकर अधिक आशावादी दिख रहे हैं। ओपनएआई के सीईओ सैम आल्टमैन ने हाल ही में स्वीकार किया कि एआई को लेकर नौकरियों के खत्म होने का उनका अपना अनुमान गलत साबित हुआ है।

अमेरिका ने ओमान की खाड़ी में जहाज पर हेलफायर मिसाइल दागी, ईरान ने कहा-यह विश्वासघात

मस्कट (ओमान)/तेहरान (ईरान)/वाशिंगटन (अमेरिका)

अमेरिका ने ओमान की खाड़ी में चेतावनी के बावजूद आगे बढ़ रहे व्यापारिक जहाज (टैंकर) को हेलफायर मिसाइल दागकर निष्क्रिय कर दिया। हेलफायर हवा से जमीन पर मार करने वाली मिसाइल है। अमेरिका की केंद्रीय कमान (सेंटकाम) ने अपने एक्स हैंडल पर यह जानकारी दी। सेंटकाम अमेरिकी रक्षा विभाग की प्रमुख लड़ाकू कमान है। यह मध्य पूर्व, मध्य एशिया और दक्षिण एशिया में अमेरिकी सुरक्षा हितों और सैन्य अभियानों का प्रबंधन करती है। ईरान ने अमेरिका के इस कदम की तीखी आलोचना की है।

गल्फ न्यूज और अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, इससे दोनों देशों के बीच चल रही शांति वार्ता प्रभावित हो सकती है। सेंटकाम ने कहा कि ओमान की खाड़ी में हेलफायर मिसाइल हमले में गाम्बिया का झंडा लगाकर गुजर रहे कमर्शियल जहाज को बेकार कर दिया गया है। यह जहाज चेतावनी को नजरअंदाज कर ईरानी बंदरगाह की ओर बढ़ता जा रहा था। ईरान के सर्वोच्च नेता के सलाहकार मोहसेन रजाई का कहना है कि अमेरिका सैन्य नाकाबंदी को जारी रखकर कूटनीतिक विश्वासघात कर रहा है।

बेकार किए गए इस जहाज की पहचान एम/वी लियान स्टार के रूप में हुई है। बताया गया है कि अमेरिकी नौसेना और वायुसेना ने इसे अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में सैन्य नाकाबंदी के नियमों का उल्लंघन करते हुए आगे बढ़ते देखा। इसे 20 से ज्यादा बार चेतावनी दी गई। सेंटकाम के अधिकारियों ने बताया कि जहाज के क्रू ने इन चेतावनियों का पालन नहीं किया। तब इस पर मिसाइल हमला करना पड़ा। अब यह जहाज आगे नहीं बढ़ सकता।

अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने कहा कि बावजूद इसके ईरान के साथ बातचीत अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को शांति समझौता करने की जल्दबाजी नहीं है। वह ऐसा समझौता चाहते हैं जो उनके मानदंडों के अनुरूप हो। राष्ट्रपति साफ कर चुके हैं कि ईरान को हर हाल में कुछ शर्तों को मानना होगा। समझौते का मसौदा तैयार है। ईरान को अपना परमाणु कार्यक्रम हर हाल में छोड़ना होगा। इसके बिना कोई भी समझौता असंभव है।

पेंटागन प्रमुख हेगसेथ ने सिंगापुर में एक रक्षा शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेते हुए शनिवार को कहा कि जरूरत पड़ने पर वाशिंगटन को जंग फिर से शुरू करने में कोई गुरेज नहीं। अमेरिका के पास इसके लिए पर्याप्त साजो-सामान मौजूद है। इससे पहले सेंटकाम ने एक्स पर लिखा अमेरिकी सेनाएं होर्मुज जलडमरूमध्य में मौजूद हैं और पूरी तरह सतर्क हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, ओमान के अधिकारियों ने शनिवार को एक अलर्ट जारी किया। इसमें सभी जहाजों को सावधानी बरतने की चेतावनी दी गई। ओमान के मैरीटाइम सिक्योरिटी सेंटर ने दावा किया है कि हार्मुज जलडमरूमध्य के पास ओमान के जलक्षेत्र में एक संदिग्ध तैरती हुई वस्तु (संभवत: नौसैनिक खदान) देखी गई है। यह वस्तु जलडमरूमध्य के इनशोर ट्रैफिक ज़ोन के ठीक पश्चिम में दिखी है। सलाह दी गई है किसभी नाविक, मछुआरे और कमर्शियल जहाज इससे दूरी बनाकर गुजरें और तत्काल सूचित करें। ओमान के रक्षा मंत्रालय ने भी इस सलाह को मानने का आह्वान किया है।

इस बीच एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि बुधवार को कुवैत के अली अल सलेम एयर बेस के ऊपर रोके गए ईरानी मिसाइल हमले में कई अमेरिकी सैनिकों और सिविलियन कान्ट्रैक्टर्स को मामूली चोटें आईं और वे अब ड्यूटी पर लौट आए हैं। यह चोटें मिसाइल को रोकने के दौरान गिरे मलबे से लगीं। शुक्रवार तक पेंटागन के डेटा के अनुसार, ईरान के साथ युद्ध में 409 सैनिक घायल हुए हैं। इनमें से अधिकतर को दिमागी आघात पहुंचा है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका और ईरान के बीच यह टकराव 28 फरवरी से बना हुआ है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई की घोषणा की थी। इसके बाद अमेरिका और इजराइल ने मिलकर सैन्य, सरकारी और बुनियादी ढांचों को निशाना बनाते हुए जबरदस्त हमले किए। इस हमले में ईरान के तत्कालीन सर्वोच्च नेता और सैन्य कमांडरों की जान चली गई थी।

अकेलेपन का आनंद ले रही हैं पाप स्टार शकीरा

लास एंजेलिस

जेराई पिके से अलग होने के बाद शकीरा ने साझा किया अपना दर्द

फिलहाल जिंदगी में प्यार के लिए जगह नहीं, बच्चों की परवरिश और करियर पर पूरा फोकस

मशहूर पाप गायिका और गीतकार शकीरा एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने अपने रिश्तों, बच्चों और जिंदगी के कठिन दौर को लेकर खुलकर बात की। वर्ष 2022 में फुटबालर जेरार्ड पिके से अलग होने के बाद शकीरा अब पूरी तरह से अपने बच्चों और करियर पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि फिलहाल उनकी जिंदगी में किसी नए रिश्ते या प्यार के लिए कोई जगह नहीं है। एक ब्रिटिश समाचार पत्र को दिए साक्षात्कार में शकीरा ने कहा कि इस समय उनकी प्राथमिकता उनके दोनों बेटे मिलान और साशा हैं। वह अपने काम और बच्चों की परवरिश में काफी व्यस्त हैं, जिसके कारण किसी रोमांटिक रिश्ते के बारे में सोच भी नहीं रही हैं। शकीरा के मुताबिक, वह अपने अकेलेपन का भी पूरी तरह आनंद ले रही हैं और यह समय उनके लिए खुद को गहराई से समझने का है। उनचास वर्षीय शकीरा ने अपने करियर को लेकर कहा कि वह अब अपने काम से पहले से कहीं ज्यादा जुड़ाव महसूस करती हैं और उन्होंने अपने करियर को कभी इतनी गहराई से महसूस नहीं किया था, जितना अब कर रही हैं। यह दौर उन्हें जिंदगी को नए नजरिए से देखने और खुद को मजबूत बनाने का अवसर दे रहा है। उन्होंने अपनी जिंदगी के सबसे मुश्किल समय को याद करते हुए बताया कि जब उनका रिश्ता टूट रहा था, ठीक उसी दौरान उनके पिता विलियम एक गंभीर हादसे के बाद अस्पताल में भर्ती थे। उस समय वह मानसिक और भावनात्मक रूप से पूरी तरह टूट चुकी थीं। जिस परिवार को वह हमेशा एकजुट रखना चाहती थीं, उसके बिखरने का दर्द उनकी जिंदगी का सबसे अंधकारमय दौर था। हालांकि, उनका मानना है कि मुश्किल वक्त इंसान को बहुत कुछ सिखाता है और कठिन परिस्थितियां उसे अंदर से सुदृढ़ बनाती हैं। उन्होंने कहा कि अब उन्हें यह बात सच लगती है कि जो चीज इंसान को खत्म नहीं करती, वह उसे और ज्यादा मजबूत बना देती है। शकीरा ने कहा कि वह अपनी जिंदगी के हर अच्छे और बुरे पल के लिए आभार व्यक्त करती हैं, क्योंकि हर अनुभव ने उन्हें आगे बढ़ना सिखाया है।

होर्मुज में संदिग्ध तैरती सुरंग मिलने से अलर्ट, ओमान ने जारी की चेतावनी

मस्कट (ओमान)। ओमान की समुद्री सुरक्षा एजेंसी ने होर्मुज जलडमरूमध्य में एक संदिग्ध तैरती हुई सुरंग (माइन) देखे जाने के बाद चेतावनी जारी की है। एजेंसी ने नाविकों, मछुआरों और जहाजों से कहा है कि वे इस क्षेत्र से गुजरते समय बेहद सावधानी बरतें। एक्स पर जारी बयान में कहा गया कि ओमान के समुद्री क्षेत्र में होर्मुज के पास एक ऐसी वस्तु देखी गई है, जिसके माइन होने की आशंका है। इसलिए सभी समुद्री उपयोगकर्ताओं को सलाह दी गई है कि वे किसी भी संदिग्ध वस्तु से सुरक्षित दूरी बनाए रखें और उसकी जानकारी तुरंत संबंधित अधिकारियों को दें। एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ओमान के अधिकारियों ने शनिवार को एक अलर्ट जारी किया। इसमें सभी जहाजों को सावधानी बरतने की चेतावनी दी गई। ओमान के मैरीटाइम सिक्योरिटी सेंटर ने दावा किया है कि हार्मुज जलडमरूमध्य के पास ओमान के जलक्षेत्र में एक संदिग्ध तैरती हुई वस्तु (संभवत: नौसैनिक सुरंग) देखी गई है। यह वस्तु जलडमरूमध्य के इनशोर ट्रैफिक जोन के ठीक पश्चिम में दिखी है। सलाह दी गई है किसभी नाविक, मछुआरे और कमर्शियल जहाज इससे दूरी बनाकर गुजरें और तत्काल सूचित करें। ओमान के रक्षा मंत्रालय ने भी इस सलाह को मानने का आह्वान किया है।

न हमारे पास परमाणु है न बाम्बर फिर सैन्यवाद का आरोप क्यों: जापान

सिंगापुर

यहां आयोजित एशिया के सबसे बड़े रक्षा सम्मेलन शांग्री-ला डायलाग में जापान और चीन के बीच जुबानी जंग एक बार फिर तेज हो गई है। सम्मेलन के दौरान जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने बिना नाम लिए चीन पर तीखा निशाना साधा। उन्होंने जापान पर लग रहे सैन्यीकरण के आरोपों पर हैरानी जताते हुए कहा कि यह बेहद अजीब है कि जिस देश के पास न तो परमाणु हथियार हैं और न ही रणनीतिक बाम्बर विमान, उसे नया सैन्यवाद कहा जा रहा है। उनका इशारा साफ तौर पर चीन की तरफ था, जो पिछले कुछ वर्षों से अपनी सैन्य ताकत का तेजी से विस्तार कर रहा है।

दरअसल, प्रधानमंत्री सना तकाइची के नेतृत्व में जापान अपनी पुरानी शांतिवादी नीति से हटकर रक्षा बजट बढ़ाने और नई सैन्य तकनीकों में निवेश करने पर जोर दे रहा है। चीन लगातार जापान की इस नई सक्रिय रक्षा नीति की आलोचना कर रहा है और उस पर क्षेत्रीय स्थिरता को खतरा पहुंचाने का आरोप लगा रहा है। जापानी रक्षा मंत्री ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा कि चीन खुद अपनी सैन्य क्षमताओं का विस्तार बिना किसी पारदर्शिता के कर रहा है, जो पूरे क्षेत्र के लिए गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जापान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा, अनमैंड मिलिट्री सिस्टम और स्पेस सिक्योरिटी जैसे क्षेत्रों में पूरी पारदर्शिता के साथ अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करना जारी रखेगा।

दोनों देशों के बीच बढ़ते कूटनीतिक तनाव का एक बड़ा कारण ताइवान का मुद्दा भी है। पिछले साल नवंबर में जापानी प्रधानमंत्री ताकाइची ने संकेत दिया था कि अगर चीन ताइवान पर सैन्य कार्रवाई की कोशिश करता है, तो जापान इसमें हस्तक्षेप पर विचार कर सकता है। इस बयान के बाद से ही दोनों देशों के रिश्तों में कड़वाहट बनी हुई है। रक्षा मंत्री कोइजुमी ने सम्मेलन में दोहराया कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने हमेशा जापान को एक शांतिप्रिय राष्ट्र के रूप में सम्मान दिया है और कोई भी झूठा आरोप इस ऐतिहासिक सच्चाई को बदल नहीं सकता। इस बार के सम्मेलन में एक दिलचस्प बात यह भी रही कि चीन ने बेहद छोटा प्रतिनिधिमंडल भेजा और लगातार दूसरे वर्ष उसके रक्षा मंत्री डोन्ग जुन इस महत्वपूर्ण संवाद में शामिल नहीं हुए। चीनी रक्षा मंत्री की अनुपस्थिति पर जापानी रक्षा मंत्री ने निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वह चीनी रक्षा मंत्री से आमने-सामने मुलाकात कर बातचीत नहीं कर पाने से दुखी हैं। कुल मिलाकर, इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर हुई इस बहस ने साफ कर दिया है कि आने वाले समय में पूर्वी एशिया में सैन्य संतुलन और सुरक्षा को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव और गहरा सकता है।

गिलगित-बाल्टिस्तान चुनाव में पाकिस्तानी सेना की तिकड़म

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के नियंत्रण वाले गिलगित-बाल्टिस्तान में आगामी 7 जून को विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। इन चुनावों को लेकर स्थानीय आबादी में सरकार और सेना के खिलाफ भारी आक्रोश और असंतोष का माहौल देखा जा रहा है। इस बीच, क्षेत्र पर अपना वर्चस्व और नियंत्रण बनाए रखने के लिए जनरल आसिम मुनीर के नेतृत्व वाली पाकिस्तानी सेना पर चुनावों में धांधली करने और मनमाफिक नतीजे हासिल करने के गंभीर आरोप लग रहे हैं। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस सूबे पर अपना शिकंजा कसे रखने के लिए सेना मुख्यधारा के विपक्षी नेताओं को निशाना बना रही है, तो दूसरी तरफ प्रतिबंधित कट्टरपंथी और आतंकी संगठनों को मुख्यधारा की राजनीति में शामिल होने की खुली छूट दे रही है। खुफिया सूत्रों और राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, चुनावी नतीजों को अपने पक्ष में मोड़ने के लिए एक सोची-समझी रणनीति के तहत

प्रतिबंधित संगठनों को बढ़ावा दिया जा रहा है। आधिकारिक तौर पर पाकिस्तान के आतंकवाद विरोधी अधिनियम, 1997 के तहत प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) इस चुनाव में पूरी ताकत के साथ ताल ठोंक रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान में किसी प्रतिबंधित समूह को राजनीतिक मुखौटा पहनाकर चुनाव में उतारा गया है, इससे पहले लश्कर-ए-तैयबा को भी मिल्ली मुस्लिम लीग नामक पार्टी के रूप में ऐसी ही छूट दी गई थी। अब सेना टीएलपी के जरिए गिलगित-बाल्टिस्तान के स्थानीय लोगों की लोकतांत्रिक आवाजों और उनके अधिकारों को कुचलने का प्रयास कर रही है।इस चुनावी तिकड़म में सेना के निशाने पर मुख्य रूप से पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) है। सुरक्षा बलों ने कार्रवाई करते हुए हुंजा इलाके में चुनाव प्रचार कर रहे पीटीआई के वरिष्ठ नेताओं को गिरफ्तार कर लिया। इनमें खैबर-पख्तूनख्वा के अध्यक्ष जुनैद अकबर खान, नेशनल असेंबली के सदस्य सलीमुर रहमान और सैयद महबूब शाह शामिल हैं। इन नेताओं पर एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) न होने का आरोप लगाकर उन्हें तुरंत इलाका छोड़ने का फरमान सुनाया गया। विपक्षी नेताओं के दमन के पीछे सेना का यह डर माना जा रहा है कि स्थानीय जनता के भारी आक्रोश के कारण कहीं यह क्षेत्र उसके नियंत्रण से बाहर न निकल जाए। विपक्ष को कमजोर करने के साथ ही सेना ने निर्दलीय उम्मीदवारों के रूप में अपने पसंदीदा चेहरों को मैदान में उतारा है। कुल 403 उम्मीदवारों में से 272 प्रत्याशी निर्दलीय के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं, जिनमें से कई ऐसे मोहरे हैं जिन्हें प्रशासन और सरकारी तंत्र का पूरा गुप्त समर्थन हासिल है। इसके अलावा, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के 22 और पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) के 23 उम्मीदवार भी मैदान में हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

बेहतर ज़िन्दगी के लिए अपनी सेहत और व्यक्तित्व में सुधार लाने कि कोशिश करें। आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभा–वना नजर आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। पारिवारिक सदस्यों के साथ सुकून भरे और शांत दिन का लुत्फ़ लें। अगर लोग परेशानियों के साथ आपके पास आएँ तो उन्हें नज़रअंदाज़ करें और उन्हें अपनी मानसिक शांति भंग न करने दें। लोगों की दख़लअन्दाज़ी वैवाहिक जीवन में परेशानी खड़ी कर सकती हैं

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अगर आपकी योजना बाहर घूमने–फिरने की है तो आपका वक़्त हँसी–ख़ुशी और सुकून भरा रहेगा। आपकी लगन और मेहनत पर लोग ग़ौर करेंगे और आज इसके चलते आपको कुछ वित्तीय लाभ मिल सकता है। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात आज किसी खास से होने की संभावना है लेकिन बात को आगे बढ़ाने से पहले यह जरूर जान लें कि कहीं वो शख्स किसी के साथ रिश्ते में न हो। खाली वक़्त आज व्यर्थ की बहसों में खराब हो सकता है जिससे दिन के अंत में आपको खिन्नता होगी। वैवाहिक जीवन में निजता का ध्यान रखना भी आवश्यक है। काम से फुर्सत लेकर कुछ रिलैक्स करें ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज के दिन घर के किसी इलेक्ट्रोनिक सामान के खराब हो जाने की वजह से आपका धन खर्च हो सकता है। शाम का वक़्त दोस्तों के साथ मौज–मस्ती के लिए अच्छा है, साथ ही छुट्टियों के लिए योजना भी बन सकती है। सैर–सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। अगर आप लंबे समय से अपने जीवन में किसी रोचक चीज़ के होने का इंतज़ार कर रहे हैं, तो निश्चय ही आपको उसके संकेत दिखाई देने लगेंगे। दिन भर लोगों के साथ बिताने के बाद शाम का पूरा वक़्त आप अपने जीवनसाथी को दे सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप भावनात्मक तौर पर बहुत संवेदनशील हैं, इसलिए ऐसे हालात से बचें जो आपको चोट पहुँचा सकते हों। अगर आप यात्रा पर जाने वाले हैं तो अपने कीमती सामान का ध्यान रखें उसके चोरी होने की संभावना है। आप सभी पारिवारिक कर्ज़े ख़त्म करने में क़ामयाब रहेंगे। जिंदगी में चल रही आपाधापी के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा और और आप अपने पसंदीदा कामों को कर पाने में कामयाब हो पाएंगे। लंबे समय के बाद आप भरपूर नींद का मज़ा ले पाएंगे। इसके बात आप बहुत शान्त और तरोताज़ा महसूस करें

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने काम–से–काम रखना बेहतर रहेगा। कम–से–कम दख़ल दें, नहीं तो इससे निर्भरता बढ़ सकती है। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना देगा यह दिन बेहतरीन दिनों में से एक हो सकता है। आज दिन में आप कई अच्छे प्लान भविष्य के लिए बना सकते हैं लेकिन शाम के वक़्त किसी दूर के रिश्तेदार के घर में आ जाने के कारण आपके सारे प्लान धरे के धरे रह सकते हैं। किसी ऐसे इंसान के साथ समय बिताना जिसका साथ आपको बहुत पसंद न हो, आपकी खीझ की वजह हो सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

सेहत से जुड़ी समस्याएँ आपके लिए परेशानी का सबब बन सकती हैं। भाई बहनों की मदद से आज आपको आर्थिक लाभ मिल पाएगा। अपने भाई बहनों की सलाह लें। पारिवारिक उत्तरदायित्व में वृद्धि होगी, जो आपको मानसिक तनाव दे सकती है। आज अचानक किसी से रोमांटिक मुलाक़ात हो सकती है। आज जितना हो सके लोगों से दूर रहें। लोगों को वक्त देने से बेहतर है अपने आपको वक्त दें। आपको ख़ुशी से भरी जीवन को सही से जीना चाहते हैं तो टाइम टेबल के हिसाब से चलना सीखें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अगर आप पर्याप्त आराम नहीं कर रहें है तो आप बहुत ज़्यादा थकान महसूस करेंगे और आपको अतिरिक्त आराम की ज़रूरत होगी। दिन की शुरुआत में ही आज आपको कोई आर्थिक हानि हो सकती है जिससे सारा दिन खराब हो सकता है। दिन के दूसरे हिस्से में कुछ दिलचस्प और रोमांचक काम करने के लिए बढ़िया वक़्त है। आज किसी सहकर्मी के साथ आप शाम का वक्त बिता सकते हैं हालांकि अंत में आपको महसूस होगा कि आपने उनके साथ समय बर्बाद किया है और कुछ नहीं। आप दोनों आज बहुत मज़े करने वाले हैं। बेरोजगारों को आज के दिन नौकरी न मिलने का मलाल हो सकता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। बच्चे भविष्य की योजनाएँ बनाने की अपेक्षा घर के बाहर ज़्यादा समय बिताकर आपको निराश कर सकते हैं। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। आज आपको अपने जीवनसाथी का दैवीय पक्ष देखने को मिल सकता है। आज आप सब चिंताओं को भुलाकर अपनी रचनात्मकता को बाहर निकाल सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

विवाहित दंपत्तियों को आज अपनी संतान की शिक्षा पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। आपके लिए अपने प्रिय से दूर रहना बहुत मुश्किल होगा। यदि आपको व्यस्त दिनचर्या के बाद भी अपने लिए समय मिल पा रहा है तो आपको इस समय का सदुपयोग करना सीखना चाहिए। ऐसा करके अपने भविष्य को आप सुधार सकते हैं। अपने जीवनसाथी की नुक़्ताचीनी से आप आज परेशान हो सकते हैं, लेकिन वह आपके लिए कुछ बढ़िया भी करने वाला है। जीवन का आनंद अपने लोगों को साथ लेकर चलने में है यह बात आज आप स्पष्टता से समझ सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

भागमभाग भरे दिन के बावजूद आपकी सेहत पूरी तरह दुरुस्त रहेगी। हालाँकि धन आपकी मुट्ठियों से आसानी से सरक जाएगा, लेकिन आपके अच्छे सितारे तंगी नहीं आने देंगे। कुछ लोग आपकी झुंझुलाहट की वजह बन सकते हैं, उन्हें नज़रअंदाज़ करें। अगर आप ऐसा नहीं करते तो आपका प्रेमी आपसे नाराज हो सकता है। आज आप व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी अपने लिए समय निकाल पाने में समर्थ होंगे और इस खाली समय में अपने परिवार वालों के साथ गुफ्तगू कर सकते हैं। रिश्तेदारों के चलते जीवनसाथी से वाद–विवाद हो सकता है, लेकि आख़िर में सब ठिक हो जाएगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

क़िस्मत के भरोसे न बैठें और अपनी सेहत सुधारने के लिए ख़ुद मेहनत करें, क्योंकि हाथ पर हाथ रखे रहने से कुछ नहीं होने वाला। इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। किसी बुजुर्ग की सेहत चिंता का सबब बनेगी। किसी दिलचस्प इंसान से मिलने की प्रबल संभावना है। दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा। आपके पिता आज आपके लिए कोई तोहफा ला सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। परिवार के लोगों के बीच पैसे को लेकर आज कहासुनी हो सकती है। पैसों के मामलों में आपको परिवार के सभी लोगों को स्पष्ट होने की सलाह देनी चाहिए। आज कुछ नया और सृजनात्मक करने के लिए अच्छा दिन है। आपका जीवनसाथी वाक़ई आपके लिए फ़रिश्तों की तरह है और आपको आज यह एहसास होगा। यात्रा पर किसी हसीन अजनबी से मुलाकात आपको अच्छे अनुभव करा सकती है।

आज का पंचांग

दिनांक : 01 जून 2026 , सोमवार
विक्रम संवत : 2083
मास : अधिक ज्येष्ठ , कृष्ण पक्ष
तिथि : प्रतिपदा सायं 04:40 तक
नक्षत्र : ज्येष्ठा रात्रि 07:09 तक
योग : सिद्ध प्रात: 06:18 तक
करण : कौलव सायं 04:40तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक रात्रि 07:09 तक
सूर्योदय : 05:41,सूर्यास्त 06:46 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52, सूर्यास्त 06:42 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:43, सूर्यास्त 06:36 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:33, सूर्यास्त 06:36 (विजयवाडा

शुभ चौघड़िया अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रात: 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल चालू है , अधिक मास चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

फीलखाना संघ में चातुर्मास की तैयारियां तेज, विभिन्न समितियों का गठन

आचार्य विमलसागर सूरीश्वरजी के सान्निध्य में होगा चातुर्मास

हैदराबाद, 31 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री महावीर स्वामी जैन श्वेतांबर संघ, फीलखाना के तत्वावधान में तथा कल्याणकारी तपागच्छ वर्षावास समिति, हैदराबाद त्रयनगर द्वारा आगामी चातुर्मास का आयोजन पूज्य आचार्य श्री विमलसागर सूर–ीश्वरजी म.सा., पूज्य गणीवर्य श्री पद्मविमलसागरजी म.सा. आदि ठाणा के पावन सान्निध्य में किया जाएगा।

प्रचार–प्रसार संयोजक मुकेश चौहान द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार पूज्य आचार्य भगवंत के चातुर्मास को सुव्यवस्थित एवं भव्य बनाने के उद्देश्य से महावीर भवन में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में संघ के ट्रस्टियों, चातुर्मास संयोजकों एवं समाज के प्रमुख सदस्यों ने भाग लिया।

इस अवसर पर संघ के ट्रस्टी एवं चातुर्मास संयोजक मोहनलाल बागरेचा, ट्रस्टी महेंद्र कवाड़, भंवरलाल बागरेचा, बाबूलाल सालेचा, चातुर्मास संयोजक सुरेंद्रप्रकाश भंडारी, अमृतलाल भोजाणी, सह–संयोजक अशोक बंदामुथा, संघवी गौतम बागरेचा वापीवाला, अशोक विनायकिया, दिलीप श्रीश्रीमाल, मुकेश चौहान, प्रवीण एम. विनायकिया, महेंद्र सिंघी, ललित बालड़, दिनेश देवड़ाधोका, आकाश बागरेचा, संघवी अशोक बागरेचा वापीवाला, सुरेश दोशीमुथा, भंवरलाल देवड़ाधोका, पुखराज कवाड़, संदीप भोजाणी, मुकेश ओस्तवाल, संजय मंडोत, विक्रम श्रीश्रीमाल, कीर्तिभाई श्रीश्रीमाल, प्रवीण यू. विनायकिया, ललित ओस्तवाल, रतन भंडारी, महेंद्र विनायकिया, विक्रम बंदामुथा सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक में चातुर्मास की सफल एवं सुव्यवस्थित व्यवस्था हेतु आवास व्यवस्था, भोजन व्यवस्था, विहार वैय्यावच्च व्यवस्था, प्रचार–प्रसार व्यवस्था तथा प्रशासनिक अनुमति व्यवस्था सहित विभिन्न समितियों का गठन किया गया। सभी समितियों में सदस्यों ने उत्साहपूर्वक एवं स्वेच्छा से अपनी जिम्मेदारियां स्वीकार कीं। प्रत्येक समिति के प्रमुखों को अपनी टीम का विस्तार करने एवं अधिकाधिक सदस्यों को जोड़ने की जिम्मेदारी भी सौंपी गई।

जानकारी के अनुसार पूज्य आचार्य भगवंत 17 जून को तेलंगाना राज्य की सीमा में प्रवेश करेंगे तथा 6 जुलाई को हैदराबाद नगर सीमा में पधारेंगे। इसके पश्चात 14 एवं 15 जुलाई को पूज्य गुरुदेव अरिहंत गली स्थित विमलाचल हाइट्स में विराजमान होंगे।

दिनांक 16 जुलाई को प्रातः महावीर भवन में नाश्ते के पश्चात सुबह 8 बजे भव्य चातुर्मास प्रवेश शोभायात्रा बाजे–गाजे के साथ निकाली जाएगी, जो नुमाइश मैदान पहुंचेगी। वहां ऐतिहासिक चातुर्मास प्रवेश समारोह आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर देश के विभिन्न क्षेत्रों से हजारों की संख्या में श्रावक–श्राविकाओं के पहुंचने की संभावना है। नुमाइश मैदान में आयोजित कार्यक्रम के पश्चात प्रातः 11 बजे पूज्य आचार्य भगवंत का महावीर भवन में प्रवेश होगा। आयोजन समिति ने हैदराबाद–सिकंदराबाद के समस्त धर्मप्रेमी बंधुओं से इस ऐतिहासिक एवं पुण्य अवसर पर अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने का आह्वान किया है।

अभा कान्यकुब्ज ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का सम्मान

हैदराबाद, 31 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय कान्यकुब्ज ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री कमलकिशोर तिवारी (सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल) के हैदराबाद आगमन पर महासभा की ओर से उनका सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

इस अवसर पर महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनिल कुमार बाजपेई ने श्री तिवारी को अंगवस्त्र भेंट कर उनका सम्मान एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम के दौरान संगठनात्मक गतिविधियों तथा समाजहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी विचार–विमर्श किया गया।

सम्मान समारोह में महासभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष (महिला प्रकोष्ठ) डॉ. सीमा मिश्र तथा राष्ट्रीय न्यायिक सलाहकार श्री अशोक तिवारी, एडवोकेट (हैदराबाद, आंध्र प्रदेश) भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

उपस्थित पदाधिकारियों ने संगठन की मजबूती, समाज सेवा तथा विभिन्न क्षेत्रों में कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज के उत्थान हेतु किए जा रहे कार्यों पर चर्चा की। सभी ने समाज के लोगों को एकजुट होकर संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का आह्वान किया।

अग्रसेन बायोडाटा कमेटी की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 31 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। रविवार को सिकंदराबाद स्थित कार्यालय में अग्रसेन बायोडाटा कमेटी (एबीसी) की बैठक सम्पन्न हुई।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार उक्त बैठक में समाज के वैवाहिक कार्यो पर चर्चा की गई। जिसमें 33 से अधिक सदस्यों ने अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराई। बैठक की अध्यक्षता चेयरमैन दुर्गाप्रसाद बंसल ने की। बैठक में मुख्य रूप से आदर्श अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, दीशांत अग्रवाल, वीरेंद्र अग्रवाल, केशव संघी, पुरुषोत्तम अग्रवाल, परीक्षित अग्रवाल, दिलिप अग्रवाल, डिम्पल अग्रवाल, मनीष भाई, विकास अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, संजय अग्रवाल, कमलेश भाई, अशोक अग्रवाल, अरविंद गोयल, शिवराज अग्रवाल, संतोष देवी अग्रवाल एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

कमेटी के सदस्यों ने समाज के युवाओं के बेहतर भविष्य और बायोडाटा संकलन की प्रक्रिया को और अधिक सुलभ बनाने के संकल्प के साथ समान हुआ।

राधे-राधे ग्रुप के साथ सेवा का अवसर जीवन का सौभाग्य : कमला प्रसाद गोयल

हैदराबाद, 31 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास केबीआर पार्क पर रविवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आज की सेवा श्री कमला प्रसाद गोयल एवं श्रीमती गीता देवी गोयल परिवार की ओर से श्रद्धा एवं समर्पण भाव से संपन्न कराई गई।

इस अवसर पर कमला प्रसाद गोयल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर सेवा है और राधे–राधे ग्रुप जिस निस्वार्थ भाव से वर्षों से जरूरतमंदों के बीच सेवा कार्य कर रहा है, वह अत्यंत प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि ग्रुप के साथ मिलकर अन्नदान सेवा करने का अवसर उनके परिवार के लिए गर्व और सौभाग्य का विषय है। जरूरतमंदों के चेहरों पर मुस्कान देखकर जो आत्मिक संतोष प्राप्त होता है, उसे शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा कि समाज के सक्षम लोगों को भी ऐसे सेवा कार्यों में आगे आकर अपनी भागीदारी निभानी चाहिए, जिससे अधिक से अधिक जरूरतमंदों तक सहायता पहुंच सके।

राधे–राधे ग्रुप ने सेवा, संस्कार और सामाजिक सरोकारों का जो उदाहरण प्रस्तुत किया है, वह वास्तव में अनुकरणीय है।

अन्नदान कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया। उपस्थित सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए मानवता और परोपकार के संदेश को जन–जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया।

कार्यक्रम में कमला प्रसाद गोयल, गीता देवी गोयल, नवीन गोयल, अर्चना गोयल, निर्णय गोयल, दीक्षा गोयल, निपुण गोयल, मेहक गोयल, सुभाष अग्रवाल, संजय अग्रवाल एवं मनीष अग्रवाल सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। अंत में राधे–राधे ग्रुप के सदस्यों ने गोयल परिवार का सेवा सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए उनके सुखद एवं मंगलमय जीवन की कामना की।

चंद्रबाबू नायडू की किसान–केंद्रित सरकार में किसानों के सपने हुए सच: साना सतीश

राजमहेंद्रवरम/विजयवाडा, 31 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू के किसान–केंद्रित शासन के तहत किसानों की उम्मीदें पूरी हो रही हैं। खरीफ सीजन की खेती में कोई बाधा न आए, इस उद्देश्य से सरकार ने एक अत्यंत महत्वाकांक्षी कदम उठाते हुए समय से पहले ही सिंचाई का पानी छोड़ दिया है। रविवार को धवलेश्वरम स्थित मसर आर्थर कॉटन बैराजफपर आयोजित इस कार्यक्रम ने कोनसीमा और दोनों गोदावरी जिलों के किसानों में एक नया उत्साह भर दिया है।

इस अवसर पर बोलते हुए राज्यसभा सदस्य साना सतीश बाबू ने जोर देकर कहा, मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने जब से कार्यभार संभाला है, तब से किसानों का कल्याण ही उनका मुख्य एजेंडा रहा है। उनका दृढ़ विश्वास है कि यदि एक किसान समृद्ध होगा, तभी गांव और परिणामस्वरूप राज्य व देश समृद्ध होगा। इसी विश्वास के साथ, अल नीनो जैसी मौसम संबंधी चुनौतियों के बावजूद, उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए कि किसानों को बिना किसी परेशानी के सीजन की शुरुआत से पहले ही पानी मिल जाए। यह केवल पानी छोड़ना नहीं है, बल्कि किसानों के प्रति सरकार के अटूट विश्वास का प्रतीक है।

राज्य के मंत्री कंदुला दुर्गेश ने कहा कि पिछली सरकार द्वारा पूरी तरह से उपेक्षित किए गए धवलेश्वरम बैराज को वर्तमान सरकार ने नया जीवन दिया है। सरकार ने 148 करोड़ रुपये की भारी लागत से बैराज के गेटों की मरम्मत और 150 करोड़ रुपये की लागत से 117 नए गेट लगाने का काम शुरू किया है। नहरों से गाद निकालने का काम सिंचाई समितियों को ही सौंपा गया, जिससे बिना किसी भ्रष्टाचार के गुणवत्तापूर्ण काम पूरा हुआ। पहले जहां किसानों को अपने पैसों के लिए महीनों इंतजार करना पड़ता था, वहीं अब 24 घंटे के भीतर उनके खातों में नकद राशि जमा की जा रही है।

काकीनाडा के सांसद तंगेल्ला उदय श्रीनिवास ने कहा कि पानी छोड़े जाने के इस फैसले से काकीनाडा जिले में 1.38 लाख एकड़ भूमि को सिंचाई का पानी मिलेगा, जो कि एक बहुत ही शुभ संकेत है। अमलापुरम के सांसद गंती हरीश माथुर ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं के कारण किसानों को नुकसान से बचाने के लिए आधुनिक तकनीक को जोड़ा जा रहा है।

अनपर्थी के विधायक नल्लामिल्ली रामकृष्ण रेड्डी ने कहा कि गोदावरी का जल पवित्र है और इसे प्रदूषण से बचाने के लिए पर्यावरण विभाग के माध्यम से 100 करोड़ रुपये की योजनाएं तैयार की जा रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि गठबंधन सरकार गोदावरी बैराज के संरक्षण और नहरों के विकास पर विशेष ध्यान दे रही है। विधान परिषद सदस्य पेराबत्तुला राजशेखरम ने सराहना करते हुए कहा कि पिछली सरकार में सिंचाई के पानी को छोड़ने की व्यवस्था पूरी तरह अस्त–व्यस्त थी, जिसे इस सरकार ने एक व्यवस्थित मवार्षिक योजनाफके रूप में तब्दील कर दिया है।

इस कार्यक्रम में मुख्य अभियंता (चीफ इंजीनियर) चिनबाबू, विभिन्न जिलों के जनप्रतिनिधियों और किसान संघों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर इसे सफल बनाया।

ईएचएस प्रीमियम कटौती की तपस कामारेड्डी जिला शाखा ने की कड़ी निंदा

बांसवाड़ा, 31 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना रीजन टीचर्स एसोसिएशन (तपस) की कामारेड्डी जिला शाखा ने कर्मचारियों के वेतन से ईएचएस (एम्प्लॉई हेल्थ स्कीम) के लिए मासिक प्रीमियम कटौती किए जाने पर कड़ी आपत्ति जताई है। संगठन ने इसे बिना स्पष्ट दिशा–निर्देशों के लिया गया सरकार का एकतरफा निर्णय बताते हुए इसकी निंदा की है। तपस नेताओं ने कहा कि सरकार द्वारा किसी स्पष्ट गाइडलाइन या व्यापक परामर्श के बिना कर्मचारियों के वेतन से ईएचएस प्रीमियम की कटौती की जा रही है, जो उचित नहीं है। संगठन का मानना है कि इस मुद्दे पर सभी कर्मचारी एवं शिक्षक संगठनों को खुलकर अपनी प्रतिक्रिया देनी चाहिए और कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए आगे आना चाहिए। संगठन ने कहा कि पिछले तीन वर्षों से तेलंगाना के कर्मचारियों एवं शिक्षकों को विभिन्न मदों के महंगाई भत्ते (डीए) तथा पीआरसी (पे रिवीजन कमीशन) से संबंधित बकाया राशि का भुगतान नहीं किया गया है। ऐसे समय में ईएचएस के नाम पर अतिरिक्त कटौती करना कर्मचारियों पर आर्थिक बोझ बढ़ाने वाला कदम है। तेलंगाना रीजन टीचर्स एसोसिएशन ने स्पष्ट किया कि यदि इस विषय पर सरकार द्वारा सकारात्मक पहल नहीं की गई तो संगठन आगे की रणनीति तय करते हुए आवश्यक कदम उठाने के लिए तैयार है। तपस कामारेड्डी जिला अध्यक्ष बोनेकर संतोष एवं जिला महासचिव सत्यनारायण ने सरकार से कर्मचारियों और शिक्षकों की भावनाओं का सम्मान करते हुए ईएचएस प्रीमियम कटौती के निर्णय पर पुनर्विचार करने तथा इस संबंध में स्पष्ट नीति जारी करने की मांग की है।

सिखवाल ब्राह्मण समाज युवा समिती द्वारा सेवा ही धर्म है के तहत आर्यण स्पोर्ट क्लब के पास राहगीरों को दही चावल एवं शीतल जल का वितरण दोपहर 12 से सायं 04–30 बजे तक किया गया। जिसका सैकड़ों राहगीरों ने लाभ लिया । कार्यक्रम में युवा समिती सदस्यगण व समाजबंधु उपस्थित थे।

संकष्टी चतुर्थी पर इसलिए पूजे जाते हैं मंगलमूर्ति गणेश

संकष्टी चतुर्थी के बारे में कई कथाएं प्रचलित हैं इनमें से सबसे ज्यादा प्रचलित कथा गणेश जी पर ही केंद्रित है। कहते हैं एक बार देवता अपने कष्ट निवारण के लिए भगवान शंकर के पास गए। उस समय भगवान शिव के पास उनके ज्येष्ठ पुत्र कार्तिकेय और गणेश भी बैठे हुए थे।

● संकष्टी चतुर्थी के बारे में कई कथाएं प्रचलित हैं इनमें से सबसे ज्यादा प्रचलित कथा गणेश जी पर ही केंद्रित है। कहते हैं एक बार देवता अपने कष्ट निवारण के लिए भगवान शंकर के पास गए। उस समय भगवान शिव के पास उनके ज्येष्ठ पुत्र कार्तिकेय और गणेश भी बैठे हुए थे।

● शिवजी ने दोनों बालकों से पूछा– 'तुम में से कौन ऐसा वीर है जो देवताओं का कष्ट निवारण करेगा।' तब कार्तिकेय ने स्वयं को देवताओं का सेनापति प्रमाणित करते हुए देव रक्षा योग्य तथा सर्वोच्च देव पद मिलने का अधिकारी सिद्ध किया।

● यह बात सुनकर शिवजी ने गणेश की इच्छा जाननी चाही। तब गणेशजी ने विनम्र भाव से कहा– 'पिताजी, आपकी आज्ञा हो तो मैं बिना सेनापति बने ही सब संकट दूर कर सकता हूं।'

● यह सुनकर हंसते हुए शिव ने दोनों को पृथ्वी की परिक्रमा करने को कहा तथा यह शर्त रखी– 'जो सबसे पहले पूरी पृथ्वी की परिक्रमा करके आ जाएगा वही वीर तथा सर्वश्रेष्ठ देवता घोषित किया जाएगा।'

● कार्तिकेय बडे गर्व से अपने वाहन मोर पर चढकर पृथ्वी की परिक्रमा करने चल दिए। गणेशजी ने सोचा कि चूहे के बल पर तो पूरी पृथ्वी का चक्कर लगाना अत्यंत कठिन है इसलिए उन्होंने एक युक्ति सोची।

● गणेश जी 7 बार अपने माता–पिता की परिक्रमा करके बैठ गए। रास्ते में कार्तिकेय को पूरे पृथ्वी मण्डल में उनके आगे चूहे के पैरों चिह्न दिखाई दिए। परिक्रमा करके लौटने पर निर्णय की बारी आई।

● कार्तिकेय जी गणेश पर नाराज हो गए और स्वयं को पूरे भूमण्डल का एकमात्र पर्यटक बताया। इस पर गणेश ने शिव से कहा– 'माता–पिता में ही समस्त तीर्थ निहित हैं इसलिए मैंने आपकी 7 बार परिक्रमा की हैं।'

● गणेश की बात सुनकर समस्त देवताओं तथा कार्तिकेय ने सिर झुका लिया। तब शंकरजी ने उन्मुक्त कण्ठ से गणेश की प्रशंसा की तथा आशीर्वाद दिया– 'त्रिलोक में सर्वप्रथम तुम्हारी पूजा होगी।' तब गणेशजी ने पिता की आज्ञानुसार जाकर देवताओं का संकट दूर किया।

● जो स्त्री–पुरुष इस संकष्टी चतुर्थी तिथि पर भगवान गणेश जी का पूजन तथा चंद्र अर्ध्यदान देगा। उसका त्रिविधि ताप (दैहिक, दैविक, भौतिक) दूर होगा और ऐश्वर्य, पुत्र, सौभाग्य को प्राप्त करेगा। यह सुनकर देवगण हर्षातिरेक में प्रणाम कर अंतर्धान हो गए।

शास्त्रों के अनुसार जो व्यक्ति एकादशी के दिन व्रत रखकर भगवान विष्णु की पूजा करता है उसके कई जन्मों के पाप कट जाते हैं और व्यक्ति विष्णु लोक में स्थान प्राप्त करता है। संस्कृत शब्द एकादशी का शाब्दिक का अर्थ ग्यारह होता है। एकादशी पंद्रह दिवसीय पक्ष (कृष्ण पक्ष और शुक्ल पक्ष) के ग्यारवें दिन आती है।

इसलिए यह व्रत सर्वश्रेष्ठ और परम फलदायक है

शास्त्रों के अनुसार हर वैष्णव को एकादशी के दिन व्रत करना चाहियें। यह व्रत मनुष्य जीवन के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। 28 अगस्त को जया एकादशी व्रत है। पुराणों में सभी व्रतों में एकादशी व्रत का बडा महत्व बताया गया है। पूरे साल में 24 एकादशी आती है । एकादशी का आरम्भ उत्पन्ना एकादशी से होता है। सी मान्यता है कि इसी एकादशी से एकादशी के व्रत की शुरुआत हुई थी। शास्त्रों के अनुसार सतयुग में इसी एकादशी तिथि को भगवान विष्णु के शरीर से एक देवी का जन्म हुआ था।

उस देवी ने भगवान विष्णु के प्राण बचाए थे जिससे प्रसन्न होकर श्री विष्णु जी ने इन्हें एकादशी नाम दिया। शास्त्रों के अनुसार जो व्यक्ति एकादशी के दिन व्रत रखकर भगवान विष्णु की पूजा करता है उसके कई जन्मों के पाप कट जाते हैं और व्यक्ति विष्णु लोक में स्थान प्राप्त करता है। शास्त्रों के अनुसार एकादशी का ब्रत रखने वाला संसार की मोहमाया के प्रभाव से मुक्त हो जाता है, उसमें बुराइयाँ समाप्त होती जाती है और एकादशी के ब्रत के पुण्य के प्रभाव से वह व्यक्ति विष्णु लोक में स्थान पाता है।

एकादशी के ब्रत को सभी ब्रतों में श्रेष्ठ माना जाता है । इस दिन योग्य ब्राहमणो को यथा शक्ति दान दक्षिणा भी देना चाहिए । इस व्रत को करने से समस्त इच्छाएं पूर्ण होती हैं और भगवान श्री हरि विष्णु और माँ लक्ष्मी अति प्रसन्न होते हैं। जातक को जीवन में धन, यश, आरोग्य, विघा, योग्य पुत्र , पारिवारिक सुख, ऐश्वर्य तथा मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है और अंत में वह विष्णु लोक को जाता है। उसके पितृ भी तर जाते है, उन्हें स्वर्ग में स्थान मिलता है। जातक की आने वाली पीढियों को भी इस ब्रत का लाभ मिलता है। इसलिए यह व्रत सर्वश्रेष्ठ और परम फलदायक है। हिन्दु धर्म के सभी धर्म ग्रन्थ एकादशी के दिन पूर्ण रूप से उपवास करने को करते हैं। शास्त्रों के अनुसार इस पृथ्वी में पुण्य फलो की प्राप्ति के लिए आठ वर्ष से अस्सी वर्ष तक के सभी मनुष्यों को एकादशी के दिन ब्रत अवश्य ही रखना चाहिए। शास्त्रों के अनुसार जो पूर्ण रूप से उपवास नहीं कर सकते है वह दोपहर या संध्या काल में एक बार भोजन कर सकते हैं। परन्तु इस दिन किसी कोई भी , किसी भी रूप या स्थिति में अन्न को ग्रहण नहीं करना चाहिये। एकादशी ब्रत करने की इच्छा रखने वाले मनुष्य को एकादशी से एक दिन पहले दशमी के दिन मांस, प्याज, लहसुन , मसूर की दाल आदि निषेध वस्तुओं का सेवन नहीं करना चाहिए एवं रात्रि को पूर्ण ब्रहमचर्य का पालन करना चाहिए ।एकादशी से एक दिन पहले अर्थात दशमी के दिन रात को सोने से पहले अच्छी तरह दाँत को साफ करके सोना चाहिए ।

एकादशी के दिन प्रात: लकडी का दातुन या मँजन न करें, वरन उँगली से कंठ को अच्छी तरह से साफ कर लें, और पानी से बारह बार कुल्ला कर लें। फिर स्नानादि कर गीता पाठ एवं उस दिन की एकादशी की कथा को पढे करें या पुरोहितजी से श्रवण करें। उस दिन ब्रत करने वाले को प्रभु के सामने यह प्रण करना चाहिए कि ' आज मैं कोई भी बुरा काम, बुरा आचरण नहीं करूँगा , किसी का दिल नहीं दुखाऊँगा ना ही दुष्ट मनुष्यों से बात करूँगा और रात्रि को जागरण कर कीर्तन करूँगा।'एकादशी के दिन 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय' इस द्वादश मंत्र का अधिक से अधिक जाप करें। इस दिन विष्णु के सहस्रनाम भी पाठ करें । भगवान विष्णु से प्रार्थना करें कि– हे ईश्वर आप मुझे इस ब्रत को विधिपूर्वक पूरा करने की शक्ति प्रदान करना। इस दिन यदि भूलवश कोई बुरा आचरण हो भी जाय तो प्रभु श्रीहरि की पूजा कर उनसे क्षमा माँग लेना चाहिए। एकादशी के दिन ना तो घर में झाड़ू लगाएं और ना ही इस दिन बाल कटवाएं । इस दिन अधिक बोलना भी नहीं चाहिए। क्योंकि अधिक बोलने से मुख गलत शब्द भी निकल जाते हैं। एकादशी के दिन क्रोध नहीं करते हुए मीठे, मधुर वचन ही बोलने चाहिए।

एकादशी के दिन निम्न चीजे अवश्य करे :

* एकादशी के दिन यथाशक्ति दान अवश्य ही करना चाहिए।

* इस दिन चाहे आपने ब्रत रखा हो या नहीं लेकिन आप किसी भी दूसरे मनुष्य का दिया हुआ अन्न बिलकुल भी ग्रहण न करें। ।

* ब्रत रखने वाले को एकादशी के दिन गाजर, शलजम, गोभी, पालक, कुलफा का साग इत्यादि का सेवन नहीं करना चाहिए।

* इस दिन दूध, सेब, आम, अंगूर, मेवो में बादाम, पिस्ता , दूध इत्यादि का सेवन करें। इस दिन प्रत्येक वस्तु को प्रभु को भोग लगाकर तथा तुलसीदल छोडकर ग्रहण करना चाहिए।

* एकादशी के अगले दिन अर्थात द्वादशी के दिन ब्राहमणों को मिष्ठान्न, दान दक्षिणा अवश्य ही देना चाहिए और उन्हें भोजन कराने के बाद ही स्वयं भोजन करना चाहिए ।जया एकादशी व्रत से मिलती है पिशाच योनी से मुक्ति। शास्त्रों में कहा गया है कि जो व्यक्ति श्रद्धा पूर्वक जया एकादशी का व्रत रखता है वह ब्रहमहत्या जैसे महापाप से छूट जाता है। इस व्रत के पुण्य से व्यक्ति को पिशाच योनी से भी मुक्ति मिल जाती है। शास्त्रों में बताया गया है कि इस व्रत के दिन पवित्र मन से भगवान विष्णु की पूजा करनी चाहिए। मन में द्वेष, छल–कपट, काम और वासना की भावना नहीं लानी चाहिए। नारायण स्तोत्र एवं विष्णु सहस्रनाम का पाठ करना चाहिए। इस प्रकार से जया एकादशी का व्रत करने से भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती।

पैसों का पेड, जिस पर होना चाहिए यह चीनी सिक्का

धन और समृद्धि का सबसे प्राचीन प्रतीक मध्य में एक वर्ग छेद के साथ एक चीनी सिक्का है। ये फेंगशुई की दुकान पर मिल ही जाता है। यह सिक्का सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है। जब आप इस सिक्के का उपयोग करें तो इसे पैसों के पेड पर सजा सकते हैं व्यापक प्रतीकों में मेंढक एक खजाने पर बैठे और अपने मालिक के पास अच्छे भाग्य लाने। अपने घर में धन का क्षेत्र का स्थान है, और फेंग शुई के सिद्धांत और व्यवहार के अनुसार, पर है दक्षिण–पूर्व, जहां यह धन और समृद्धि के प्रतीक है, साथ ही तावीज और आकर्षण जगह पर व्यापार में अच्छी किस्मत को आकर्षित करती है यह सिक्का एक ही क्षेत्र में और रखा जा सकता है। इसके अलावा फेंगशुई के अनुसार घर में पैसे के लिए लिफाफे, चीनी पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार, लाल होना चाहिए। मौजूदा खर्च के लिए पैसे के साथ लिफाफा चरित्र समृद्धि, एक फूल पूर्ण विकसित दिखने में उसके समान प्रतिनिधित्व करते हैं चित्रलिपि धन (बॉक्स की तरह) के साथ लिफाफेअधिक एक निश्चित राशि के लिए कुछ भी संचय के लिए उपयुक्त हैं। इन सरल सिफारिशों के बाद और पुराने लक्षण को सुन कर, यह संभव है आप अपने नगदी प्रवाह को आकर्षित करने और इसे अपने परिवार के कल्याण के लिए रखना होगा।

यह व्यक्ति के जीवन मे प्रसिद्धि, सफलता और प्रतिभा की भविष्यवाणी करती है

यह रेखा व्यक्ति के जीवन मे प्रसिद्धि, सफलता और प्रतिभा की भविष्यवाणी करती है। सूर्य की रेखा को अपोलो रेखा, सफलता रेखा या प्रतिभा रेखा से भी जाना जा सकता है एवं यह हाथ के आकार पर निर्भर करता है । सूर्य रेखा द्वारा व्यक्ति के जीवन में ख्याति, सफलता और प्रतिभा की भविष्यवाणी की जा सकती है। सूर्य रेखा का उदय, जीवन रेखा, हदय रेखा, चंद्र पर्वत, मंगल स्थान या मष्तिष्क रेखा से होता है । सूर्य की रेखा का आकार, सफलता की सीमा का निर्धारण करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और व्यक्ति के जीवन में ख्याति, सफलता और ख्याति बनाए रखने में स्थिरता और उत्पन्न बाधाओं को बताता है । सूर्य रेखा के साथ मष्तिष्क रेखा अगर ढलती हुई जाती हैं तो इससे ज्ञात होता है कि व्यक्ति की सफलता कलात्मक क्षेत्र जैसे कविता, कला, साहित्य, कल्पनाशील पर आधारित क्षेत्र मे होती है। सूर्य रेखा के साथ कई महीन रेखाए ये दर्शाती है कि व्यक्ति कलात्मकता युक्त होता है परन्तु बहुविचारो के कारण वह किसी एक क्षेत्र मे सफलता नही प्राप्त कर पाता । सूर्य रेखा यदि स्पष्ट है तो व्यक्ति संवेदनशील, दयालु और उदार है इसका परिणाम उसे लोकप्रिय बनाता है । सूर्य की रेखा यदि असाधारण रुप से सीधी है तो व्यक्ति अपार धन का स्वामी, सामाजिक शक्ति प्राप्त करता है।

इस रेखा पर यदि तारा हो तो व्यक्ति प्रतिभावान होता है और उसकी स्थायी सफलता निश्चित है । सूर्य रेखा पर यदि वर्ग बना हो तो व्यक्ति अपने नाम और सामाजिक स्थिति के कारण दुश्मन के हमले से सुरक्षित होता है । कर्संदर्भ में दुश्मन के हमले के खिलाफसंरक्षण के संकेत सूर्य रेखा पर एक द्वीप की स्थिति ये दर्शाती है कि व्यक्ति की निंदा होती है अंतत: एक लोकापवाद के रुप मे सामने आती है । एक प्रतिभाशाली और कलात्मक हाथ पर सूर्य की रेखा की अनुपस्थिति ये दर्शाती है कि व्यक्ति की कडी मेहनत के बावजूद ख्याति प्राप्त करने मे मुश्किल आती है ।

यदि सूर्य रेखा बिखरी हुई भाग्य रेखा के साथ हो तो व्यक्ति निरंतर विफलताओं और निराशाओं के बावजूद सदैव खुश दिखाई देगा । यदि सूर्य रेखा के साथ भाग्य रेखा भी समानांतर चल रही हो साथ मे मष्तिष्क रेखा भी स्पष्ट हो तो यह एक अत्यंत शुभ संकेत है, और ऐसा व्यक्ति अपार धन का स्वामी, व्यवहारिक और भाग्यशाली होता है । यदि सूर्य की रेखा हाथ मे सपष्ट दिखाई दे और कुछ समय बाद लुप्त हो जाए तो ऐसा व्यक्ति प्राय: दुखी रहता है लेकिन जब सूर्य की रेखा स्पष्ट होती है वो समय उसके लिये सुखमय होता है ।

यदि एक खोखले हाथ पर सूर्य रेखा विध्यामान हो तो ऐसा व्यक्ति निरंतर दुर्भाग्य होने के बावजूद सदेव आशावादी एव तेजस्वी प्रतीत होता है

सूर्य रेखा को अपोलो रेखा, सफलता की रेखा या बुद्धिमत्ता की रेखा के नाम से भी जाना जाता है। यह रेखा कलाई के पास चंद्र पर्वत से निकलकर अनामिका तक जाती है।

बेडरूम में झरने, तालाब की तस्वीर नहीं लगाएं

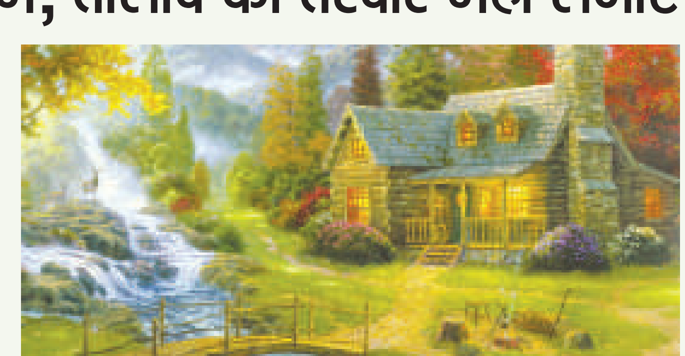

आपसी बातचीत शादीशुदा जिंदगी में रिश्तों की डोर को मजबूत बनाती है और टीवी और अन्य गैजेट्स इस बातचीत को पूरी तरह खत्म कर देते हैं। इसलिए फेंगशुई के अनुसार अगर शादीशुदा जिंदगी में खुशियां चाहिए तो टीवी को बेडरूम से बाहर निकालना ही होगा। एक ही गदा हो, फेंगशुई के अनुसार पति–पत्नी के बेड पर एक ही गदा होना चाहिए। मसलन अगर डबल बेड है तो भी गद्दा एक ही फुल साइज होना चाहिए। दो गदों का प्रयोग वैवाहिक जोडे के भविष्य के लिए हानिकारक माना जाता है। अलगाव नहीं संबंधों को दें जगह। पति–पत्नी के बेडरूम में अलगाव को दर्शाने वाली चीजें नहीं होना चाहिए। यहां नदी, तालाब, झरना और जल संग्रह आदि की तस्वीरें नहीं लगानी चाहिए। पुराने रिश्तों को ना दें जगह, अगर पति–पत्नी में से किसी का पहले किसी अन्य से कोई रिश्ता हो तो उसे जुडी हर वस्तु बेडरूम से बाहर रखनी चाहिए। इस बात का ख्याल खासकर उन कपल्स को रखना चाहिए जिनकी या तो तलाक या पहली पति या पत्नी के मरने के बाद दूसरी शादी हुई हो। पानी वाली चीजें रखें बाहर। फेंगशुई के अनुसार पानी प्यार की ऊर्जा में बाधक का काम करता है, इसलिए बेडरूम में झरने, तालाब आदि की तस्वीर नहीं लगानी चाहिए। साथ ही बेडरूम के अंदर किसी तरह का फव्वारा या मछलीघर भी नहीं रखना चाहिए।

पीने के लिए भी बस एक बोतल पानी रात के समय काफी है। बेडरूम में अपना बिस्तर खिडकी या दीवार से सटाकर कभी भी न लगाएं। इससे रिश्तों में तनाव उत्पन्न होता है और आपसी असहयोग की प्रवृत्ति को बढावा मिलता है। घर को थोडा सजाएं, जिन युवाओं को अपना मनचाहा प्रेमी नहीं मिल रहा उन्हें सबसे पहले अपना घर देखना चाहिए। घर को सजाना पॉजिटिव एनर्जी को लाने का सबसे आसान तरीका होता है। घर की साफ–सफाई और सजावट में वक्त दीजिए। फेंगशुई के अनुसार सिंगल कुर्सियां और पक्षी, जानवरों की मूर्ति अकेलेपन को दर्शाती है, इसलिए सिंगल कुर्सियों को हटाएं। घर में जोडे वाले पक्षियों की तस्वीर या मूर्ति लगाए। इससे आपस में प्यार बढेगा। दक्षिण–पश्चिम कोना है बेहतर, फेंगशुई के अनुसार घर का दक्षिण पश्चिम हिस्सा ही प्यार का हिस्सा होता है। इस हिस्से को जितना हो सके सजा कर रखें।

फेंगशुई सिर्फवस्तुओं को सही जगह रखने का विज्ञान भर नहीं है, बल्कि इससे लव लाइफको भी बेहतर बनाया जा सकता है। इसमें ऐसे कई टिप्स हैं जिसका पालन करके अविवाहित और विवाहित दोनों अपनी जिंदगी में लव का संचार कर सकते हैं। घर में टीवी, कंप्यूटर पर ज्यादा समय न दें बल्कि प्यार को जगाएं।

पेंटिंग बदल सकती है किस्मत

● **यदि** हम आस–पास तलाश करें, तो हर तरफनकारात्मकता दिखाई देगी। ऐसे में हम अपने घर में सकारात्मकता का प्रवेश लाने के लिए कुछ आसान से वास्तु उपाय आजमा सकते हैं। ऐसा करने पर आप अपने व्यवसाय और जिंदगी में तरक्की की नई सीढियां चढ सकते हैं।

● जीवित व्यक्ति की तस्वीर या पेंटिंग पश्चिम दिशा में और दिवंगतों की दक्षिण दिशा में होनी चाहिए।

घर में हमेशा उदय होते सूर्य की तस्वीर और पेंटिंग ही लगाएं। क्योंकि अस्त होता सूर्य नकारात्मकता को प्रदर्शित करता है।

● घर में झाड़ू की वजह से घर में किसी भी तरह की नकारात्मक ऊर्जा नहीं फैलती है।

बच्चों की तस्वीर, लैंडस्केप या हरा–भरा जंगल आदि जैसे पेंटिंग या फोटो पश्चिम दिशा में लगाना उत्तम माना गया है।

● हिंदू धर्म में झाड़ू को लक्ष्मी के समान माना जाता है। ध्यान रखें घर का कोई भी सदस्य झाड़ू को पैर न लगाए। यह लक्ष्मी का अपमान माना जाता है और इससे घर में कई तरह की आर्थिक परेशानियां आ सकती हैं।

● नवविवाहित जोडे की फोटो या पेंटिंग कमरे की उत्तर दिशा या उत्तर–दक्षिण कोने में लगानी चाहिए।

घर में पेंडुलम इसीलिए है जरूरी

परिवर्तन एक क्रियाशील शब्द है। जो जिंदगी में आगे बढने की सीख देता है। परिवर्तन यांग ऊर्जा को बढावा देता है। फेंगशुई में 'यांग' सकारात्मक ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करती है।

यह नकारात्मक रूप से प्रवाहित हो रही 'चि' ऊर्जा को रोकने में सक्षम है। फेंगशुई विशेषज्ञों का मानना है, 'घर में पेंडुलम वाली घडी, छत के निचले सिरे पर पंखा और टेबल फेन जरूर उपयोग करना चाहिए।'

यह उपकरण आपको इस तरह लगाना चाहिए। जिससे परिवर्तन सा दृश्य हो यानी यह कमरे के दक्षिण क्षेत्र में ऊर्जा को प्रवाहित करें। पूर्व दिशा हमारे जीवन में बहुत महत्व रखती है यह सेक्स और भविष्य निर्माण की शक्ति का संचय रखने में सक्षम है।

यदि ऊपर बताए गए उपकरणों के रंगों का चयन भी सकारात्मक रंगों जैसे पीला, हरा, केसरिया आदि के अनुरूप किया जाए तो यह और भी ज्यादा प्रभावशाली हो जाते हैं।

घर में भोजन कक्ष की ऐसी हो स्थिति

भोजन शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है। फेंगशुई के अनुसार यदि भोजन सही दिशा में बैठ कर सर्व किया जाए तो इसका ज्यादा लाभ मिलता है। भोजन बनाने की जगह हमेशा साफ रखनी चाहिए। यहां मौजूद फर्नीचर को व्यवस्थित रखते हुए, डाइनिंग टेबल को कमरे के बीचों बीच ही रखें। ताकि ऊर्जा का प्रवाह ठीक तरह से हो। डाइनिंग टेबल यदि गोलाकार या अष्टकोणीय हो तो ज्यादा प्रभावशाली होती है। वर्गाकार या आयाताकार टेबल के कोने गोल होना चाहिए। यह बेहतर माना गया है। डाइनिंग टेबल के सामने आइना जरूर लगाएं। आईना कुछ इस तरह लगाइए कि खाद्य पदार्थ भी उसमें दिखाई देते रहें। ऐसा करने पर यह घर में अन्न का भंडार खत्म नहीं होने देते। यदि संभव हो सके तो किचिन में फलों और सब्जियों की पेंटिग्स या चित्र भी लगाएं। और टेबल पर फलों को सजाकर रखें। आपका फ्रीज भी सब्जियों और फ्लों से भरा होना चाहिए। ऐसा करने पर आपके घर में समृद्धि बनी रहती है। चीनी फेंगशुई के अनुसार फुक, लुक और साऊ चीनी देवताओं की मूर्तियों को किचिन में लगाना अति सौभाग्यशाली जाता है।

वसा खाना है आपके लिए अच्छा

आहार और पोषण विशेषज्ञ दोनों ही दादी-नानी की घी-तेल खाने की सलाह को सही मानते हैं। इससे न सिर्फ शरीर की मांसपेशियां व ढांचा मजबूत होते हैं, शरीर की विटामिंस को ग्रहण करने की क्षमता भी बढ़ती है। क्या आप वसा से परहेज रखने की सोच रहे हैं? यदि हां तो एक बार अमेरिकी कृषि विभाग के विशेषज्ञों द्वारा हाल में जारी आहार निर्देश पर भी गौर करें। उनके अनुसार, हर रोज एक या दो अंडे डाइट में शामिल करना टाइप टू डायबिटीज के खतरे और हृदय रोगों की आशंका को कम करता है। हमारे शरीर को हर रोज कुछ वसा की जरूरत होती है। इसके बिना शरीर स्वयं से ट्रीग्लिसिराइड, कोलेस्ट्रॉल व अन्य फैटी एसिड नहीं बना पाता। इन्हीं वसा का टूटना शरीर को विकास और अंगों को सुरक्षा देने के लिए ऊर्जा देता है। शरीर वसा में घुलनशील विटामिन्स को बेहतर तरीके से ले पाता है। वनस्पति तेल, घी और मक्खन को अपने आहार में समय-समय पर बदलते रहना चाहिए। वसा शरीर के मेटाबॉलिज्म, जोड़ व हड्डियों को दुरुस्त रखता है।

घी

आयुर्वेद में प्राचीन समय से गाय के दूध का बना घी उपचार व खाने में इस्तेमाल किया जाता रहा है। सर्वे के अनुसार गाय का घी लिवर में कैंसर के कारक कार्सिनोजेंस का सक्रिय होना कम करता है। सही मात्रा में घी खाने से हृदय रोगों से बचाव होता है। हानिकारक कोलेस्ट्रॉल के स्तर में कमी आती है। पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है और त्वचा में चमक आती है। हर रोज एक चम्मच घी खाना ऊर्जा के स्तर को बनाए रखता है और वसा की जरूरत को पूरा करता है।

अंडा

अंडे में एमयूएफए और पीयूएफए होते हैं, जो हृदय के लिए लाभकारी हैं। ये विटामिन बी-12 व प्रोटीन से भरपूर होते हैं। सलाद के साथ अंडा खाने से शरीर वसा में घुलनशील कैरेटेनॉएड को ढंग से ले पाता है, जिससे सूजन, दर्द व तनाव कम होता है। बॉडी बिल्डर्स के लिए हर रोज दो और अन्य के लिए हर रोज एक अंडा खाना पर्याप्त है।

मेवा

बादाम, अखरोट और पिस्ते में एमयूएफए प्रचुर मात्रा में होते हैं, जो रक्तचाप कम करते हैं। ऊर्जा बढ़ाते हैं व कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित रखते हैं। इसमें प्रोटीन, आयरन और ओमेगा-3 फैटी एसिड होते हैं। पहाड़ी बादाम में ओलिक एसिड और मैग्नीशियम अधिक होता है, जो कैंसर की आशंका कम करता है। नियमित चार से छह बादाम, दो अखरोट और छह पिस्ते खाएं।

चीज

एक दिन छोड़ कर 20 ग्राम चीज खाना आपकी वसा की जरूरत को पूरा कर देता है। इसमें प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन बी-12 होते हैं। यह उत्पाद कैल्शियम व प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। इसकी एक स्लाइस, एक गिलास दूध के बराबर है। चीज नहीं खाते तो सफेद मक्खन, 60 ग्राम तक घरेलू पनीर और 300 ग्राम दही खा सकते हैं।

गर्भवती महिलाएं दें ध्यान

इकतीसवें हफ्ते में बच्चे का वजन बढ़ता रहता है। इस समय उसका वजन करीब साढ़े तीन से चार पाउंड और लंबाई 15 इंच तक होनी चाहिए। बच्चा वसा की परत का विकसित करना जारी रखेगा और हर हफ्ते उसका आधा पाउंड वजन बढ़ता रहेगा। बच्चे के फेफड़े विकसित हो गए है और वे संकुचन द्वारा सांस लेने में सक्षम हो गए हैं। बच्चा अब गर्भ के बाहर की आवाज को स्पष्ट रूप से सुन सकता है।

ग्रीन टी से प्रभावित होती है प्रजनन क्षमता

आमतौर पर लोगों को ग्रीन टी का अधिक शौक होता हैं सामान्य चाय की तुलना में स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद मानी जाती है। लेकिन ये खबर आपको डरा सकती है। एक शोध से सामने आया है कि इसके लगातार सेवन से प्रजनन क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। वैज्ञानिकों के अनुसार, ग्रीन टी की बढती लोकप्रियता इसका सेवन करने वालों की संख्या को लगातार बढ़ा रही है जो कि गलत है।

मुश्किल समय में कैसे करें बच्चों की देखभाल

हर किसी के जीवन में सुख-दुख लगा रहता है। ऐसे में खुद को संभालना तो संभव है। लेकिन जब एक माता-पिता की भूमिका में रहते हैं तो बच्चों की खास देखभाल करनी होती है। हर परिवार में कभी ना कभी कुछ मुश्किल परिस्थितियां पैदा होती हैं जिनके साथ बच्चों की देखभाल करना मुश्किल हो सकता है। किसी की मृत्यु, बीमारी, तलाक या आर्थिक समस्याएं वो है जिनके बारे में बच्चों को कुछ नहीं बताया या समझाया नहीं जा सकता है। बच्चों के बाल मन पर इसका विपरीत असर ना हो इसलिए आपको खास देखभाल करनी चाहिए।

बच्चों को मुश्किलों से बचाएं

अभिभावक होने के नाते आपकी जिम्मेदारी है कि बच्चों को दुनिया की भयानक सच्चाई से बचा कर रखें। आपको हर उस चीज से अपने बच्चे को बचाना चाहिए जो उसे नुकसान पहुंचा सकती है। लेकिन हम में से ज्यादातर लोग ऐसा नहीं कर पाते हैं। अगर जीवन में दुख, दर्द, निराशा, असफलता है तो इन सबको हरा कर ही आपको खुशी, सफलता और उम्मीद की किरण भी मिलती है। जीवन में दुख-सुख तो लगे ही रहते हैं लेकिन आपको इन परिस्थितियों से लड़ना आना चाहिए। ध्यान रखिए आप अपने बच्चों के सामने जैसा करेंगे वो वैसा ही सीखेंगे। अगर आप दुख की घड़ी में बिना विचलित हुए अपने बच्चे को अच्छी देखभाल करते हैं तो यह गुण उसमें भी जरूर आएगा।

खुद की देखभाल जरूरी है

बच्चों का खयाल रखने से पहले जरूरी है कि आप खुद का खयाल रखें। अगर आप खुद ठीक नहीं रहेंगे तो बच्चों को कैसे संभाल पाएंगे। अकसर ऐसा होता कि कठिन परिस्थितियों के दौरान आप खाना-पीना छोड़ देते हैं जिससे आपको कमजोरी, चिंता, थकान और चक्कर की समस्या होती है। ऐसे में आप अपने बच्चों की देखभाल कैसे कर पाएंगे। इसलिए पहले खुद को संभालना सीखें जिससे आपके बच्चे की परवरिश पर कोई असर ना हो।

मदद लेने में नहीं है बुराई

अगर इस दौरान खुद को अकेला महसूस कर रहे हैं तो किसी से मदद लेने में कोई बुराई नहीं है। आप चाहें तो परिवार में किसी सदस्य या दोस्त की मदद ले सकते हैं। इसके अलावा किसी काउंसलर की मदद लेना भी अच्छा विकल्प है। अगर आपका बच्चा थोड़ा समझदार है तो उसे अपनी समस्या के बारे में बताने में कोई बुराई नहीं है लेकिन अगर बच्चा छोटा है तो उसके साथ हंसने, खेलने से भी आपको दिमागी सुकून मिलता है।

बच्चे के साथ समय बिताएं

इस मुश्किल और तनावपूर्ण समय में अपने बच्चे के साथ समय बीताना भी जरूरी है जैसे उसे पार्क में ले जाना या उसकी मनपसंद आइसक्रीम खिलाने के लिए ले जाना। हो सकता है कि यह सब कुछ करने के लिए आप खुद को तैयार नहीं कर पा रहे हो लेकिन बच्चा इस चीज को नहीं समझ सकता है। इसलिए अगर आप कुछ देर के लिए अपना दुख भूलकर उसकी खुशी में खुश होगें तो आपको भी अच्छा लगेगा।

अदरक कई बीमारियों के लिए रामबाण

अदरक सिर्फ स्वाद ही नहीं बढाता बल्कि दवा के रूप में भी काम में आता है। अदरक के उपयोग से कई समस्याओं से निजात पा सकते हैं।

वजन कम करना- अदरक में थर्मोजेनिक एजेंट नामक तत्व होता है जो वसा को खत्म करने में मदद करता है, जिससे वजन आसानी से कम होता है।

बुखार में आराम- अदरक से बुखार में भी आराम मिलता है। शहद के साथ इसे खाने से बुखार कम होता है।

जोड़ों के दर्द में राहत- अदरक को सुखाकर उसे जायफल के साथ पीसकर तिल के तेल में डालकर पेस्ट बनाया जाता है, उस पेस्ट को जोड़ों पर लगाने से आराम मिल सकता है।

गैस की समस्या से निजात- पिसी हुई सोंठ और कैरम के बीजों को नींबू के रस में भिगोकर छाया में सुखाकर प्रतिदिन सुबह लेने से गैस और पेडू के दर्द में आराम मिलता है।

सिरदर्द और बदन दर्द से राहत- सिरदर्द, माइग्रेन, गर्दन और शरीर का दर्द होने पर सूखी अदरक और पानी का लेप बनाकर लगाने से आराम मिलता है।

उल्टी रोकने में सहायक

जी मचलाने, ठण्ड में पसीना आने, चक्कर आने और उल्टी आने जैसी समस्याओं को कम करने में यह बेहद फायदेमंद है।

कैंसर को बढ़ने से राकता है

इसमें कैंसररोधी गुण भी मौजूद होते हैं, जो कैंसर कोशिकाओं को बढ़ने से रोकते हैं।

पेट दर्द और कब्ज से राहत

पेट दर्द, कब्ज और अपच जैसी समस्याओं में इसे पीसकर हींग और सेंधा नमक के साथ लेने से आराम मिलता है।

लकवे का प्रभाव कम करता है

लकवे के प्रभाव को कम करने के लिए सूखी अदरक का पाउडर, जिगरी और गर्म मसूर की दाल को मिलाकर खाने से फायदा होता है।

आपका फैशन स्टेटमेंट बनेगा स्टाइलिश

मल्टी-टास्किंग रेड कलर से दिखेंगी हॉट

रेड कलर फैशन स्टेटमेंट बन चुका है और यह जल्दी ट्रेंड से जाने वाला भी नहीं। यगंस्टर्स इसके काफी क्रेजी होते हैं। वे रेड के जरिए खुद को ज्यादा हॉट साबित करने की कोशिश करते हैं। अब जबकि ठंड कुछ-कुछ बढ़ने लगी है, रेड से आप अपना फैशन स्टेटमेंट कुछ ज्यादा स्टाइलिश बना सकती हैं। जब बात की जाए मेकअप की तो रेड कलर से बेहतर और कोई नहीं हो सकता। इस सीजन में तो यह कलर मल्टी-टास्किंग बन चुका है। यह सिर्फ होंठों पर नहीं दिखता, बल्कि गालों और आंखों को भी खूबसूरत लुक देता है।

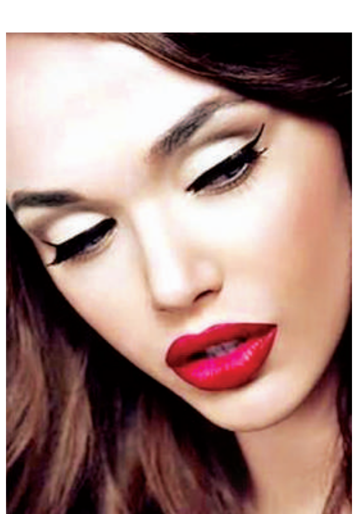

स्किन के अनुसार करें सिलेक्शन

रोजी लिप्स: अगर आपको लिप कलर से बोल्ड दिखने का शौक है तो, आप रेड कलर की लिपिस्टक लगा सकती हैं। रेड लिपिस्टक कई शेड्स में अवेलेबल हैं, जिसे पसंद व स्किन टोन के अनुसार सिलेक्ट किया जा सकता है। अगर आप रेड लिपिस्टक लगा रही हैं तो आई मेकअप लाइट रखें, अगर लिप और आई मेकअप दोनों डार्क होंगे तो लुक लाउड लगेगा।

मैट लिप्स: आप अगर स्पॉट लाइट एंजॉय करती हैं तो मैट शेड आपके लिए बेहतरीन चॉइस है। इससे यह पता चल जाता है कि आप कूल हैं या हॉट। जब आप रेड कलर की मैट लिपिस्टक खरीदने जाएं तो उन पर यह लिखा हुआ जरूर चेक करें, जैसे मैट, 18 घंटे या लॉन्ग लास्टिंग और शीयर या सैमीमैट को अवॉयड करें।

फाउंडेशन के साथ लगाएं पाउडर

ग्लासी लिप्स: अगर आपको ड्रामा पसंद है तो आपके लिए बैस्ट ऑपशन है ग्लॉसी रेड लिपिस्टक। यह आजकल फैशन में भी है। ग्लॉसी रेड लिपिस्टक सेक्सी व बोल्ड लुक देती है और अट्रैक्टिव भी लगती है। ग्लॉसी लिप्स मैट कॉम्पलैक्शन के साथ बेहतरीन दिखते हैं। मैट फिनिश कॉम्लैक्शन के लिए अपने फाउंडेशन के साथ पाउडर का इस्तेमाल करें।

चैरी चीक्स: ब्लश गालों की शेप और चेहरे की रंगत को उभारता है। इसे आमतौर पर गालों के उभार वाले हिस्से पर लगाया जाता है। अगर लाइटली ब्लश अप्लाई किया जाए, तो चीक्स को यूथफुल और नैचुरल लालिमा मिलती है। पाउडर ब्लश लगाने में ब्रश का इस्तेमाल करें। क्रीम ब्लश लगाने में स्पंज का इस्तेमाल करें।

ऑटिज्म जैनेटिक नहीं मेडिकल समस्या, इलाज संभव

आटिज्म पिछले कुछ दशकों से एक गंभीर समस्या बनी हुई है। अमेरिका में यह अनुपात 1975 से पहले 5 हजार बच्चों में से एक बच्चा था जो 2015 में पहुंचते-पहुंचते 50 बच्चों के पीछे एक हो गया- 40 सालों में 100 गुना ज्यादा बढ़ोतरी। एक अनुमान के अनुसार अमेरिका में प्रत्येक वर्ष इन बच्चों की गिनती में 10-17 फीसदी की बढ़ोतरी हो रही है, जबकि भारत में इन बच्चों की संख्या कहीं ज्यादा है। भारत में 2011 की जनगणना के अनुसार, 2.4 मेल और 2.0 फीमेल एक या एक से ज्यादा किस्म की अपंगता के शिकार हैं। उत्तरी भारत में इन बच्चों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। हर एक शहर और छावनी में इन बच्चों के लिए सेंटर खुल गए हैं। प्रत्येक सेंटर में इन बच्चों की संख्या 30-50 है। ऑटिज्म का इलाज अब संभव हो गया है।

ऑटिज्म के मुख्य लक्षण...

यह बच्चे अपने आप में मस्त रहते है, हड़बड़ाहट, इधर-उधर घूमते रहते हैं,आंखों से आंखें मिलाकर बात नहीं करते, दूसरों की बातों में ध्यान ना देना, बार-बार सूंघना, बिना मतलब हंसना-रोना, एक ही हरकत को बार-बार करना, हाथों को हिलाना, उछलते-कूदते रहना, इनकी समझ कम होती है या बातों का जवाब नहीं दे सकते, खिलौने को फेंकते हैं या तोड़ते हैं, बहुत ज्यादा हाईपर होते है, दूसरों से व्यवहार अच्छी तरह नहीं करते आदि।

लक्षणों को जानने के बाद होता है इलाज

'डीफीट ऑटिज्म नाउ' के अनुसार इन बच्चों का ईलाज पूरी तरह संभव है पर इसके लिए पहले बच्चे के बायोमेडिकल ईलाज, जिसमें सबसे पहले बच्चे के लक्षणों की जांच होती है। फिर लक्षणों का कारण जानने के लिए अलग-2 लैब टेस्ट में से गुजारा जाता है। टेस्टों के आधार पर अलग-2 डॉक्टर जैसे- बच्चों के माहिर, एलोपैथि डॉक्टर, नैचरोपैथ, आयुर्वेद, डायटीशीयन, कैरलथेरापीस्ट, न्युरोथेरापिस्ट, करेनियोसेकरल थैरेपिस्ट एक ही थ्योरी पे चलते हुए काम करते है, व लक्षणों की गहराई में जाकर इलाज करते हैं, जिससे बच्चों के अंदर कुदरती तौर पर सुधार आने लगता है।

ऐसे होता है बीमारी में सुधार...

ऑटिज्म सिर्फ जीन्स की बीमारी नहीं, इसी तरह इसको सिर्फ दिमाग की बीमारी समझना भी वैज्ञानिक भूल है। आटिज्म पूरे शरीर की बीमारी है, आटिज्म से पीड़ित बच्चों में और भी अनेक अंगों के नुक्स होते हैं, जैसे- शरीर की बीमारियों से लड़ने की क्षमता कम होना, बार-2 आंत की सोजस होना, पाचन शक्ति कम होना, भारी धातुओं (जैसे- लैड, आरसैनिक, अल्युमिनीयम, पारा, कैडमियम, बेरियम) का ज्यादा होना व पोषक तत्वों का कम होना आदि। जब भारी धातुओं की मात्रा शरीर में बढ़ जाती है तो यह शरीर की कैमिकल व हार्मोन की संरचना को बिगाड़ देती है। जिसका सीधा असर दिमाग के ऊपर होता है। जैसे-2 ये भारी धातुएं शरीर से किलेशन प्रणाली द्वारा बाहर निकाल दिए जाते है।

रेसिपी

अचारी पनीर टिक्का

सामग्री

अचारी मॅरीनेड के लिए: 1/2 कप चक्का दही, 1 टेबल-स्पून हरीमिर्च का आचार, 1 टी-स्पून कटा लहसुन, 1 टी-स्पून सौंफ, 1/4 टी-स्पून मेथी दाना, 1/4 टी-स्पून कलौंजी, 1 टी-स्पून जीरा, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1 टेबल-स्पून राई का तेल, नमक, स्वाद अनुसार

अन्य सामग्री: 2 कप 37 एमएम के चकोर टुकड़ो में कटा पनीर

परोसने के लिए: दहीं वाली पुदीना चटनी

विधि

अचारी मॅरीनेड के लिए: दही, हरी मिर्च का आचार और लहसुन को मिक्सर में डालकर मुलायम पेस्ट बना लीजिए। एक बाउल में निकालकर एक तरफ रख दीजिए। शेष बची सारी सामग्री को ब्लैंडर में डालकर दरदरा पीस लीजिए। दरदरे पिसे पाउडर और दहीं के पेस्ट को एक बाउल में डालकर अच्छी तरह मिला लीजिए। एक तरफ रख दीजिए। **कैसे आगे बढ़े:** एक बाउल में पनीर और अचारी मॅरीनेड को डालकर हल्के हाथ से मिलाइए और 20 मिनट के लिए एक तरफ रख दीजिए। मॅरीनेड किए हुए पनीर के टुकडों को स्कीवर में पिरोकर चारों तरफ से भूरा होने तक बारबेक्यू पर ग्रिल कीजिए। स्कीवर में से निकालकर दहींवाली पुदीना चटनी के साथ परोसिए। **सुलभ सुझाव:** यदि आपके पास हरीमिर्च का आचार नही है तो इस व्यंजन को बनाने के लिए आप किसी भी अन्य अपने मनपसंद आचार का प्रयोग कर सकते है।

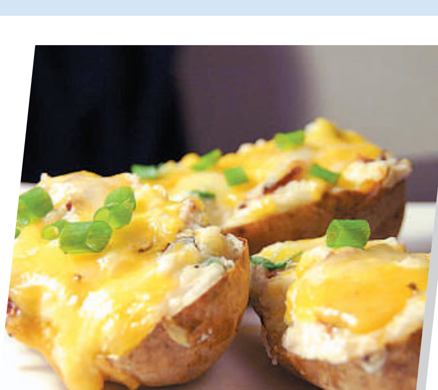

आलू चीज क्रोकैट्स्

सामग्री

मिलाकर चीजी भरवां मिश्रण बनाने के लिए: 2 टेबल-स्पून कसा हुआ मोजरैला चीज, 2 टेबल-स्पून कसा हुआ प्रौसेस्ड चीज, 3 टेबल-स्पून चिली-गार्लिक सॉस, **अन्य सामग्री:** 4 कप उबले, छिले और मसले हुए आलू, नमक स्वादअनुसार, 1/2 टी-स्पून ताजी पीसी हुई कालीमिर्च, 1/2 कप मैदा, 3/4 कप ब्रेड क्रम्बस्, रोल करने के लिए, तेल, तलने के लिए

विधि

आलू, नमक और काली मिर्च को बाउल में अच्छी तरह मिला लें। इस मिश्रण को 6 बराबर भाग में बांटकर, हर भाग के छोटे गोले बना लें। बीच से थोड़ा दबाकर गड्ढा बना लें। चीजी मिश्रण का 1 टी-स्पून रखकर दुबारा लंबे गोल आकार का बना लें। मैदा और 3/4 कप पानी को अच्छी तरह मिलाकर एकसर मिश्रण बना लें। प्रत्येक क्रोकेट को मैदा-पानी के मिश्रण में डुबोकर ब्रेड क्रमबस् में सभी तरफ से रोल कर लें। कढ़ाई में मध्यम आंच पर तेल गरम करें और क्रौकेट्स् लडालकर उनके सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज पर निकालकर गरमा गरम परोसें।

संपादकीय

लू से हलकान जिंदगी

हाल के दिनों में आसमान से बरसती आग से देश में जन-जीवन बुरी तरह झुलस रहा है। रोज तापमान बढ़ने के नये रिकॉर्ड सामने आ रहे हैं। ये असहनीय तापमान केवल स्वास्थ्य की चुनौती मात्र नहीं हैं, बल्कि एक आर्थिक संकट भी है। देश में असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिक भीषण गर्मी में काम करने को मजबूर हैं। यदि वे ऐसा न करें तो उनके सामने आजीविका का संकट पैदा हो जाता है। स्कूल-कालेज तो लू के दौरान बंद किए जा सकते हैं, सरकारी व गैर सरकारी दफ्तरों में काम के घंटों में बदलाव किया जा सकता है, लेकिन खेत में काम करने वाले खेतिहर मजदूर व निर्माण कार्य में लगे श्रमिकों को तो तपती दोपहरी व लू के बीच काम करने को मजबूर होना पड़ता है। दरअसल, लू की मार जहां शारीरिक है, वहीं आर्थिक भी। लगातार बढ़ते तापमान से लोगों की आजीविका और श्रम उत्पादकता पर बुरा असर पड़ रहा है। इस संकट को हाल के दिनों में हुई ईंधन की कीमतों की वृद्धि और महंगाई ने और बढ़ा दिया है। लोगों को सीमित संसाधनों में जीवन यापन को मजबूर होना पड़ रहा है। विडंबना यह है कि इस संकट का सबसे घातक प्रभाव उस तबके को सहन करना पड़ता है जो 'रोज कुंआ खोदकर पानी पीने' को बाध्य है। एक दिन की कमाई से ही रात को उसके घर का चूल्हा जलता है। लू के निशाने पर वे अनौपचारिक श्रमिक हैं जो भारतीय आर्थिकी की रीढ़ है। सही मायनों में लू के खिलाफ लड़ाई को अब केवल एक मौसमी सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या ही नहीं माना जा सकता है। धीरे-धीरे यह एक गंभीर आर्थिक चुनौती भी बनी है। अनेक अंतर्राष्ट्रीय संगठन इस बाबत चेताते रहे हैं। वर्ष 2024 में अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने अनुमान लगाया था कि लू से उपजे हालात से भारत को सौ अरब डॉलर का नुकसान हुआ था। इससे पहले वर्ष 2022 में विश्व बैंक ने चेतावनी दी थी कि भारत का तीन-चौथाई श्रमिक वर्ग लू से प्रभावित क्षेत्रों में काम करने को मजबूर है। अनुमान है कि लू के तनाव के कारण होने वाली विश्वव्यापी नौकरियों की कमी में भारत की हिस्सेदारी आधी हो सकती है। दरअसल, भारत में सबसे अधिक जोखिम वाले समूहों में निर्माण श्रमिक, खेतिहर श्रमिक, किसान, स्ट्रीट वेंडर और डिलीवरी एजेंट शामिल हैं। हालांकि, समय-समय पर केंद्र व राज्य सरकारों ने कार्य समय का पुनर्निधारण, छायादार विश्राम क्षेत्र बनाने, जलपान सुविधा, सुरक्षात्मक कपड़े और स्वास्थ्य निगरानी को लेकर एडवाइजरी जारी की है, लेकिन फिर भी संकट के दायरे को देखते हुए ये उपाय नाकाफी हैं। देखा जाए तो फिलहाल भारत में गर्मी के संकट से मुकाबले के लिये बनायी गई योजनाएं काफी हद तक अस्थायी रूप से राहत देने वाली हैं। वक्त की मांग है कि भीषण गर्मी वाले महीनों के लिये तत्काल व्यापक नीतिगत ढांचा तैयार किया जाए। ऐसा तंत्र विकसित करने की जरूरत है जो लू चलने के दौरान सुरक्षित कार्य परिस्थितियों को एक मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता प्रदान करे। इस साल के आरंभ में वित्त आयोग ने सिफारिश की थी कि भीषण गर्मी के दौरान चलने वाली लू को आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत अधिसूचित आपदाओं की सूची में शामिल किया जाए। निस्संदेह, इस वर्गीकरण से राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष से मिलने वाले धन का उपयोग लोगों को राहत और सहायता प्रदान करने में मदद देगा। इसके अलावा लू के दौरान कई अन्य नकारात्मक प्रभाव भी देखने में आते हैं। मसलन इस समय बिजली व पानी की खपत अप्रत्याशित रूप से बढ़ जाती है। इससे निबटने के लिये मजबूत और सक्रिय तंत्र विकसित करने की जरूरत है। निर्विवाद रूप से देश के नीति-निर्माताओं और अन्य हितधारकों के सामने इस संकट से मुकाबले के लिये स्पष्ट विकल्प मौजूद हैं। केंद्र व राज्य सरकारों को चाहिए कि समय रहते निर्णायक रूप से अनुकूलन का तंत्र विकसित करें। यदि समय रहते इस दिशा में कदम नहीं उठाया गया तो भविष्य में अधिक मानवीय क्षति व आर्थिक कीमत चुकानी पड़ सकती है।

स्कूल-कालेज तो लू के दौरान बंद किए जा सकते हैं, सरकारी व गैर सरकारी दफ्तरों में काम के घंटों में बदलाव किया जा सकता है, लेकिन खेत में काम करने वाले खेतिहर मजदूर व निर्माण कार्य में लगे श्रमिकों को तो तपती दोपहरी व लू के बीच काम करने को मजबूर होना पड़ता है। दरअसल, लू की मार जहां शारीरिक है, वहीं आर्थिक भी। लगातार बढ़ते तापमान से लोगों की आजीविका और श्रम उत्पादकता पर बुरा असर पड़ रहा है। इस संकट को हाल के दिनों में हुई ईंधन की कीमतों की वृद्धि और महंगाई ने और बढ़ा दिया है। लोगों को सीमित संसाधनों में जीवन यापन को मजबूर होना पड़ रहा है। विडंबना यह है कि इस संकट का सबसे घातक प्रभाव उस तबके को सहन करना पड़ता है जो 'रोज कुंआ खोदकर पानी पीने' को बाध्य है। एक दिन की कमाई से ही रात को उसके घर का चूल्हा जलता है। लू के निशाने पर वे अनौपचारिक श्रमिक हैं जो भारतीय आर्थिकी की रीढ़ है। सही मायनों में लू के खिलाफ लड़ाई को अब केवल एक मौसमी सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या ही नहीं माना जा सकता है। धीरे-धीरे यह एक गंभीर आर्थिक चुनौती भी बनी है। अनेक अंतर्राष्ट्रीय संगठन इस बाबत चेताते रहे हैं। वर्ष 2024 में अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने अनुमान लगाया था कि लू से उपजे हालात से भारत को सौ अरब डॉलर का नुकसान हुआ था।

कुछ अलग

इटैलियन सिनेमा संघर्ष से पुनर्जन्म तक

कभी विश्व सिनेमा में अपनी अलग पहचान रखने वाला इटैलियन सिनेमा 1980 के दशक में दर्शकों, सिनेमाघरों और फिल्मों की संख्या में लगातार गिरावट का सामना कर रहा था। 1990 के शुरुआती वर्षों तक स्थिति इतनी खराब हो गई कि इटली में बनने वाली फिल्मों की हिस्सेदारी राष्ट्रीय बाजार में बहुत कम रह गई। हॉलीवुड की विशाल बजट वाली फिल्मों के सामने पारंपरिक इटैलियन शैली की फिल्में टिक नहीं पा रही थीं, निर्देशक और कलाकार टेलीविजन की ओर मुड़ने लगे। ऐसा लगने लगा था कि इटैलियन सिनेमा का स्वर्णिम दौर समाप्त हो चुका है। लेकिन 1980 के दशक के अंत और 1990 के दशक में नई सोच वाले निर्देशकों की एक पीडी सामने आई, जिसने इटैलियन सिनेमा को नई ऊर्जा दी। इन फिल्मकारों ने भव्यता के बजाय भावनाओं, मानवीय संबंधों और सांस्कृतिक स्मृतियों को केंद्र में रखा। यही कारण था कि उनकी फिल्में केवल इटली ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में सराही गईं। ज्यूसेपे तोरनातोरे की फिल्म न्यूवो सिनेमा पैराडिसो (1988) इस पुनर्जागरण का सबसे बड़ा प्रतीक बनी। यह फिल्म केवल एक सिनेमाघर की कहानी नहीं थी, बल्कि सिनेमा और दर्शकों के बीच भावनात्मक रिश्ते का उत्सव थी. फिल्म को ऑस्कर पुरस्कार मिलने के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इटैलियन सिनेमा की प्रतिष्ठा फिर से बढ़ने लगी। इसके बाद गैब्रिएले साल्वातोरेस की मेडिटेरानेओ (1991) और रोबर्टो बेनिनी की लाइफ इज ब्यूटीफुल (1997) जैसी फिल्मों ने दुनिया को दिखाया कि इटली अब भी संवेदनशील और मानवीय कहानियां कहने की कला में अद्वितीय है।

दृष्टि कोण

बंगाल के बाद ममता के लिए इंडी गठबंधन में भी "वजूद" का संकट गहराने लगा!

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 हारने के बाद टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी विपक्षी 'आईएनडीआईए' गठबंधन को लेकर अचानक बेहद सक्रिय हो गई हैं। बदले समीकरणों में राहुल गांधी ममता पर भारी पड़ रहे हैं। बंगाल चुनाव प्रचार से सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव की रणनीतिक दूरी ममता बनर्जी के लिए बाधा बन कर उभरी है। ममता के मुख्यमंत्री रहते हुए जेडीयू के नीतीश कुमार को इस गठबंधन का संयोजक बनाने के प्रस्ताव पर बिफर जाने वाली और बंगाल में कांग्रेस-लेफ्ट को एक सीट न देने वाली ममता बनर्जी आज खुद को राष्ट्रीय राजनीति में प्रासंगिक बनाए रखने के लिए छटपटा रही हैं।राजनीति बंगाल चुनाव के दौरान समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने पश्चिम बंगाल में प्रचार न करके दूरगामी राजनीतिक संदेश दिया था, क्योंकि वे यूपी में कांग्रेस के साथ अपने गठबंधन को किसी भी कीमत पर बचाना चाहते हैं। अब यदि 2027 के यूपी चुनाव में कांग्रेस और सपा का गठबंधन बरकरार रहता है, तो ममता बनर्जी के सामने सबसे बड़ा धर्मसंकट यह होगा कि क्या वे राहुल गांधी को विपक्ष का मुख्य चेहरा स्वीकार करेंगी, या फिर वे कांग्रेस और वामपंथियों के बिना एक नए 'थर्ड फ्रंट' की वकालत करेंगी। 2026 के बंगाल चुनाव के दौरान समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बंगाल के रण में ममता बनर्जी के पक्ष में एक भी चुनावी जनसभा या प्रचार नहीं किया जबकि 2021 के चुनाव में सपा ने टीएमसी के समर्थन में बकायदा अपनी टीम भेजी थी। बंगाल चुनाव में अखिलेश की दूरी का कारण था कि अगर वे बंगाल जाकर ममता बनर्जी के मंच पर खड़े होते, तो यूपी में कांग्रेस के साथ उनका गठबंधन खटाई में पड़ सकता था क्योंकि बंगाल में कांग्रेस और टीएमसी एक-दूसरे के धुर विरोधी थे। जब गठबंधन के भीतर जनता दल यूनाइटेड के नेता नीतीश कुमार को इस राष्ट्रीय मोर्चे का संयोजक या चेहरा बनाने की चर्चा चली थी, तब ममता बनर्जी इस कदर नाराज हो गई थीं कि उन्होंने बैठक तक से दूरी बनाने के संकेत दे दिए थे। बाद में उन्होंने बंगाल की सभी 42 लोकसभा सीटों और फिर 2026 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और लेफ्ट को एक भी सीट देने से साफ

इनकार कर दिया था। विश्लेषकों के अनुसार मगर आज स्थितियां पूरी तरह उलट गयी हैं। बंगाल की सत्ता हाथ से जाने के बाद ममता बनर्जी के पास अपनी राष्ट्रीय पहचान और राजनीतिक वजूद को बचाने के लिए 'आईएनडीआईए' गठबंधन की छत्रछाया में आने के अलावा कोई दूसरा मजबूत विकल्प नहीं बचा है लेकिन बड़ा सवाल यह है कि यदि 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का गठबंधन दोबारा मजबूती से मैदान में उतरता है, और देश के अन्य राज्यों में भी कांग्रेस ही विपक्ष की मुख्य धुरी बनी रहती है तो क्या ममता बनर्जी अपनी पुरानी जिद छोड़कर राहुल गांधी को विपक्ष का सर्वमान्य नेता स्वीकार कर लेंगी? राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ममता बनर्जी के लिए राहुल गांधी के पीछे खड़े होना उनके राजनीतिक अहंकार और कड़े स्वभाव के विपरीत होगा, लेकिन सत्ता से बेदखल होने के बाद अब वे फ्रंट फुट के बजाय बैक फुट पर खेलने को मजबूर हैं। राजनीतिक गलियारों में एक चर्चा यह भी तैर रही है कि ममता बनर्जी वास्तव में कांग्रेस के नेतृत्व वाले 'आईएनडीआईए' गठबंधन को मजबूत नहीं करना चाहतीं, बल्कि वे इसके भीतर रहकर एक ऐसा 'दबाव समूह' बनाना चाहती हैं जो कांग्रेस और विशेषकर राहुल गांधी की लीडरशिप को कमजोर कर सके। ममता बनर्जी आज भी एक ऐसे 'थर्ड फ्रंट' या 'बिन कांग्रेस' वाले मोर्चे की पक्षधर है जहां क्षेत्रीय क्षत्रपों जैसे अखिलेश यादव, अरविंद केजरीवाल और स्टालिन का दबदबा हो और वे खुद उस मोर्चे की मार्गदर्शक या मुख्य चेहरा बन सकें। जानकारों की माने तो इस पूरे त्रिकोण में सबसे दिलचस्प स्थिति वामपंथी दलों सीपीआई-एम और अन्य लेफ्ट पार्टियों की है।

विश्व माता-पिता दिवस- 1 जून, 2026

माता-पिता हैं वर्तमान की शक्ति और भविष्य की प्रेरणा

माता-पिता को उनके बच्चों के लिए किए गए उनके काम, बच्चों के प्रति उनकी निस्वार्थ प्रतिबद्धता और इस रिश्ते को पोषित करने के लिए उनके आजीवन त्याग के लिए सम्मान और सराहना देने के लिए प्रतिवर्ष विश्व माता-पिता (अभिभावक) दिवस 1 जून को मनाया जाता है। यह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का पालन दिवस है। यह दिन हमें उस महान शक्ति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का भी अवसर देता है, जिसके कारण मानव जीवन का अस्तित्व, विकास और संस्कार संभव हो पाते हैं। वर्ष 2026 की थीम 'माता-पिता के लिए एक साथ' एक अत्यंत महत्वपूर्ण संदेश लेकर आई है। यह केवल माता-पिता के सम्मान का आह्वान नहीं करती, बल्कि पूरे समाज, समुदायों, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारों को यह प्रेरणा देती है कि वे माता-पिता की भूमिका को समझें, उनके साथ खड़े हों और उनके दायित्वों को निभाने में सहयोग करें। अधिकांश देशों में सदियों से माता-पिता का सम्मान करने की परंपरा रही है। माता-पिता ईश्वर का सबसे अच्छा उपहार हैं।

विश्व के अधिकतर देशों की संस्कृति में माता-पिता का रिश्ता सबसे बड़ा एवं प्रगाढ़ माना गया है। भारत में तो इन्हें ईश्वर का रूप माना गया है। माता-पिता को उनके बच्चों के लिए किए गए उनके काम, बच्चों के प्रति उनकी निस्वार्थ प्रतिबद्धता और इस रिश्ते को पोषित करने के लिए उनके आजीवन त्याग के लिए सम्मान और सराहना देने के लिए प्रतिवर्ष विश्व माता-पिता (अभिभावक) दिवस 1 जून को मनाया जाता है। यह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का पालन दिवस है। यह दिन हमें उस महान शक्ति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का भी अवसर देता है, जिसके कारण मानव जीवन का अस्तित्व, विकास और संस्कार संभव हो पाते हैं। वर्ष 2026 की थीम 'माता-पिता के लिए एक साथ' एक अत्यंत महत्वपूर्ण संदेश लेकर आई है। यह केवल माता-पिता के सम्मान का आह्वान नहीं करती, बल्कि पूरे समाज, समुदायों, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारों को यह प्रेरणा देती है कि वे माता-पिता की भूमिका को समझें, उनके साथ खड़े हों और उनके दायित्वों को निभाने में सहयोग करें। अधिकांश देशों में सदियों से माता-पिता का सम्मान करने की परंपरा रही है। माता-पिता ईश्वर का सबसे अच्छा उपहार हैं। जीवन में कोई भी माता-पिता की जगह नहीं ले सकता। वे सच्चे शुभचिंतक हैं। लेकिन मानव इतिहास में कभी भी परिवार और माता-पिता की भूमिका इतनी चुनौतीपूर्ण नहीं रही, जितनी आज है। तकनीकी क्रांति ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन मानवीय संबंधों को नई परीक्षाओं के सामने भी खड़ा कर दिया है। मोबाइल, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस युग में बच्चों की दुनिया तेजी से बदल रही है। ज्ञान के स्रोत घर और विद्यालय से निकलकर डिजिटल मंचों तक पहुंच गए हैं। ऐसे समय में माता-पिता की भूमिका केवल पालन-पोषण तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि वे बच्चों के भावनात्मक संतुलन, नैतिक विकास, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक चेतना के प्रमुख संरक्षक बन गए हैं। वे केवल जीवन देने वाले नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाले हैं। दुनिया के हर समाज में माता-पिता को सम्मान दिया जाता है, लेकिन भारतीय संस्कृति ने उन्हें विशेष रूप से देवत्व का स्थान प्रदान किया है। हमारे उपनिषदों का उद्घोष 'मातृ देवो भवः, पितृ देवो भवः'- मानव सभ्यता के श्रेष्ठतम जीवन मूल्यों में से एक है। मां अपने वात्सल्य, करुणा, त्याग और ममता से जीवन को सींचती है, जबकि पिता अपने परिश्रम, अनुशासन, संरक्षण और संघर्ष से भविष्य की मजबूत नींव रखता है। इसी कारण भारतीय परिवार व्यवस्था सदियों तक विश्व के लिए आदर्श बनी रही है। हमारे इतिहास और पुराणों में ऐसे अनेक प्रसंग हैं जो माता-पिता के सम्मान और सेवा की प्रेरणा देते हैं। श्रवण कुमार की कथा केवल एक पुत्र की कहानी नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा है। अपने वृद्ध और दृष्टिहीन माता-पिता को कंधों पर बैठाकर तीर्थयात्रा कराने वाले श्रवण कुमार ने यह सिद्ध किया कि माता-पिता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है। भगवान

श्रीराम ने पिता दशरथ के वचन की रक्षा के लिए राज्य, वैभव और सुखों का त्याग कर वनवास स्वीकार किया। यह केवल आज्ञापालन नहीं था, बल्कि माता-पिता के सम्मान को सर्वोच्च मानने का संदेश था। महाभारत, रामायण और जैन तथा बौद्ध साहित्य में भी माता-पिता के प्रति श्रद्धा को जीवन का सर्वोच्च मूल्य माना गया है। भगवान के रूप में माता-पिता हमारे लिये एक सौगात हैं जिनकी हमें सेवा करनी चाहिए और कभी उनका दिल नहीं तोडना चाहिए। एक बच्चे को बड़ा और सभ्य बनाने में उसके पिता का योगदान कम करके नहीं आंका जा सकता। मां का रिश्ता सबसे गहरा एवं पवित्र माना गया है, लेकिन बच्चे को जब कोई खरोंच लग जाती है तो जितना दर्द एक मां महसूस करती है, वही दर्द एक पिता भी महसूस करते हैं। पिता कठोर इसलिये होते हैं ताकि बेटा उन्हें देख कर जीवन की समस्याओं से लड़ने का पाठ सीखे, सख्त एवं निडर बनकर जिंदगी की तकलीफों का सामना करने में सक्षम हो। माँ ममता का सागर है पर पिता उसका किनारा है। माँ से ही बनता घर है पर पिता घर का सहारा है। माँ से स्वर्ग है माँ से बैकुंठ, माँ से ही चारों धाम है पर इन सब का द्वार तो पिता ही है। आधुनिक समाज में माता-पिता और उनकी संतान के संबंधों की संस्कृति को जीवंत बनाने की अपेक्षा है। आज जब एकल परिवारों का विस्तार हो रहा है, जीवन की गति तेज हो गई है और रिश्तों में औपचारिकता बढ़ती जा रही है, तब माता-पिता के प्रति संवेदनशीलता को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या, पारिवारिक विघटन और पीढ़ियों के बीच बढ़ती दूरी हमें यह सोचने के लिए विवश करती है कि कहीं आधुनिकता की दौड़ में हम अपने मूल्यों को तो नहीं खो रहे हैं। आर्थिक सफलता, सामाजिक प्रतिष्ठा और तकनीकी उपलब्धियां तभी सार्थक हैं, जब उनके साथ मानवीय संवेदनाएं भी जीवित रहें। जिस घर में माता-पिता सम्मानित होते हैं, वहां संस्कारों की धारा बहती है; जहां उनका उपेक्षित होना प्रारंभ होता है, वहां परिवार की आत्मा कमजोर पड़ने लगती है। वास्तव में माता-पिता किसी भी बच्चे के प्रथम गुरु होते हैं। विद्यालय ज्ञान दे सकता है, लेकिन जीवन जीने की कला, संघर्ष का साहस, प्रेम का भाव, करुणा की संवेदना और नैतिकता की नींव माता-पिता ही रखते हैं। वे अपने बच्चों के लिए अनगिनत त्याग करते हैं, अनेक सपनों का परित्याग करते हैं और बिना किसी अपेक्षा के उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए समर्पित रहते हैं। उनका प्रेम ऐसा निवेश है जिसका प्रतिफल वे कभी मांगते नहीं, लेकिन जिसकी छाया जीवनभर संतानों को सुरक्षा प्रदान करती रहती है। माता-पिता से जुड़ी संस्कृति एवं परिवारों को सशक्त बनाए बिना किसी भी राष्ट्र का भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकता। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम माता-पिता को केवल सम्मान देने की औपचारिकता तक सीमित न रहें, बल्कि उनके प्रति कृतज्ञता, संवेदनशीलता और सहयोग की संस्कृति विकसित करें। उनके अनुभवों को सुनें, उनके संघर्षों को समझें, उनके साथ समय बिताएं और उन्हें यह विश्वास दिलाएं कि वे परिवार और समाज के लिए आज भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितने पहले थे। माता-पिता केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान की शक्ति और भविष्य की प्रेरणा हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नारे "सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास'' की गूंज और भावना अभिभावकों के जीवन में उजाला बने, तभी नया भारत निर्मित होगा। मानवीय रिश्तों में दुनिया में माता-पिता और संतान का रिश्ता अनुपम है, संवेदनाभरा है। माता-पिता हर संतान के लिए एक प्रेरणा हैं, एक प्रकाश हैं और संभावनाओं के पुंज हैं। हर माता-पिता अपनी संतान की निषेधात्मक और दुष्प्रवृत्तियों को समाप्त करके नया जीवन प्रदान करते हैं। माता-पिता की प्रेरणाएं संतान को मानसिक प्रसन्नता और परम शांति देती है। जैसे औषधि दुख, दर्द और पीड़ा का हरण करती है, वैसे ही माता-पिता शिव पार्वती की भांति पुत्र के सारे अवसाद और दुखों का हरण करते हैं। विश्व माता-पिता दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि बदलती दुनिया में बहुत कुछ बदल सकता है, लेकिन माता-पिता के प्रेम, त्याग, मार्गदर्शन और समर्पण का कोई विकल्प कभी नहीं हो सकता। वे परिवार की जड़ हैं, संस्कृति के संवाहक हैं, मानवता के प्रथम शिक्षक हैं और सभ्यता की सबसे मजबूत नींव हैं। यदि हम एक संवेदनशील, संस्कारित और समृद्ध समाज का निर्माण करना चाहते हैं, तो हमें माता-पिता के सम्मान और सशक्तिकरण को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल करना होगा। इस दिवस को मनाने की सार्थकता तभी है जब हम केवल भारत में ही नहीं है बल्कि विश्व में अभिभावकों के साथ होने वाले अन्याय, उपेक्षा और दुर्व्यवहार पर लगाम लगाने की भी है। प्रश्न है कि दुनिया में अभिभावक दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों अभिभावकों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि अभिभावकों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को कैसे रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल अभिभावकों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है।

देश दुनिया से

नया न्यायिक सवेरा – जब न्याय समय पर मिले, तो हर घाव भर जाता है

भारतीय न्याय व्यवस्था में कुछ फैसले केवल कानूनी आदेश नहीं होते, बल्कि बदलाव की नई दिशा तय करते हैं। 29 मई 2026 को सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी निर्देश ऐसा ही एक ऐतिहासिक हस्तक्षेप है। न्यायमूर्ति सूर्य कांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने सभी हाईकोर्टों को स्पष्ट किया कि सुनवाई पूरी होने के बाद सुरक्षित (रिजर्व) रखा गया कोई भी फैसला सामान्यतः तीन महीने से अधिक लंबित नहीं रहना चाहिए। संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत जारी यह निर्देश महज प्रशासनिक व्यवस्था नहीं, बल्कि न्याय की मूल भावना को सशक्त करने का प्रयास है। वर्षों से न्यायालयों में गूंज रही "तारीख पर तारीख" की संस्कृति पर इसे एक निर्णायक और दूरगामी प्रहार माना जा रहा है। न्याय की सबसे बड़ी कसौटी केवल निर्णय नहीं, बल्कि उसका समय पर मिलना है। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्देश इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह न्यायिक प्रक्रिया की उस गंभीर खामी पर प्रहार करता है, जिससे लाखों मुकदमेबाज वर्षों से प्रभावित होते रहे हैं। अनेक मामलों में बहस पूरी होने के बाद फैसले सुरक्षित रख लिए जाते थे, लेकिन उन्हें महीनों या वर्षों तक सुनाया नहीं जाता था। परिणामस्वरूप पक्षकार कानूनी अनिश्चितता में जीने को विवश हो जाते थे और उनका रोजगार, व्यवसाय तथा भविष्य अदालत के निर्णय की प्रतीक्षा में अटक जाता था। इसी वास्तविकता को ध्यान में रखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि न्यायिक फैसलों का अनिश्चितकाल तक लंबित रहना स्वीकार्य नहीं है, क्योंकि न्याय का अर्थ केवल सुनवाई नहीं, समय पर निर्णय भी है। इस आदेश की शक्ति उसके संवैधानिक आधार में निहित है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अनुच्छेद 21 केवल जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का ही नहीं, बल्कि समय पर न्याय की अपेक्षा का भी संरक्षक है। जब किसी व्यक्ति का सम्मान, रोजगार, भविष्य या स्वतंत्रता किसी फैसले पर निर्भर हो, तब निर्णय में अनावश्यक देरी उसके मौलिक अधिकारों को प्रभावित करती है। इसलिए न्यायालय

ने समयबद्ध न्याय को महज प्रशासनिक आवश्यकता नहीं, बल्कि संवैधानिक दायित्व माना है। न्यायमूर्ति सूर्य कांत का यह कथन कि उन्होंने अपने लगभग पंद्रह वर्षों के हाईकोर्ट कार्यकाल में कभी किसी रिजर्व फैसले को तीन महीने से अधिक लंबित नहीं रखा, पूरी न्यायपालिका के लिए एक प्रेरक मानक प्रस्तुत करता है। व्यक्तिगत स्वतंत्रता के प्रश्न पर सुप्रीम कोर्ट ने सबसे स्पष्ट और कड़ा संदेश दिया है। अदालत ने निर्देश दिया कि जमानत याचिकाओं पर आदेश आदर्श रूप से उसी दिन, अथवा अधिकतम अगले दिन जारी हो तथा इसकी सूचना तत्काल जेल प्रशासन तक पहुंचे। यह उन हजारों विचाराधीन कैदियों के लिए बड़ी राहत है, जो दोषसिद्धि के बिना लंबे समय से कारावास में हैं। न्यायालय का स्पष्ट मत है कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता को प्रक्रियागत देरी की भेंट नहीं चढ़ाया जा सकता। जमानत मंजूर होने के बाद उसका त्वरित लाभ मिलना ही वास्तविक न्याय है। इससे न केवल जेलों का बोझ घटेगा, बल्कि न्यायपालिका में जनविश्वास भी और मजबूत होगा। इस ऐतिहासिक निर्देश की सबसे बड़ी ताकत उसका जवाबदेह निगरानी तंत्र है। सुप्रीम कोर्ट ने केवल समय-सीमा तय नहीं की, बल्कि उसके पालन की ठोस व्यवस्था भी सुनिश्चित की है। तीन महीने के भीतर फैसला न आने पर मामला मुख्य न्यायाधीश के समक्ष रखा जाएगा और आवश्यकता पड़ने पर दूसरी पीठ को सौंपा जा सकेगा। साथ ही लंबित रिजर्व मामलों की निगरानी के लिए डिजिटल ट्रैकिंग प्रणाली विकसित करने के निर्देश दिए गए हैं। यह व्यवस्था पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करेगी। वहीं, जटिल मामलों के लिए सीमित छूट का प्रावधान रखकर न्यायालय ने व्यावहारिक संतुलन भी बनाए रखा है। यह पहल केवल लंबित फैसलों के निस्तारण का उपाय नहीं, बल्कि न्याय व्यवस्था की कार्यसंस्कृति में बदलाव का स्पष्ट संकेत है। देश में करोड़ों मुकदमे लंबित हैं और लगातार स्थगन, लंबी सुनवाई तथा निर्णयों में देरी ने आम नागरिक के मन में न्याय को एक थकाऊ और अंतहीन प्रक्रिया बना दिया था। सुप्रीम कोर्ट का यह कदम बताता है कि शीर्ष अदालत अब केवल अंतिम फैसले सुनाने तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे न्यायिक तंत्र को अधिक उत्तरदायी, प्रभावी और परिणामोन्मुख बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। समयबद्ध निर्णयों की संस्कृति विकसित होने से न्यायालयों की कार्यक्षमता बढ़ेगी, संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा और मुकदमों के निस्तारण की गति को नई ऊर्जा मिलेगी। बेशक, इस सुधार की राह पूरी तरह आसान नहीं है। कई हाईकोर्ट न्यायाधीशों की कमी, बढ़ते मुकदमों के बोझ और जटिल मामलों की चुनौती से जूझ रहे हैं। कुछ मामलों में गहन अध्ययन के कारण निर्णय में अतिरिक्त समय भी स्वाभाविक है। फिर भी सुप्रीम कोर्ट ने व्यावहारिक संतुलन बनाए रखा है। अतिरिक्त पीठों का गठन, डिजिटल तकनीक का विस्तार, वैज्ञानिक केस मैनेजमेंट और प्रशासनिक दक्षता में सुधार इस बदलाव को गति दे सकते हैं। इन उपायों के प्रभावी क्रियान्वयन से न्यायिक प्रक्रिया की रफ्तार और गुणवत्ता, दोनों में उल्लेखनीय सुधार संभव है। किसी भी न्यायिक सुधार की असली कसौटी उसका प्रभाव आम नागरिक के जीवन पर होता है।

आप का नज़रिया

मां-बाप का हक

संवेदनाओं के क्षरण व आत्मकेंद्रित होती नई पीढ़ी के दौर में मां-बाप की बेकद्री विचलित करने वाली है। यह विडंबना ही है कि उन मां-बाप की देखभाल करने का निर्देश अदालत को देना पड़ रहा है, जिनका ऋण वे कभी चुका ही नहीं सकते। मां के रक्त से सींचे गए और पिता की पसीने से पले-बढ़े बेटे से यदि अदालत को कहना पड़े कि 'मां को घर में रहने के लिये एक कमरा, अलग बाथरूम और बुनियादी सुविधाएं दी जाएं', तो यह बात शर्मसार करने वाला है। जिस मां ने नौ माह तक बेटे को अपने पेट में पाला, उसे घर में रहने देने के लिये अदालत को निर्देश देना पड़े, इससे बड़ा कृतघ्नता का दूसरा उदाहरण नहीं हो सकता। भले ही यह कोर्ट का आदेश हो, लेकिन यह एक अलिखित नैतिक दायित्व पहले से ही है। निश्चय ही यह घटनाक्रम हमारे समाज की बेहद कष्टदायक होती तसवीर को ही उकेरता है। सामान्य तौर पर मां-बाप अपना पेट काटकर, अपने सुख-सुविधाओं पर समझौता कर, बच्चों को बेहतर से बेहतर देने का प्रयास करते हैं। एक मां-बाप ही होते हैं जो सच्चे मन से अपने बच्चों की तरक्की चाहते हैं। निस्संदेह, ऐसी पढ़ी-लिखी संतानों से अनपढ़ संतानें बेहतर हैं, जो कम से कम अपने वृद्ध माता-पिता के पास रहकर उनका ख्याल तो रखती हैं। यह सवाल परेशान करने वाला है कि जिस समाज में 'मातृ देवो भव' की सर्वस्वीकार्य मान्यता रही हो, वहां ये कैसी कलयुगी संतानें जन्म ले रही हैं? मां-बाप की बेकद्री की यह अकेली कहानी नहीं है, हर रोज अखबारों में ऐसी घटनाएं सामने आती हैं, जिसमें धन-संपत्ति के लिये मां-बाप से क्रूरता की जा रही होती है। निस्संदेह, यदि उनकी अवहेलना व उत्पीड़न का यह क्रम यूं ही चलता रहा तो बहुत संभव है भारत में भी पश्चिमी देशों जैस चलन शुरू हो जाएगा, जहां मां-बाप बच्चों को होश संभालने के बाद ही उन्हें पैरों पर खड़ा होने के लिये चलता कर देते हैं। दरअसल, पश्चिमी देशों में मां-बाप मानकर चलते हैं कि बड़े होकर बच्चों ने उनकी देखभाल नहीं करनी, अतः इनसे पहले ही किनारा कर लो। आधुनिकता व तरक्की की लाख इबारतें लिख ली जाएं, भारतीय समाज कभी पश्चिमी समाज की तर्ज पर नहीं चल सकता। भारत श्रवण कुमार का देश है और आज भी अधिसंख्य संतानें अपने मातृ-पितृ ऋण उतारती हैं। उनका ख्याल रखती हैं। विकृतियां महानगरीय संस्कृति की भी देन हैं। बच्चों की भी अपनी दुश्वारियां हैं। फिर भी भारतीय संस्कृति में वो शक्ति है जो पारिवारिक मूल्यों को सींचती है। बहरहाल, माता-पिता की सेवा-सम्मान व बुढ़ापे में उनकी देखभाल करना महज एक सांस्कृतिक दिखावा नहीं है बल्कि संतानों का नैतिक-कानूनी दायित्व भी है। हाल ही में कोर्ट ने जिस घर में बेटे को वृद्ध मां को एक कमरा आदि देने को कहा, वह मकान वृद्धा के दिवंगत पति द्वारा ही बनाया गया था। जिसमें अपना हक पाने हेतु उसे न्यायिक हस्तक्षेप का सहारा लेना पड़ा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि किसी वृद्ध मां को आश्रय और आत्म स्वाभिमान हेतु बच्चों के खिलाफ कोर्ट-कचहरी करनी पड़े। निस्संदेह, यह उस भारतीय संयुक्त परिवार परंपरा का पराभव ही है जिसकी मिसाल पश्चिमी भोगवादी संस्कृति के अगुवा दिया करते थे। यहां न्यायालय के संवेदनशील व न्यायपूर्ण निर्णय की मुक्त कंठ से सराहना करनी होगी, जिसमें कोर्ट ने निर्णय के खिलाफ दी गई पुत्र की याचिका को खारिज कर जुर्माना लगाया। यह कष्टकारी ही है कि देशभर की अदालतें परित्यक्त-प्रताड़ित माता-पिता से जुड़े विवादों का सामना कर रही हैं। न्यायाधिकरणों और उच्च न्यायालयों ने दुर्व्यवहार करने वाले बच्चों को बेदखल करने तक के आदेश दिए हैं।

जिस मां ने नौ माह तक बेटे को अपने पेट में पाला, उसे घर में रहने देने के लिये अदालत को निर्देश देना पड़े, इससे बड़ा कृतघ्नता का दूसरा उदाहरण नहीं हो सकता। भले ही यह कोर्ट का आदेश हो, लेकिन यह एक अलिखित नैतिक दायित्व पहले से ही है। निश्चय ही यह घटनाक्रम हमारे समाज की बेहद कष्टदायक होती तसवीर को ही उकेरता है। सामान्य तौर पर मां-बाप अपना पेट काटकर, अपने सुख-सुविधाओं पर समझौता कर, बच्चों को बेहतर से बेहतर देने का प्रयास करते हैं। एक मां-बाप ही होते हैं जो सच्चे मन से अपने बच्चों की तरक्की चाहते हैं। निस्संदेह, ऐसी पढ़ी-लिखी संतानों से अनपढ़ संतानें बेहतर हैं, जो कम से कम अपने वृद्ध माता-पिता के पास रहकर उनका ख्याल तो रखती हैं। यह सवाल परेशान करने वाला है कि जिस समाज में 'मातृ देवो भव' की सर्वस्वीकार्य मान्यता रही हो, वहां ये कैसी कलयुगी संतानें जन्म ले रही हैं? मां-बाप की बेकद्री की यह अकेली कहानी नहीं है, हर रोज अखबारों में ऐसी घटनाएं सामने आती हैं, जिसमें धन-संपत्ति के लिये मां-बाप से क्रूरता की जा रही होती है। निस्संदेह, यदि उनकी अवहेलना व उत्पीड़न का यह क्रम यूं ही चलता रहा तो बहुत संभव है भारत में भी पश्चिमी देशों जैस चलन शुरू हो जाएगा, जहां मां-बाप बच्चों को होश संभालने के बाद ही उन्हें पैरों पर खड़ा होने के लिये चलता कर देते हैं। दरअसल, पश्चिमी देशों में मां-बाप मानकर चलते हैं कि बड़े होकर बच्चों ने उनकी देखभाल नहीं करनी, अत: इनसे पहले ही किनारा कर लो। आधुनिकता व तरक्की की लाख इबारतें लिख ली जाएं, भारतीय समाज कभी पश्चिमी समाज की तर्ज पर नहीं चल सकता। भारत श्रवण कुमार का देश है और आज भी अधिसंख्य संतानें अपने मातृ-पितृ ऋण उतारती हैं।

वलसाड के राहुल जाखड़ ने एशियन यू-20 एथलेटिक्स में डेकाथलान का गोल्ड जीत रचा इतिहास, बनाया राष्ट्रीय रिकार्ड

वापी

गुजरात के खेल जगत के लिए गर्व का क्षण सामने आया है। वलसाड जिले के चरवाड़ा गांव के 18 वर्षीय युवा एथलीट राहुल जाखड़ ने हांगकांग (चीन) में आयोजित 22वीं एशियन यू-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में डेकाथलान स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। राहुल ने न केवल भारत को स्वर्ण पदक दिलाया, बल्कि अंडर-20 वर्ग में नया राष्ट्रीय रिकार्ड भी अपने नाम कर लिया।

27 से 31 मई तक आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में राहुल जाखड़ ने एथलेटिक्स की सबसे कठिन मानी जाने वाली डेकाथलान स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन किया। डेकाथलान में खिलाड़ियों को दो दिनों के दौरान 10 अलग-अलग प्रतियोगिताओं में भाग लेना होता है, जिनमें 100 मीटर, 400 मीटर, 110 मीटर हर्डल्स, 1500 मीटर दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद, शाटपुट, डिस्कस थ्रो, जेवलिन थ्रो और पोल वाल्ट शामिल हैं।

राहुल ने इन सभी स्पर्धाओं में बेहतरीन संतुलन और निरंतरता दिखाते हुए कुल 7,185 अंक हासिल किए। इस प्रदर्शन के साथ वह एशिया के सर्वश्रेष्ठ यू-20 डेकाथलीट बन गए हैं। साथ ही उन्होंने विश्व रैंकिंग में भी शीर्ष-8 खिलाड़ियों में स्थान बना लिया है।मैदान देखकर जागा था एथलीट बनने का सपना

मूल रूप से राजस्थान के सीकर जिले से संबंध रखने वाले राहुल का परिवार पिछले लगभग 30 वर्षों से वलसाड के वापी में रहकर निर्माण व्यवसाय से जुड़ा हुआ है। राहुल की सफलता की कहानी किसी प्रेरणादायक फिल्मी कथा से कम नहीं है।

कुछ वर्ष पहले राहुल अपने पिता के साथ शाम के समय टहलने निकले थे। एक मैदान में खिलाड़ियों को अभ्यास करते देख उनके मन में एथलीट बनने की इच्छा जागी। अगले ही दिन उन्होंने भी दौड़ का अभ्यास शुरू कर दिया। बाद में स्कूल की ओर से खेल महाकुंभ में भाग लेकर लंबी कूद में स्वर्ण पदक जीता, जिसने उनके आत्मविश्वास को नई उड़ान दी।राहुल ने अपने खेल करियर की शुरुआत बनासकांठा के गढ़ स्थित जिला स्तरीय खेल विद्यालय में कोच विपुल चौधरी के मार्गदर्शन में की।

न्यूज ब्रीफ

अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज से पहले सीओई में फिटनेस जांच से गुजरेंगे पंड्या

मुम्बई। आलराउंडर हार्दिक पंड्या का प्रदर्शन हाल में अच्छा नहीं रहा है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में वह गेंद और बल्ले दोनो से ही संघर्ष करते हुए दिखे। इस दौरान उनकी खराब फिटनेस भी सामने आ गयी जिस कारण उन्हें कुछ मैचों से भी बाहर रहना पड़ा। ऐसे में अब अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली आगामी एकदिवसीय सीरीज में खेलने से पहले उन्हें सेंटर आफ एक्सीलेंस (सीओई) में फिटनेस जांच से गुजरना होगा। इसमें पास होने पर ही वह अफगानिस्तान के खिलाफ खेल पायेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार हार्दिक पहले सप्ताह में सीओई पहुंच सकते हैं और करीब 10 दिनों तक वहां अपनी फिटनेस पर काम करेंगे। इस दौरान उनकी शारीरिक स्थिति और मैच फिटनेस का आंकलन किया जाएगा। पंड्या को अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है पर उनके खेलने को लेकर फैसला फिटनेस जांच में पास होने पर ही होगा। यदि वह सीओई में निर्धारित सभी फिटनेस मानकों को सफलतापूर्वक पूरा कर लेते हैं, तभी उन्हें सीरीज में खेलने का अवसर मिलेगा। गौरतलब है कि आईपीएल के इसी सत्र में पंड्या पीठ में ऐंठन के कारण दर्द से परेशान रहे। इसी वजह से वह कई मुकाबलों में मुंबई इंडियंस के लिए उपलब्ध नहीं थे। ऐसे में उनकी फिटनेस को लेकर चयनकर्ता और टीम प्रबंधन गंभीर है।

आईपीएल में मेरी भूमिका विकेटकीपिंग तक ही सीमिति नहीं थी : जुरेल

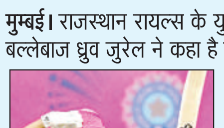

मुम्बई। राजस्थान रायल्स के युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने कहा है इस आईपीएल सत्र में उनकी टीम को काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा पर उसका ध्यान सकारात्मक खेल बना रहा। टीम हालांकि क्वालीफायर में असफल रही पर उसने अपनी ओर से पूरा प्रयास किया। जुरेल ने साथ ही कहा कि इस टूर्नामें में मेरी भूमिका केवल विकेटीपिंग और बल्लेबाजी के दौरान रन बनाने तक ही सीमित नहीं थी बल्कि पहली बार खेल रहे गेंदबाजों को हौंसला बढ़ाना और उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाना भी शामिल था। आमतौर पर बड़े मंच पर खिलाड़ियों में घबराहट और आत्मविश्वास की कमी हो जाती है। आईपीएल जैसे प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट में हर मैच में काफी दबाव होता है और उतार-चढ़ाव आते रहते है। ऐसे में टीम को मनोबल बनाए रखते हुए हर स्थिति में सकारात्मक रवैया अपनना पड़ता है। के हमारी टीम इसी लीक पर चली जिससे उसे कठिन क्षणों में भी एकजुट रहने और बेहतर प्रदर्शन करने में सहायता मिली। यह केवल खेल रणनीति नहीं, बल्कि टीम की आंतरिक संस्कृति का हिस्सा बन गया था। जुरेल ने कहा, एक विकेटकीपर के तौर पर जब मैं गेंदबाजों से बात करता हूं तो मैं उनसे कभी नहीं कहता कि कैसी गेंदबाजी करनी है। मैं इतना ही कहता हूं कि अपना समय लो, आप अच्छा करोगे और इसलिये ही यहां पहुंचे हो। उन्होंने आगे कहा, मैं उन्हें आत्मविश्वास देने पर ध्यान देना था। मैं उनसे कहता था कि अपने पर भरोसा रखो। जो भी गेंद डालनी हो, उस पर अडिग रहो। जरूरत से ज्यादा मत सोचो। हमें अच्छी क्रिकेट खेलनी होगी। हमें सकारात्मक खेल दिखाना होगा। इससे युवा गेंदबाजों को दबाव से मुक्ति मिलती थी जिससे वे अपना स्वाभविक खेल दिखा पाते थे। जुरेल ने ड्रेसिंग रूम के माहौल की अहमियत पर भी प्रकाश डाला। उनके मुताबिक, ड्रेसिंग रूम में की गई सकारात्मक बातचीत का मैदान पर काफी अच्छा असर पड़ता है। जब खिलाड़ी बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरते हैं, तो साथी खिलाड़ियों द्वारा साझा की गई बातें उनके दिमाग में रहती हैं, जिससे उन्हें मुश्किल हालातों में भी शांत रहने और सही फैसला लेने में मदद मिलती है।

फिटनेस और स्ट्राइक रेट सुधारने का लाभ मिला : सरफराज

मुम्बई। बल्लेबाज सरफराज खान अब टी20 मुंबई लीग में खेलते हुए नजर आयेंगे। टी20 मुंबई लीग के चौथे सत्र से पहले मुंबई वेस्टर्न सबअर्ब्स आकाश टाइगर्स की ओर से खेलेंगे। इसी दौरान सरफराज ने खुलासा किया कि पिछले दो साल जब उन्हें आईपीएल में अवसर नहीं मिला था तो उन्होंने अपनी फिटनेस और स्ट्राइक रेट पर काम किया था। सरफराज का कहना है कि इसका लाभ अब उन्हें मिला है। इसी कारण वह आईपीएल के 19 वें सत्र में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की ओर से खेलते समय सहज रहे। सरफराज पिछले कुछ आईपीएल सत्रों में किसी भी टीम ने नहीं खरीदा था। हालांकि, इस साल उन्हें सीएसके ने अवसर दिया। सरफराज ने अपने मुश्किल दौर को याद किया। उन्होंने कहा, आईपीएल में मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती थी वापसी करना और एक प्रभावी स्ट्राइक रेट के साथ प्रदर्शन करना। पूर्व में मुझे स्ट्राइक रेट और फिटनेस को लेकर कुछ समस्याएँ थीं, और इन्हीं कारणों से मुझे दो साल तक अवसर नहीं मिला। उस दौरान मेरे मन में यही था कि मुझे हर हाल में वापसी करनी है। इसी बीच उन्होंने अपनी कमजोरियों पर काम किया। उन्होंने अपनी बात जारी रखते हुए बताया, मुझे अपने स्ट्राइक रेट में सुधार करने और अपनी फिटनेस को एक उच्च स्तर पर ले जाने की सख्त आवश्यकता थी।

विष्णुपुरी टाइटंस ने जीती सिख प्रीमियर लीग क्रिकेट स्पर्धा

निरंजनपुर वारियर्स को 22 रन से हराया ; महिला वर्ग में सरबदत दा भला टीम रही विजेता

इंदौर

चढ़दी कला ट्राफी सिख प्रीमियर लीग क्रिकेट स्पर्धा का फाइनल मुकाबला रोमांचक और धूमधाम से खेला गया। विष्णुपुरी के सचखंड मार्ग स्थित गुरु अरजन देव खेल मैदान पर खेली गई इस स्पर्धा के खिताबी मुकाबले में पूरे समाज के हजारों लोग मौजूद रहे। फाइनल मैच के दौरान खूब ढोल-ढमाके और जमकर आतिशबाजी के बीच माहौल बेहद उत्साहजनक रहा।

खिलाड़ियों ने भी अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से दर्शकों का दिल जीत लिया। इस प्रतिष्ठित स्पर्धा का मुख्य खिताब विष्णुपुरी टाइटंस ने निरंजनपुर वारियर्स को 22 रन से हराकर अपने नाम किया। तीसरा स्थान बब्बर शेर इलेवन ने हासिल किया, जबकि महिला वर्ग में सरबदत दा भला टीम विजेता और पावर्स स्ट्राइकर्स की टीम उपविजेता रही। फाइनल मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए विष्णुपुरी टाइटंस ने निर्धारित 8 ओवर में 6 विकेट खोकर 100 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से सुरिंदर सिंह ने मात्र 17 गेंदों में 5 छक्कों की मदद से 40 रनों की धुआंधार पारी खेली। इसके अलावा रिजाक और सुआंशदीप सिंह ने 17-17 तथा हरविंदर सिंह ने 14 रनों का उपयोगी योगदान दिया। निरंजनपुर वारियर्स की तरफ से गेंदबाजी करते हुए हनी सिंह ने 3 तथा हरमन व सुखविंदर ने 2-2 विकेट झटके। जवाब में 101 रनों के विजयी लक्ष्य का पीछा करने उतरी निरंजनपुर वारियर्स की टीम निर्धारित 8 ओवर में 8 विकेट पर 78 रन ही बना सकी। टीम के लिए हनी सिंह ने 29 और गुंजन छाबड़ा ने 18 रनों की पारियां खेलीं, लेकिन वे अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। स्पर्धा का पुरस्कार वितरण प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के मुख्य आतिथ्य व सांसद शंकर लालवानी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस गरिमामयी अवसर पर सिंह सभा के अध्यक्ष हरपाल सिंह भाटिया (मोनू भाटिया), सचिव प्रीतपाल सिंह भाटिया, मध्य प्रदेश पंजाबी साहित्य एकेडमी के निदेशक इंद्रजीत सिंह खनूजा, रणवीर सिंह छाबड़ा, हरप्रीत सिंह बक्शी, अमरजीत सिंह बग्गा, चरणजीत सिंह सैनी, अमरजीत सिंह भाटिया और सुखजिंदर चहल विशेष रूप से उपस्थित थे। फाइनल मैच में 14 रन बनाने के साथ ही 3 विकेट चटकाने वाले विष्णुपुरी टाइटंस के आलराउंडर हरविंदर सिंह को प्लेयर आफ द मैच चुना गया। समापन अवसर पर अतिथियों द्वारा विजेता विष्णुपुरी टाइटंस को चमचमाती ट्राफी के साथ 51 हजार रुपये की नकद राशि प्रदान की गई। इसके साथ ही उपविजेता टीम को 31 हजार रुपये और तृतीय स्थान पर रही टीम को 21 हजार रुपये की पुरस्कार राशि सौंपी गई। महिला वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम सरबदत दा भला को 31 हजार रुपये, द्वितीय स्थान की टीम को 21 हजार रुपये तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 11 हजार रुपये की नकद राशि देकर सम्मानित किया गया।

सचिन भी हुए वैभव के प्रशंसक, बोले वह स्लागर नहीं अद्भुत खिलाड़ी, टेस्ट क्रिकेट खेलते देखना चाहते हैं

मुम्बई

महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने भी 15 साल के उभरते हुए क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा की है। सचिन ने वैभव की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह असाधारण प्रतिभा वाला खिलाड़ी है और जिस प्रकार वह कलाई के जरिये शाट खेलता है उससे ये साफ है कि वह स्लागर नहीं है। वैभव की धुआंधार खेल शैली से क्रिकेट विशेषज्ञ और प्रशंसक भी हैरान हैं। यहां तक कि सचिन भी उनके प्रशंसक बन गये हैं। सचिन ने एक कार्यक्रम में वैभव की सराहना करते हुए उन्हें अद्भुत खिलाड़ी बताया है। माना जा रहा है तेंदुलकर के इस बयान के बाद वैभव को भारतीय टीम में जगह मिलना लगभग तय हो गया है। इस महान बल्लेबाज ने कहा कि वैभव मैदान के हर कोने में शाट खेल लेता है। इसलिए उसे आप स्लागर नहीं कह सकते हैं। बल्कि वह अन्य खिलाड़ियों की तुलना में गेंद की लाइन और लेंथ को शुरुआत में ही पकड़ लेते हैं। इसी गहरी समझ के कारण, वह आसानी से बड़े-बड़े छक्के लगा लेते हैं। जिससे पता चलता है कि वह एक परिपक्वता खिलाड़ी हैं। सचिन ने कहा कि वह वैभव को किसी न किसी स्तर पर टेस्ट क्रिकेट खेलते देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा, सिर्फ मैं ही नहीं, बल्कि हर कोई उन्हें टेस्ट क्रिकेट खेलते देखना चाहेगा। मुझे नहीं पता कि ऐसा कब होगा पर एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी को प्रोत्साहन की आवश्यकता होती है। तेंदुलकर ने साथ ही कहा कि हमें इस युवा खिलाड़ियों को अपने अनुसार खेल का आनंद लेने देना चाहिए और उन पर लगातार यह दबाव नहीं डालना चाहिए कि उन्हें कौन सा फार्मेट खेलना चाहिए या किस टीम में चुना जाना चाहिए। उनके अनुसार ऐसा फैसला उन लोगों पर छोड़ देना चाहिए जो इसके लिए जिम्मेदार हैं, जिससे खिलाड़ी बिना किसी अनावश्यक बोझ के अपने खेल पर ध्यान दे सकें। सचिन ने ऐसे ही उनकी तरीफ नहीं की है बल्कि वैभव ने अपने को साबित भी किया है। आईपीएल के 19 वें सत्र में राजस्थान रायल्स के लिए पारी की शुरुआत करते हुए वैभव ने 16 मैचों में 776 रन बनाए, जिसमें पांच शानदार अर्धशतक और एकशतक शामिल है।

विनेश फोगाट का एशियन गेम्स 2026 में खेलने का सपना टूटा

नई दिल्ली। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट का एशियाई खेल 2026 में जगह बनाने का सपना चयन ट्रायल्स के सेमीफाइनल में टूट गया। शनिवार को आयोजित ट्रायल्स में 53 किलोग्राम भार वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में उन्हें युवा पहलवान मीनाक्षी गोयत ने 6-4 से हराकर बाहर का रास्ता दिखा दिया। इस हार के साथ 31 वर्षीय विनेश एशियाई खेलों की भारतीय टीम में जगह बनाने से चूक गईं। हालांकि, मुकाबले के बाद उन्होंने हार मानने से इनकार करते हुए वापसी का संकल्प जताया। ट्रायल्स के दौरान विनेश ने शुरुआती मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले ज्योति को 7-1 से हराया। इसके बाद क्वार्टरफाइनल में निशु के खिलाफ मुकाबला काफी रोमांचक और विवादों से भरा रहा। मुकाबले की शुरुआत में निशु ने 5-0 की बढ़त बना ली थी और एक समय विनेश लगभग फाल होने की स्थिति में पहुंच गई थीं। हालांकि, अनुभवी विनेश ने शानदार वापसी की। तकनीकी फैसलों, वीडियो स्क्रीन की तकनीकी दिक्कतों और कोचों की आपत्तियों के बीच मुकाबला बेहद तनावपूर्ण हो गया। स्कोर 6-6 की बराबरी पर पहुंचा तो निशु के एक टेकडाउन प्रयास को अंक नहीं दिए गए।

पाकिस्तान के उभरते क्रिकेटर मिन्हास ने डेब्यू मैच में 5 विकेट लेकर बनाया रिकार्ड

रावलपिंडी

पाकिस्तान के नये क्रिकेटर अराफात मिन्हास ने अपने पहले ही एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पांच विकेट लेकर एक नया रिकार्ड बनाया है। 21 साल के स्पिनर मिन्हास ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ रावलपिंडी में खेले गए पहले ही एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में अपनी घातक गेंदबाजी से मेहमान टीम की बल्लेबाजी धवस्त कर अपनी टीम को जीत दिलायी। इसी के साथ ही वह अपने डेब्यू मैच में पांच विकेट लेने वाले पाकिस्तान के पहले क्रिकेटर बन गये हैं।

इससे पहले किसी भी पाक गेंदबाज ने अपने पहले एकदिवसीय मैच में इतने विकेट नहीं लिए थे। इसी के साथ ही मिन्हास आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय में पांच विकेट लेने वाले विश्व के पहले गेंदबाज भी बन गए हैं। ये भी एक बड़ी उपलब्धि है। अराफात की इस हैरतअंगेज गेंदबाजी की बदौलत पाकिस्तान ने मेहमान आस्ट्रेलिया को महज पांच विकेट से धूल चटाई। मिन्हास के अलावा इस मैच में कप्तान बाबर आजम ने भी शानदार अर्धशतक लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

मिन्हास ने 14वें ओवर की तीसरी गेंद पर आस्ट्रेलियाई कप्तान जोश इंग्लिस को एलबीडब्ल्यू आउट कर अपना पहला विकेट लिया। इसके केवल दो गेंद बाद ही उन्होंने मार्नस लाबुशेन को भी आउट कर दिया। इसके बाद 16वें ओवर की दूसरी गेंद पर उन्होंने कैमरन ग्रीन को आउट कर तीसरा विकेट लिया। वहीं आस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज मैथ्यू शार्ट का भी चौथा विकेट लिया। वहीं अंतिम आखिरी ओवर की पांचवीं गेंद पर नाथन एलिस को आउट कर अपने पांच विकेट पूरे किये।

गौरतलब है कि मिन्हास से पहले पाक का कोई भी गेंदबाज डेब्यू मैच में चार से अधिक विकेट नहीं ले पाया था। आस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय डेब्यू में इससे पहले वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज हेंडी ब्रायन ने साल 1999 में किंग्सटाउन में आस्ट्रेलिया के खिलाफ 24 रन देकर 4 विकेट लिए थे।

एकदिवसीय डेब्यू पर सबसे अच्छे गेंदबाजी आंकड़ों का सर्वकालिक रिकार्ड स्काटलैंड के तेज गेंदबाज चार्ली कैसेल के नाम है, जिन्होंने साल 2024 में ओमान के खिलाफ21 रन देकर 7 विकेट लिए थे।

अथापथु की कप्तानी में टी20 महिला विश्वकप क्रिकेट में उतरेगी श्रीलंकाई टीम

कोलंबो

इंग्लैंड और वेल्स में इसी माह होने वाले आईसीसी महिला विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए सभी देश अपनी टीमें घोषित कर रहे हैं। इसी कड़ी में श्रीलंकाई बोर्ड ने भी चमारी अथापथु की कप्तानी में 15-सदस्यीय टीम घोषित कर दीहै। अथापथु के लंबे अनुभव को देखते हुए उन्हें कप्तानी की जिम्मेदारी दी गयी है। उसने इस टूर्नामेंट के पिछले सभी 9 संस्करणों में खेला है। श्रीलंकाई टीम को विश्वकप के लिए ग्रुप 2 में मेजबान इंग्लैंड, आयरलैंड, स्काटलैंड, वेस्टइंडीज और मौजूदा चैंपियन न्यूजीलैंड के साथ शामिल किया गया है। अथापथु के नेतृत्व में टीम 12 जून को अपने अभियान की शुरुआत करेगी। वह एजबेस्टन में खेले जाने वाले पहले मैच में मेजबान टीम से मुकाबला करेंगी।

टीम में नई खिलाड़ियों इमेशा दुलानी, हंसिमा करुणरत्ने, कौशिनी नुथ्यंगना, सुगंदिका दसानायका, निमाशा मदुशानी, काव्या कविंदी, मालकी मदारा और मिताली अयोध्या को भी शामिल किया गया है। ये सभी महिला टीम 20 विश्व कप में पहली बार खेलेंगी। टीम के मुख्य खिलाड़ियों में कई अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं। हसिनी परेरा, हर्षिता समरविक्रमा और नीलाक्षी सिल्वा। श्रीलंकाई टीम ने हाल ही में 3-0 से टी20 सीरीज जीती है जिससे वह उत्साहित है। अब उसका लक्ष्य विश्वकप में प्रभावित करना है।

टीम इस प्रकार है :

चमारी अथापथु (कप्तान), हसिनी परेरा, विश्मी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, इमेशा दुलानी, नीलाक्षी सिल्वा, कविषा दिलहारी, हंसिमा करुणरत्ने, कौशिनी नुथ्यंगना, सुगंदिका दसानायका, निमाशा मदुशानी, शशिनी गिम्हानी, काव्या कविंदी, मालकी मदारा, मिताली अयोध्या।

वैभव सूर्यवंशी अब भारत ए की ओर से त्रिकोणीय सीरीज खेलते दिखेंगे

नई दिल्ली। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में शानदार बल्लेबाजी के बाद अब अगले माह भारत ए की ओर से ट्राई सीरीज में खेलते हुए दिखेंगे। वैभव को घरेलू क्रिकेट के अलावा आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के आधार पर भारत ए टीम में जगह मिली है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस उभरते हुए बल्लेबाज की धमाकेदार फार्म को देखते हुए उन्हें श्रीलंका ए और अफगानिस्तान ए के खिलाफ होने वाली ट्राई-सीरीज के लिए टीम में शामिल किया है। वैभव ने आईपीएल में जिस प्रकार से 16 मैचों में 776 रन बनाए हैं। उससे भी चयनसमिति प्रभावित है। उनका निडर होकर खेलने का अंदाज सबको भाया है। ऐसे में अब वह तिलक वर्मा की कप्तानी में भारत ए की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। भारत ए टीम 9 जून से शुरू होने वाली त्रिकोणीय सीरीज खेलेगी। यह सीरीज आईपीएल सत्र समाप्त होते ही शुरू होगी। ये टूर्नामेंट 21 जून को समाप्त होगा। भारतीय ए टीम को 9 जून को मेजबान श्रीलंका ए से होगा. इसके बाद 11 जून से अफगानिस्तान के खिलाफ उतरेगी। 15 जून को फिर से श्रीलंका ए टीम के खिलाफ उसका मुकाबला होगा। वहीं 17 तारीख को अफगानिस्तान से दूसरे लीग मैच में टीम खेलेगी। भारत ए टीम इस प्रकार है : तिलक वर्मा (कप्तान), प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, रियान पराग (उपकप्तान), आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, हर्ष दुबे, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), विप्रज निगम, यश ठाकुर, युधवीर सिंह, अंशुल कम्बोज, अरशद खान।

एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं, उपभोक्ताओं को राहत

लगातार दूसरे महीने दाम स्थिर, सरकार ने पर्याप्त आपूर्ति का भरोसा दिलाया

नई दिल्ली

रविवार को घरेलू और कामर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया, जिससे उपभोक्ताओं को एक बार फिर राहत मिली है। आयल मार्केटिंग कंपनियों ने देश के प्रमुख शहरों के लिए सिलेंडर के दाम स्थिर रखने का फैसला किया है। ईरान युद्ध और अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतार-चढ़ाव के कारण पिछले कुछ महीनों से बढ़ रही कीमतों के बीच यह स्थिरता महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

दिल्ली में 14.2 किलोग्राम का घरेलू एलपीजी सिलेंडर अब भी 913 रुपये में मिल रहा है, जबकि मुंबई में यह 912.50 रुपये का है। कोलकाता में इसकी कीमत 939 रुपये और चेन्नई में 928.50 रुपये बनी हुई है। अन्य प्रमुख शहरों जैसे गुरुग्राम में 921.50 रुपये, नोएडा में 910.50 रुपये, बेंगलुरु में 915.50 रुपये और पटना में 1002.50 रुपये पर घरेलू सिलेंडर उपलब्ध है।

पिछले महीने कामर्शियल सिलेंडर की कीमतों में 900 रुपये का बड़ा इजाफा हुआ था, लेकिन उसके बाद से इसमें भी कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है।

नई दिल्ली में कामर्शियल सिलेंडर 3071.50 रुपये, कोलकाता में 3202 रुपये और मुंबई में 3024 रुपये पर स्थिर है। इस बीच केंद्र सरकार ने उपभोक्ताओं को आश्वस्त किया है कि देश में एलपीजी की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध है और किसी को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। सरकार ने घरेलू कंपनियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का निर्देश दिया है, जिसके परिणामस्वरूप मौजूदा उत्पादन 52,000 टन के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है। यह आंकड़ा देश की बढ़ती मांग को पूरा करने में सहायक होगा।

एलपीजी सिलेंडर की खरीद और बुकिंग को लेकर भी नियमों में सख्ती की गई है। अब बिना ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) के सिलेंडर की डिलीवरी नहीं की जाएगी। इसके अलावा, सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन और शहरी क्षेत्रों में 25 दिन की न्यूनतम अवधि तय की है, जिसके पहले नए सिलेंडर की बुकिंग नहीं की जा सकती है। ये नियम सुनिश्चित करेंगे कि एलपीजी का वितरण सुचारू और पारदर्शी तरीके से हो।

न्यूज ब्रीफ

नई मोटरसाइकिल सुपर स्प्लेंडर एक्सटेक 2.0 लान्च

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में हीरो मोटोकार्प ने अपनी नई मोटरसाइकिल सुपर स्प्लेंडर एक्सटेक 2.0 लान्च कर दी है।कंपनी का कहना है कि यह बाइक रोजमर्रा के इस्तेमाल को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। इस बाइक की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 86,500 रुपये तय की है। नया माडल आधुनिक डिजाइन, एडवांस फीचर्स और बेहतर माइलेज के साथ पेश किया गया है। नई सुपर स्प्लेंडर एक्सटेक 2.0 में 124.7 सीसी का सिंगल सिलेंडर एयर कूल्ड इंजन दिया गया है, जो 7500 आरपीएम पर 10 हार्सपावर और 6000 आरपीएम पर 10.6 एनएम टार्क जनरेट करता है। कंपनी का दावा है कि प्रोग्राम्ड फ्यूल इंजेक्शन और आइडल स्टाप-स्टार्ट तकनीक की मदद से यह मोटरसाइकिल 72 किलोमीटर प्रति लीटर तक का माइलेज देने में सक्षम है। बाइक में इंटीग्रेटेड स्टार्टर जनरेटर और आईउएस तकनीक भी दी गई है, जिससे ट्रैफिक में इंजन अपने आप बंद और दोबारा स्टार्ट हो जाता है। इससे ईंधन की बचत में मदद मिलती है। सुरक्षा के लिहाज से इसमें फ्रंट डिस्क ब्रेक, टेलीस्कोपिक फ्रंट सस्पेंशन, हैजर्ड लाइट्स और हैंडलबार पर इंजन किल स्विच दिया गया है। मोटरसाइकिल में पूरी तरह डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर मिलता है, जिसमें ब्लूटूथ कनेक्टिविटी की सुविधा दी गई है। इसके जरिए राइडर को काल, मैसेज और फोन बैटरी से जुड़े अलर्ट दिखाई देते हैं। यह ग्लासी ब्लैक, कैंडी ब्लेजिंग रेड, मैट एक्सिस ग्रे, मैट नेक्सस ब्लू और मैट चेस्टनट ब्राउन जैसे पांच रंगों में उपलब्ध होगी।

जून से बढ़ेंगी हुंडई और मारुति की कारों की कीमतें

नई दिल्ली। कार निर्माता कंपनियां मारुति सुजुकी और हुंडई मोटर इंडिया ने अपनी कारों की कीमतों में बढ़ोतरी करने का ऐलान किया है। इस बारे में हुंडई कंपनी ने जानकारी दी है कि नई कीमतें 1 जून 2026 से लागू होंगी। माडल और वैरिएंट के आधार पर कारों की कीमत में अधिकतम 12,800 रुपए तक का इजाफा किया जाएगा। कंपनी के अनुसार कच्चे माल, इनपुट लागत और आपरेशनल खर्चों में लगातार बढ़ोतरी के कारण यह फैसला लिया गया है। कंपनी ने अपनी ताजा रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा कि मौजूदा बाजार परिस्थितियों और ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कीमतों में संशोधन किया जा रहा है। हुंडई का कहना है कि उसने बढ़ी हुई लागत का कुछ हिस्सा खुद वहन करने की कोशिश की, ताकि ग्राहकों पर अतिरिक्त बोझ कम पड़े, लेकिन अब मामूली कीमत बढ़ोतरी जरूरी हो गई है। वहीं मारुति सुजुकी इंडिया ने भी जून 2026 से अपनी कारों की कीमत बढ़ाने का फैसला किया है। कंपनी के अनुसार अलग-अलग माडलों की कीमतों में अधिकतम 30,000 रुपए तक की वृद्धि की जाएगी। मारुति ने इसके पीछे बढ़ती इनपुट लागत और महंगाई के दबाव को मुख्य वजह बताया है। कंपनी ने कहा कि वह अब तक आंतरिक उपायों के जरिए लागत को नियंत्रित करने की कोशिश कर रही थी, लेकिन लगातार बढ़ते खर्चों के कारण अब इसका कुछ हिस्सा ग्राहकों पर डालना जरूरी हो गया है।

ओला की इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में जल्द होगी एंट्री

नई दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक भारत के कमर्शियल इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में एंट्री करने की तैयारी कर रही है। कंपनी जल्द ही नया इलेक्ट्रिक स्कूटर लान्च कर सकती है, जिसे खास तौर पर फूड डिलीवरी, क्विक कामर्स और फ्लीट आपरेशन जैसे कमर्शियल उपयोग के लिए डिजाइन किया गया है। जानकारी के मुताबिक इस स्कूटर को जरूरी रेग्युलेटरी मंजूरी भी मिल चुकी है। रिपोर्ट्स के अनुसार आटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन आफ इंडिया ने फरवरी 2026 में इस स्कूटर को सेंट्रल मोटर व्हीकल रूल्स के तहत होमोलोगेशन प्रदान किया है। यह एल1 कैटेगरी का इलेक्ट्रिक स्कूटर होगा, जिसमें 4 किलोवाट की मोटर दी जाएगी। इसकी अधिकतम रफ्तार लगभग 70 किलोमीटर प्रति घंटा बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि यह स्कूटर कंपनी के मौजूदा ओला एस1 प्लेटफार्म पर आधारित होगा, लेकिन इसमें कम रनिंग कास्ट, बेहतर रेंज और लगातार उपयोग की क्षमता पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसे खासतौर पर डिलीवरी राइडर्स और फ्लीट आपरेटर्स की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। हाल ही में कंपनी के संस्थापक भाविश अग्रवाल ने कहा था कि ईंधन की बढ़ती कीमतों के कारण गिग वर्कर्स के बीच इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स की मांग तेजी से बढ़ रही है।

एनएसई ने बढ़ाया ट्रेडिंग का समय, अब 3 : 40 बजे तक खुलेगा बाजार

क्लोजिंग आक्शन सिस्टम से तालमेल बिठाने के लिए उठाया गया कदम

मुंबई

नेशनल स्टाक एक्सचेंज (एनएसई) ने शेयर बाजार के कारोबार में एक महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए इक्विटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट के ट्रेडिंग समय को 10 मिनट बढ़ा दिया है। अब डेरिवेटिव्स मार्केट शाम 3:40 बजे तक खुला रहेगा, जो पहले 3:30 बजे बंद होता था। यह कदम कैश मार्केट में हाल ही में शुरू हुए क्लोजिंग आक्शन सिस्टम (सीएएस) के साथ तालमेल बिठाने और बाजार को अधिक दक्षता प्रदान करने के उद्देश्य से उठाया गया है। इस बदलाव के तहत, जहां ट्रेडिंग की टाइमिंग में वृद्धि की गई है, वहीं डेरिवेटिव्स कान्ट्रैक्ट के क्लोजिंग प्राइस तय करने के तरीके में भी आंशिक बदलाव किया गया है। अब क्लोजिंग प्राइस की गणना के लिए उपयोग होने वाला वाल्यूम वेटेड एवरेज प्राइस शाम 3:10 बजे से 3:40 बजे के बीच हुए सौदों के आधार पर तय होगा। हालांकि, प्री-ओपन सेशन और ट्रेड माडिफिकेशन विंडो के समय में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। एनएसई ने अपने सर्कुलर में बताया कि यह निर्णय क्लोजिंग आक्शन सेशन (सीएएस) को पूरी तरह से लागू करने का एक हिस्सा है। सीएएस एक विशेष ट्रेडिंग सेशन है जो दिन के अंत में किसी शेयर का निष्पक्ष और पारदर्शी क्लोजिंग प्राइस निर्धारित करने में मदद करता है। इस 20 मिनट के सेशन में 3:15 से 3:20 बजे तक ट्रांजिशन फेज, 3:20 से 3:25 बजे तक मार्केट और लिमिट आर्डर डालने की सुविधा और 3:25 से 3:30 बजे के बीच केवल लिमिट आर्डर की अनुमति होगी। सीएएस के दौरान तय किए गए नए प्राइस बैंड और प्री-ट्रेड रिस्क कंट्रोल नियम अब डेरिवेटिव्स सेगमेंट पर भी लागू होंगे। ब्रोकरों और ट्रेडिंग सदस्यों को सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए अपने ट्रेडिंग एप्लीकेशन्स में आवश्यक अपडेट करने की सलाह दी गई है। एनएसई ने यह भी जानकारी दी है कि इस बदलाव से होने वाले कार्यात्मक परिवर्तनों का परीक्षण आगामी माक ट्रेडिंग सत्रों के दौरान किया जाएगा, ताकि प्रभावी तिथि से पहले सभी प्रणालियां तैयार हों। यह कदम भारतीय शेयर बाजार में पारदर्शिता और स्थिरता को और मजबूत करेगा।

शीर्ष सात कंपनियों के मार्केट कैप से 1.54 लाख करोड़ साफ , रिलायंस, बैंकिंग और आईटी सेक्टर को सबसे ज्यादा नुकसान, एलएंडटी और एसबीआई को राहत

मुंबई । पिछले हफ्ते भारतीय शेयर बाजार ने सुस्ती और गिरावट का सामना किया, खासकर देश की शीर्ष कंपनियों के लिए। छुट्टियों के कारण कम कारोबारी दिनों वाले इस अवधि में 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से 7 के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से लगभग 1.54 लाख करोड़ रुपये की भारी कमी दर्ज की गई। बाजार में इस गिरावट का सबसे ज्यादा खामियाजा दिग्गज कारोबारी मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज को भुगतना पड़ा। रिलायंस की मार्केट वैल्यू 46,078.3 करोड़ रुपये घटकर 17,87,039.40 करोड़ रुपये रह गई। बैंकिंग सेक्टर भी इस कमजोरी से अछूता नहीं रहा, एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 33,333.06 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 6,311.41 करोड़ रुपये घट गया। टेलीकाम दिग्गज भारती एयरटेल की बाजार हैसियत में 25,408.96 करोड़ रुपये की गिरावट आई, जबकि आईटी सेक्टर की बड़ी कंपनी टीसीएच का वैल्यूएशन भी 22,920.58 करोड़ रुपये कम हुआ। इसके अलावा, हिंदुस्तान यूनिलीवर को 13,169.46 करोड़ रुपये और बजाज फाइनेंस को 7,253.24 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा। हालांकि, बाजार की इस चौतरफा गिरावट के बीच कुछ कंपनियों ने मजबूत प्रदर्शन दिखाया। लार्सन एंड टुब्रो के मार्केट कैप में सबसे शानदार उछाल आया और यह 20,608.43 करोड़ रुपये बढ़कर निवेशकों के लिए राहत लेकर आया। सरकारी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक एसबीआई का मूल्यांकन भी 13,753.62 करोड़ रुपये बढ़ा, जबकि सरकारी बीमा कंपनी एलआईसी ने भी 6,040.37 करोड़ रुपये की बढ़त दर्ज की। इन उतार-चढ़ाव के बावजूद देश की टाप 10 कंपनियों की रैंकिंग में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले पायदान पर अपनी मजबूत पकड़ बनाए हुए है, जिसके बाद एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल का स्थान आता है।

इलेक्ट्रिक कारों की भारत में जबर्दस्त बिक्री, अमेरिका को पछाडा

नई दिल्ली

भारत ने अप्रैल 2026 के दौरान इलेक्ट्रिक कारों की मांग (पेनेट्रेशन) के मामले में अमेरिका को भी पीछे छोड़ दिया है। पिछले महीने इलेक्ट्रिक कारों की भारत में जबर्दस्त बिक्री हुई। वाहन रजिस्ट्रेशन के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल महीने में भारत में बिकने वाली कुल नई कारों में से 5.8 प्रतिशत इलेक्ट्रिक थीं। यह आंकड़ा मार्च 2026 के 5.1 प्रतिशत और पिछले साल अप्रैल के सिर्फ 3.7 प्रतिशत से काफी अधिक है।

नए-नए माडलों के बाजार में आने से इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग में यह तेजी स्पष्ट रूप से देखी जा रही है। इसके विपरीत, दुनिया के दूसरे सबसे बड़े कार बाजार अमेरिका में बैटरी से चलने वाली इलेक्ट्रिक कारों की हिस्सेदारी गिरकर 5.1 प्रतिशत पर आ गई। इस तरह, प्रतिशत के मामले में भारत ने इस बार अमेरिका को पछाड़कर बाजी मार ली है। हालांकि, अगर कुल बिक्री के आंकड़ों की बात करें तो भारत अभी भी अमेरिका से काफी पीछे है, क्योंकि अमेरिका का कुल कार बाजार भारत से लगभग तीन गुना बड़ा है। अप्रैल में भारत में लगभग 23,500 इलेक्ट्रिक कारें बिकीं, जबकि अमेरिका में इसी दौरान लगभग 70,000 इलेक्ट्रिक कारें बेची गईं। अमेरिका में एलन मस्क की कंपनी टेस्ला सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक कारें बेच रही है, उसके बाद जनरल मोटर्स, फोर्ड और हुंडई जैसी कंपनियां हैं। भारत में पूरी कहानी देसी कंपनियों के इर्द-गिर्द घूम रही है, जहाँ टाटा मोटर्स का दबदबा कायम है। टाटा ने अप्रैल में 8,543 गाड़ियां बेचकर सालाना आधार पर 92 प्रतिशत की भारी बढ़त दर्ज की। दूसरे स्थान पर महिंद्रा एंड महिंद्रा रही, जिसने 5,413 इलेक्ट्रिक कारें बेचीं, जबकि तीसरे पायदान पर जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने 5,006 गाड़ियां बेचीं। वियतनाम की विनफास्ट और भारत की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी ने भी लगभग 1,232-1,232 कारें बेचीं। भारतीय ग्राहकों का इलेक्ट्रिक कारों की तरफ यह झुकाव अचानक नहीं बढ़ा है। इसके पीछे मध्य पूर्व में चल रहे युद्ध जैसे अंतरराष्ट्रीय कारण भी काम कर रहे हैं, जिससे पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने की आशंका थी और यह सच भी साबित हुआ है, क्योंकि सरकारी तेल कंपनियों ने मई महीने में चौथी बार ईंधन के दाम बढ़ाए हैं।

विनफास्ट की इलेक्ट्रिक टैक्सी सेवा शुरू करने की तैयारी

नई दिल्ली। भारत में विनफास्ट कंपनी अपनी मोबिलिटी यूनिट ग्रीन एंड स्मार्ट मोबिलिटी के जरिए पूरी तरह इलेक्ट्रिक टैक्सी सेवा शुरू करने की तैयारी में है। कंपनी ने दिल्ली-एनसीआर में ड्राइवर पार्टनर्स की भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी है। शुरुआती चरण में करीब 1,000 इलेक्ट्रिक वाहनों को सड़कों पर उतारने की योजना बनाई है। बाद में इसका विस्तार बेंगलुरु और हैदराबाद जैसे बड़े शहरों तक किया जाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी भविष्य में करीब 10,000 इलेक्ट्रिक वाहनों का बेड़ा तैयार कर सकती है, जिसमें मुख्य रूप से लिमो ग्रीन 7-सीटर इलेक्ट्रिक एमपीवी शामिल होंगी। इस नई सेवा की सबसे बड़ी खासियत कम किराया होगा। जानकारी के अनुसार, यात्रा का शुल्क लगभग 8 रुपये प्रति किलोमीटर रखा जा सकता है, जो मौजूदा टैक्सी सेवाओं की तुलना में सस्ता माना जा रहा है। कंपनी पारंपरिक एग्रीगेटर माडल की जगह कंपनी-स्वामित्व वाले वाहनों और प्रशिक्षित ड्राइवरों का माडल अपनाएगी, जिससे सेवा गुणवत्ता, मेंटेनेंस और चार्जिंग व्यवस्था पर बेहतर नियंत्रण रखा जा सकेगा। इसके अलावा, यात्रियों को सर्ज प्राइसिंग जैसी अतिरिक्त कीमतों का सामना भी नहीं करना पड़ेगा।

क्रिप्टो बाजार में भारी गिरावट, संस्थागत बिकवाली ने बिटकाइन को 72,000 डालर के नीचे धकेला

नई दिल्ली

क्रिप्टोकरेंसी बाजार में इन दिनों भारी उथल-पुथल देखी जा रही है। दुनिया की सबसे लोकप्रिय डिजिटल करेंसी बिटकाइन, 72,000 डालर के अहम मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे फिसल गई है, जिसने निवेशकों और ट्रेडर्स के बीच खलबली मचा दी है। इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह क्रिप्टो मार्केट से संस्थागत निवेशकों द्वारा अपना पैसा निकालना माना जा रहा है, जिसने बाजार के सेंटिमेंट को बुरी तरह प्रभावित किया है। स्पाट बिटकाइन ईटीएफ से आउटफ्लो बाजार में आई इस अचानक और तेज गिरावट के पीछे सबसे बड़ी वजह स्पाट बिटकाइन से लगातार होने वाला भारी आउटफ्लो है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले कुछ दिनों में इन ईटीएफ से करीब 2.8 बिलियन डालर का फंड बाहर निकाला जा चुका है। ब्लैकराक जैसे बड़े फंड्स से बड़े पैमाने पर हुई इस बिकवाली ने बाजार पर गहरा दबाव डाला है, जिससे बिटकाइन के दाम तेजी से नीचे आ गए हैं। संस्थागत निवेशकों का यह कदम दर्शाता है कि वे फिलहाल जोखिम लेने से बच रहे हैं या मुनाफावसूली कर रहे हैं।

मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस गिरावट के पीछे सिर्फ संस्थागत बिकवाली ही नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, बढ़ती ब्याज दरें और बड़े निवेशकों द्वारा मुनाफावसूली करना भी शामिल है। फिलहाल, ट्रेडर्स और आम निवेशकों को बाजार में अत्यधिक सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि जब तक स्पाट बिटकाइन ईटीएफ में दोबारा बड़े पैमाने पर निवेश शुरू नहीं होता या बाजार में स्थिरता नहीं आती, तब तक अस्थिरता बनी रह सकती है।

पेट्रोल, डीजल और एटीएफ पर एक्सपोर्ट ड्यूटी घटी : नई दरें 1 जून से लागू होंगी; देश के भीतर ईंधन खरीदने वालों पर कोई असर नहीं

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने पेट्रोल, डीजल और हवाई जहाज के ईंधन पर एक्सपोर्ट ड्यूटी घटा दी है। शनिवार को जारी एक सरकारी बयान के अनुसार, यह नई दरें 1 जून से लागू होंगी। हालांकि, घरेलू खपत के लिए पेट्रोल और डीजल पर मौजूदा एक्साइज ड्यूटी दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यानी देश के भीतर ईंधन खरीदने वालों पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

सरकार की घोषणा के मुताबिक नई एक्सपोर्ट ड्यूटी

पेट्रोल के निर्यात पर ड्यूटी 1.5 रुपए प्रति लीटर तय की गई है।

डीजल के निर्यात पर ड्यूटी 13.5 रुपए प्रति लीटर रखी गई है।

हवाई जहाज के ईंधन के निर्यात पर ड्यूटी 9.5 रुपए प्रति लीटर तय की गई है।

हर 14 दिन में समीक्षा के आधार पर बदलाव इन दरों को हर 15 दिन में रिवाइज किया जाता है। यह बदलाव पिछली समीक्षा के बाद की अवधि के दौरान कच्चे तेल, पेट्रोल, डीजल और एटीएफ की औसत अंतरराष्ट्रीय कीमतों पर आधारित होते हैं।

तेल कंपनियों ने 25 मई को पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाए थे वहीं तेल कंपनियों ने 25 मई को पेट्रोल 2.61 प्रति लीटर और डीजल 2.71 प्रति लीटर महंगा किया था। इस बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 102.12 और डीजल की कीमत 95.20 हो गई है।

27 मार्च को पेट्रोल-डीजल पर ड्यूटी 10-10 घटाई थी

इससे पहले सरकार ने 27 मार्च को पेट्रोल और डीजल के दाम स्थिर रखने के लिए स्पेशल एक्साइज ड्यूटी में 10-10 की कटौती की थी। पेट्रोल पर ड्यूटी 13 प्रति लीटर से घटाकर 3, जबकि डीजल पर 10 से शून्य कर दी गई थी। केंद्र सरकार की ओर से एक लीटर पेट्रोल पर कुल 21.90 एक्साइज ड्यूटी वसूली जाती थी।

स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी घटने के बाद यह 11.90 रह गई थी। इसी तरह, एक लीटर डीजल पर कुल सेंट्रल एक्साइज ड्यूटी 17.8 से घटकर 7.8 पर आ गई थी। सरकार का ये फैसला पेट्रोल-डीजल की कीमतों को स्थिर रखने के लिए था। इस निर्णय की वजह से तब पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़े थे।

क्या होती है एक्सपोर्ट ड्यूटी और एटीएफ

एक्सपोर्ट ड्यूटी: यह एक प्रकार का टैक्स है जो सरकार द्वारा देश से बाहर बेची जाने वाली (निर्यात होने वाली) वस्तुओं पर लगाया जाता है। इसका उद्देश्य घरेलू बाजार में सप्लाई और कीमतों को नियंत्रित रखना होता है।

क्यों घटती-बढ़ती है दरें: जब ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल और ईंधन की कीमतें बदलती हैं, तो घरेलू रिफाइनरियों के मुनाफे और देश में सप्लाई को संतुलित करने के लिए सरकार हर 15 दिन में इस टैक्स को एडजस्ट करती है।

एटीएफ (एविएशन टर्बाइन फ्यूल): इसे साधारण भाषा में हवाई जहाज का ईंधन कहा जाता है। यह विशेष रूप से तैयार किया गया केरोसिन आधारित ईंधन होता है, जिसका उपयोग विमानों के टर्बाइन इंजनों को चलाने के लिए किया जाता है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर सम्मान समारोह का भव्य आयोजन

विपमा वीर एवं डॉ. कमला गणोरकर सम्मानित

पत्रकारिता, साहित्य और आधुनिक तकनीक के विविध आयामों पर हुई चर्चा

हैदराबाद, 31 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्वतंत्रता सेनानी पंडित गंगाराम स्मारक मंच द्वारा 30 मई 2026 की सायंकाल पंडित नरेंद्र भवन में हिन्दी पत्रकारिता दिवस एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हिन्दी पत्रकारिता, साहित्य और आधुनिक तकनीक के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय भाषा विशेषज्ञ समिति के सदस्य तथा हैदराबाद विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर एवं पूर्व प्रो-उपकुलपति डॉ. आर. एस. सर्राजू थे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय के हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. अनुपमा उपस्थित रहीं।

दीप प्रज्ज्वलन एवं अतिथियों का सम्मान

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। इसके पश्चात पंडित प्रियव्रत शास्त्री ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ ईश्वर वंदना प्रस्तुत की। मंच के अध्यक्ष भक्तराम जी ने संस्था की गतिविधियों एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

अतिथियों का सम्मान मंच के अध्यक्ष भक्तराम जी द्वारा शॉल ओढ़ाकर, मंत्री श्रुतिकांत भारती द्वारा स्मृति-चिह्न भेंट कर तथा कोषाध्यक्ष प्रदीप जाजू द्वारा पुस्तक प्रदान कर किया गया।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और पत्रकारिता पर विशेषज्ञों के विचार

मुख्य अतिथि डॉ. आर. एस. सर्राजू ने अपने संबोधन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) जैसी आधुनिक तकनीकों के प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए स्वतंत्रता सेनानी पंडित गंगाराम के त्याग, बलिदान और प्रेरणादायी व्यक्तित्व को स्मरण किया।

डॉ. अनुपमा ने हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका, उसके सामाजिक दायित्वों तथा बदलते परिदृश्य में उसके विभिन्न आयामों पर विस्तार से विचार व्यक्त किए।

सम्मानित हस्तियों ने साझा किए अनुभव

समारोह में डेली हिन्दी मिलाप की मुख्य संपादिका श्रीमती विपमा वीर तथा साहित्यकार डॉ. कमला गणोरकर को सम्मानित किया गया। डॉ. कमला गणोरकर ने साहित्य पढ़ने और लेखन की आवश्यकता पर बल देते हुए नई पीढ़ी को साहित्य से जुड़ने का संदेश दिया। वहीं श्रीमती विपमा वीर ने हिन्दी मिलाप की गौरवशाली परंपरा एवं हिन्दी पत्रकारिता में उसकी भूमिका पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर श्रीमती ममता जायसवाल ने श्रीमती विपमा वीर का परिचय प्रस्तुत किया, जबकि श्रीमती वर्षा शर्मा ने डॉ. कमला गणोरकर का परिचय कराया। श्रीमती सुधा ठाकुर ने डॉ. कमला गणोरकर की पुरस्कृत पुस्तक संध्या पर अपने विचार व्यक्त किए।

राष्ट्रगीत के साथ हुआ कार्यक्रम का समापन

कार्यक्रम का संचालन श्रीमती सुधा ठाकुर ने किया। अंत में मंच के मंत्री श्रुतिकांत भारती ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया। पंडित प्रियदत्त शास्त्री द्वारा शांति पाठ के पश्चात राष्ट्रगीत के साथ समारोह का समापन हुआ।

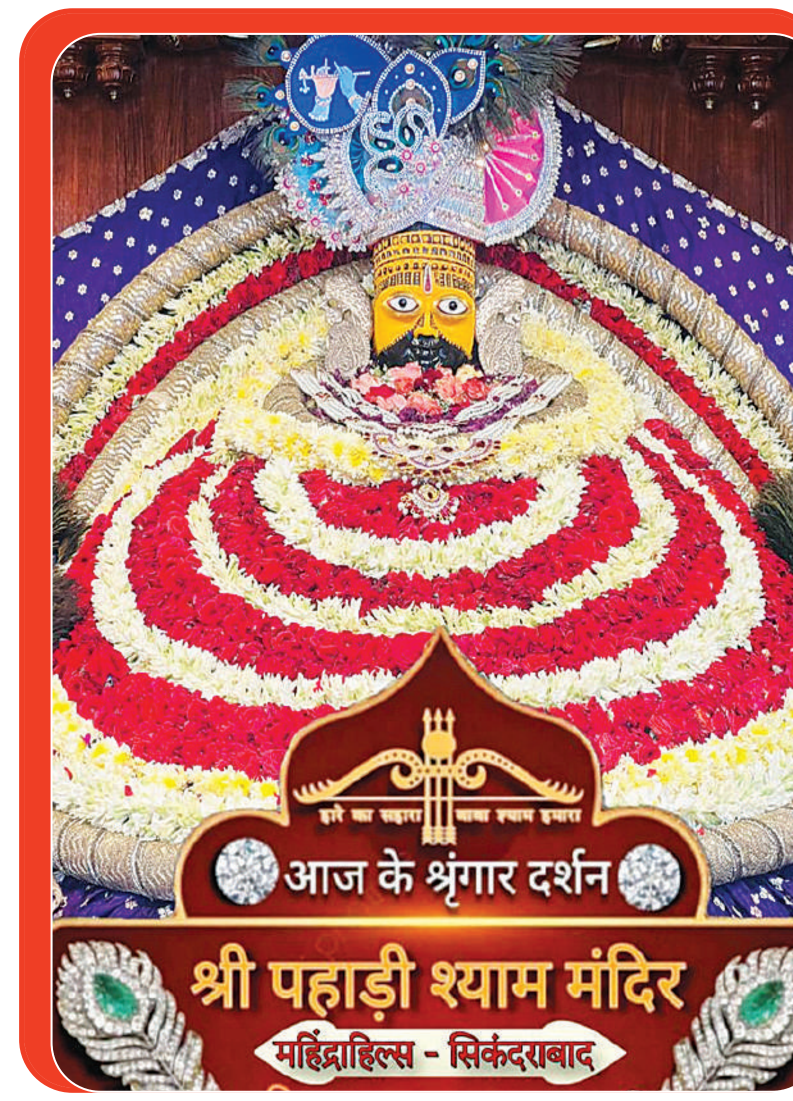

केंद्रीय संस्कृति मंत्री श्री गजेंद्रसिँह शेखावत के सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150 वीं जन्मजयंती कार्यक्रम हेतु हैदराबाद नगरागमन पर एयरपोर्ट पर स्वागत करते हुए प्रोटोकॉल रविप्रकाश यादव , भाजपा नेता भबूतसिंह राजपुरोहित, भारत भारती संस्था के जगन्नाथजी एवं अन्य।

अग्रवाल केयर फाउंडेशन ने रामबाग में आयोजित की अन्न सेवा

400 जरूरतमंदों को कराया भरपेट भोजन, समाजसेवा का दिया संदेश

हैदराबाद, 31 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल केयर फाउंडेशन द्वारा रामबाग स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने ङ्गअन्न सेवा कार्यक्रमफ का भव्य आयोजन किया गया। संस्था के वरिष्ठ मार्गदर्शक श्री ओम प्रकाश अग्रवाल के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में लगभग 400 जरूरतमंद लोगों को आदरपूर्वक भरपेट भोजन कराया गया। फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने बताया कि संस्था ङ्गङ्गनर सेवा ही नारायण सेवाफ्फ के सिद्धांत को आत्मसात करते हुए निरंतर सामाजिक एवं परोपकारी कार्यों में अग्रणी भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के इस मौसम में राहगीरों एवं जरूरतमंद लोगों तक पौष्टिक भोजन पहुंचाना इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है। इस पुनीत सेवा कार्य में संस्था के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा भोजन वितरण एवं अन्य व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संभाला। कार्यक्रम के दौरान सेवा भावना और सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण देखने को मिला।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम संस्था के मार्गदर्शक श्री ओम प्रकाश अग्रवाल सहित सत्यनारायण फोगला, मनीष अग्रवाल, अशोक जालान, राजेश शर्मा, आलोक शर्मा, संजय भालवाले, सुरेश मोदी, श्याम अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल, लोकेश पित्ती, गोविन्द राज, अंकुर बंसल, देवेश अग्रवाल, अंशुल पटवारी, वेंकट अग्रवाल तथा रीतेश अग्रवाल सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के समापन पर फाउंडेशन के सदस्यों ने इस सेवा कार्य को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी सहयोगियों, दानदाताओं एवं प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े स्वयंसेवकों के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी एवं सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

निस्वार्थ सेवा की मिसाल हैं राधे-राधे ग्रुप : अमित अग्रवाल

हैदराबाद, 31 मई (शुभ लाभ ब्यूरो) । राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने रविवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जरूरतमंद एवं निराश्रित लोगों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया। सेवा कार्य में शामिल सदस्यों ने पूरे समर्पण और श्रद्धा भाव से अन्नदान कर मानव सेवा का संदेश दिया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए अमित अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप जिस निस्वार्थ भावना और समर्पण के साथ वर्षों से सेवा कार्यों में जुटा हुआ है, वह समाज के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि आज के समय में जब लोग अपने व्यक्तिगत कार्यों में व्यस्त रहते हैं, ऐसे में राधे-राधे ग्रुप के सदस्य नियमित रूप से समय निकालकर जरूरतमंदों की सेवा कर रहे हैं, जो वास्तव में सराहनीय है। किसी भूखे व्यक्ति को भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है और यही भावना इस ग्रुप की पहचान बन चुकी है।

अमित अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप ने सेवा, सहयोग और सामाजिक उत्तरदायित्व की ऐसी परंपरा स्थापित की है, जिससे अनेक लोग प्रेरित होकर सेवा कार्यों से जुड़ रहे हैं। ग्रुप द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे अन्नदान कार्यक्रम न केवल जरूरतमंदों की भूख मिटा रहे हैं, बल्कि समाज में मानवीय संवेदनाओं को भी मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह हम सभी का सौभाग्य है कि हमें इस सेवा अभियान का हिस्सा बनने और जरूरतमंदों के जीवन में खुशियां बांटने का अवसर प्राप्त हो रहा है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राधे-राधे ग्रुप आने वाले समय में भी इसी प्रकार सेवा के नए आयाम स्थापित करते हुए मानवता की सेवा करता रहेगा। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने भी सेवा कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाई और जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया।

इस अवसर पर महेश अग्रवाल, पन्नालाल अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, प्रवीण विजयवर्गीय, शीतल अग्रवाल, अमित अग्रवाल, लोचन अग्रवाल एवं बबीता गुप्ता सहित अनेक सेवाभावी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लेते हुए राधे-राधे ग्रुप की मानवीय पहल की सराहना की।

माहेश्वरी भवन में श्रीमद्भागवत कथा 5 जून से

हैदराबाद, 31 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेगम बाजार स्थित माहेश्वरी भवन में आगामी 5 जून से 11 जून तक आयोजित होने वाली श्रीमद्भागवत कथा के सफल आयोजन को लेकर कथा प्रचार एवं आमंत्रण अभियान जारी है। इसी क्रम में आज आयोजन समिति के सदस्यों ने चिन्ना जियर स्वामी से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें कथा में पधारने का निमंत्रण दिया। साथ ही इक्वालिटी ऑफ स्टैच्यू, शमशाबाद तथा नीलकंठ विद्यापीठ इंटरनेशनल स्कूल, वाटा सिंगारम में भी संपर्क कर कथा महोत्सव की जानकारी दी गई।

इस अवसर पर स्वामी विवेक जी को भी कथा आयोजन का आमंत्रण प्रदान किया गया। कार्यक्रम में जगन्नाथ, पीठाधीश्वर महंत अमृत दास, महंत अरुण दास, सुनील कुमार पाण्डेय (विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ के अध्यक्ष), संजय कुमार तोतला, विजय कुमार तोतला, लखन तोतला, केशव तोतला, ऋत्विक सिंह सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

आयोजकों ने बताया कि 5 से 11 जून तक चलने वाली श्रीमद्भागवत कथा में धर्म, संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्यों पर आधारित प्रवचनों का आयोजन होगा। कथा के माध्यम से श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, भक्ति एवं धर्म के संदेशों से अवगत कराया जाएगा। आयोजन समिति ने हैदराबाद एवं सिकंदराबाद के धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से कथा में अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त करने का आह्वान किया है।

बिलाल बना विशाल!

कुर्बानी से व्यथित होकर अपनाया सनातन धर्म

खंडवा, 31 मई (एजेंसियां)। ईद पर पशुओं की कुर्बानी से एक मुस्लिम युवक इतना व्यथित हुआ कि उसने इस्लाम धर्म छोड़ सनातन धर्म अपनाने का फैसला कर लिया। खंडवा के महादेवगढ़ मंदिर में बिलाल नामक युवक ने सनातन धर्म धारण किया और वह विशाल बन गया। उसने यहां बाकायदा सिर मुंडवाकर स्नान किया और महादेव की पूजा अर्चना करने के बाद यज्ञ-हवन भी किया। उसने पवित्र रामचरित मानस को माथे पर रखकर उसे नियमित पढ़ने का संकल्प भी लिया।

यह मामला पड़ोसी हरदा जिले के खिरकिया के युवक बिलाल का है, जो बचपन से एक सनातनी राजेश सारंग के यहां न केवल काम करता आया है, बल्कि परिवार के सदस्य की तरह हिंदू रीति-रिवाजों से भी प्रभावित होता रहा।

बकरा ईद के दौरान जब मूक पशुओं की बड़े पैमाने पर कुर्बानी दी गई तो उनकी चीत्कार से उसका मन बहुत व्यथित हो गया। वह उस दिन बहुत विचलित हुआ और उसने इस्लाम छोड़कर सनातन अपनाने का बड़ा फैसला कर लिया।

यहां सर्वे भवन्तुः सुखिनः की बात उसे प्रभावित करती है जिसमें सभी प्राणियों के प्रति दया का भाव है। उसने राजेश सारंग से खंडवा के महादेवगढ़ चलने का आग्रह किया, जिसके बारे में उसने सुन रखा था कि यहां घर वापसी होती है।

युवक ने बताया, मेरा पहले नाम बिलाल था और अब विशाल हो गया है। मैं सनातन धर्म से बहुत प्यार करता हूं। मुझे इसमें आना ही था। मैं शुरू से इसे अपनाता आ रहा हूं। बकरा ईद के दिन मुझसे देखा नहीं गया। मासूम जानवरों की वजह से मैंने पापा से बोला कि मुझे लेकर चलो, तो वो आज मुझे लेकर आए। मैं खिरकिया का रहने वाला हूं और मुझे शुरू से सनातन से लगाव था।

महादेवगढ़ मंदिर में हुए संस्कार

खंडवा के महादेवगढ़ मंदिर में पहले भी कई मघर वापसीफ हो चुकी हैं। यहां कई मुस्लिम युवक-युवती सनातन धर्म अपना चुके हैं। इसी क्रम में कल बिलाल ने यहां विशाल के रूप में घर वापसी की। उसका सबसे पहले सिर मुंडवाकर उपनयन संस्कार किया गया, फिर पवित्र जल से उसका शुद्धिकरण हुआ।

महादेवगढ़ मंदिर के संरक्षक अशोक पालीवाल ने बताया, विशाल का 10 विधि स्नान गंगाजल, गो दुग्ध, पंचामृत, गोमूत्र, गौ गोबर, तुलसी रज, फल, धातु, पंचगव्य, एवं कोष से स्नान करवाकर शुद्धि करवाई गई। इसके बाद उसने बाकायदा यज्ञ हवन भी किया और महादेव की पूजा अर्चना भी की। इसके बाद महादेवगढ़ मंदिर की ओर से विशाल को रामचरित मानस भेंट की, जिसे उसने माथे पर रखकर इसे नियमित पढ़ने का संकल्प भी लिया।

रामचरितमानस का संकल्प

इस मौके पर पालीवाल ने बताया कि पुरुषोत्तम मास के इस पवित्र महीने में बालक ने अपनी नई आध्यात्मिक यात्रा शुरू की है।

महादेवगढ़ परिवार की ओर से विशाल को सनातन के सर्वोच्च ग्रंथ पवित्र रामचरितमानस भेंट की गई, जिसे विशाल ने बेहद आदर के साथ अपने माथे से लगाया और संकल्प लिया कि वह अब से नियमित रूप से रामचरितमानस का पाठ करेंगे और सनातन के मार्ग पर आगे बढ़ेंगे।

लगातार बारिश के कारण बढ़ा जोखिम

केदारनाथ यात्रा पर ब्रेक

रुद्रप्रयाग, 31 मई (एजेंसियां) अगर आप केदारनाथ धाम जाने की प्लानिंग कर रहे हैं, तो अलर्ट हो जाइए। केदारनाथ धाम सहित जनपद के ऊपरी क्षेत्रों में शनिवार रात से लगातार बारिश हो रही है। ऐसे में केदारनाथ प्रशासन ने एहतियातन यात्रा को अस्थायी रूप से रोक दिया है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यात्रा मार्ग पर आवाजाही पर फिलहाल रोक लगाई गई है। अधिकारियों का कहना है कि मौसम में सुधार होते ही यात्रा को फिर से शुरू किया जाएगा, लेकिन फिलहाल यात्रियों की जान को जोखिम में नहीं डाला जा सकता है।

गुप्तकाशी, फाटा, रामपुर, शेरसी, सोनप्रयाग और गौरीकुंड में रोके गए यात्री। केदारनाथ धाम में लगातार हो रही बारिश के बीच प्रशासन और आपदा प्रबंधन तंत्र पूरी तरह अलर्ट मोड में है। यात्रा मार्ग पर मौजूद यात्रियों को गुप्तकाशी, फाटा, रामपुर, शेरसी, सोनप्रयाग और गौरीकुंड स्थित सुरक्षित होल्डिंग क्षेत्रों में रोका गया है, जबकि केदारनाथ धाम से वापस लौट रहे श्रद्धालुओं को चरणबद्ध तरीके से सुरक्षित नीचे लाया जा रहा है।

जिलाधिकारी के निर्देशन में सभी विभागों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। पैदल यात्रा मार्ग, पड़ाव स्थलों तथा केदारनाथ धाम में तैनात अधिकारियों, कर्मचारियों, पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और अन्य सुरक्षा बलों को चौबीसों घंटे निगरानी बनाए रखने तथा यात्रियों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

फिलहाल यात्रा करना जोखिम से भरा है। पहाड़ों में लगातार हो रही बारिश का असर सीधे केदारनाथ यात्रा पर देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमानों के मद्देनजर प्रशासन कोई जोखिम लेने के पक्ष में नहीं है।

इसी कारण पहली ही तेज बारिश के दौरान यात्रा को अस्थायी रूप से रोककर श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की गई है।

केदारनाथ प्रशासन की श्रद्धालुओं से अपील

फिलहाल हजारों श्रद्धालु यात्रा फिर शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं। प्रशासन की ओर से यात्रियों से अपील की गई है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करें। साथ ही सभी श्रद्धालुओं को खराब मौसम के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहने और प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई है।

बता दें कि इस साल केदारनाथ यात्रा नए रिकॉर्ड बना रही है। अब तक 10 लाख से अधिक श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं। ऐसे में मौसम की चुनौती के बावजूद प्रशासन यात्रा को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए लगातार प्रयासरत है।

थ्री-कार्ड जुए का भंडाफोड़, सात आरोपी गिरफ्तार

बांसवाड़ा, 31 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांसवाड़ा मंडल के बाहरी क्षेत्र स्थित कोय्यागुट्टा टांडा के समीप नहर नंबर-10 के पास पुलिस ने कार्रवाई करते हुए थ्री-कार्ड (ताश) जुआ खेल रहे सात लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से नकदी, मोटरसाइकिलें, मोबाइल फोन तथा ताश के पत्ते बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शेख इब्राहिम (38), इस्माइल (41), ताकोजी शिवकुमार (28), शेख खाजा मोइनुद्दीन (39), शेख रफी (40), सैयद सद्दाम (32) तथा वसीम अकरम (27) के रूप में हुई है।

छापेमारी के दौरान आरोपियों के पास से 18,020 रुपये नकद, चार मोटरसाइकिलें, सात मोबाइल फोन तथा 52 ताश के पत्ते जब्त किए गए। पुलिस ने बताया कि आरोपी कथित रूप से पैसों का दांव लगाकर थ्री-कार्ड जुआ खेल रहे थे।

बांसवाड़ा थाना पुलिस ने सभी आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि क्षेत्र में अवैध गतिविधियों के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रहेगा तथा कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन में चमके अमलापुरम के सात्विक साईराज, सिंगापुर में जीता स्वर्ण पदक

सांसद साना सतीश बाबू ने दी बधाई

विजयवाड़ा/अमलापुरम, 31 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। कोनसीमा जिले के अमलापुरम के रहने वाले अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन स्टार रंकीरेड्डी सात्विक साईराज ने एक बार फिर भारतीय खेल इतिहास में अपना नाम स्वर्ण अक्षरों में लिख दिया है। सिंगापुर में आयोजित प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल वर्ग में उन्होंने अद्भुत प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। इस ऐतिहासिक जीत के साथ उन्होंने सिंगापुर के मंच पर भारतीय बैडमिंटन को एक दुर्लभ सम्मान दिलाया है।

विश्व स्तरीय खिलाड़ियों के बीच हुए इस बेहद रोमांचक और कड़े मुकाबले में सात्विक साईराज ने अपने जोड़ीदार के साथ मिलकर सर्वश्रेष्ठ खेल का प्रदर्शन किया। अपनी तेजतर्रार स्मैश, बेहतरीन तालमेल और रणनीतिक खेल की बदौलत उन्होंने विरोधियों को टिकने नहीं दिया और फाइनल में शानदार जीत दर्ज की। यह स्वर्ण पदक भारतीय बैडमिंटन के इतिहास में एक विशेष मील का पत्थर बन गया है।

अमलापुरम जैसे क्षेत्र से निकलकर विश्व बैडमिंटन के शीर्ष

स्तर पर पहुंचने वाले सात्विक साईराज आज के युवा खिलाड़ियों के लिए एक बड़े आदर्श बनकर उभरे हैं। उनकी इस अभूतपूर्व उपलब्धि पर कोनसीमा जिले के लोगों, खेल प्रेमियों और बैडमिंटन जगत ने भारी खुशी व्यक्त की है।

इस खास मौके पर राज्यसभा सदस्य साना सतीश बाबू ने विजेताओं को अपनी हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा, अमलापुरम के युवा सात्विक साईराज का अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्वर्ण पदक जीतना सभी तेलुगु लोगों के लिए बेहद गर्व की बात है। अनुशासन, दृढ़ संकल्प और निरंतर कठिन परिश्रम के बल पर विश्व स्तर पर सफलता के झंडे गाड़ने वाले सात्विक साईराज भारत के युवाओं के लिए एक महान प्रेरणास्रोत हैं।ङ्क्ष

सांसद साना सतीश बाबू ने उम्मीद जताई कि सात्विक भविष्य में और भी कई अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में हिस्सा लेकर भारत का गौरव बढ़ाएंगे और ओलंपिक सहित दुनिया के सबसे बड़े खेल मंचों पर देश के तिरंगे को शान से लहराएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि सात्विक साईराज की इस शानदार जीत से आंध्र प्रदेश के साथ-साथ पूरे देश में बैडमिंटन खेल को और अधिक बढ़ावा मिलेगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

आरसीबी फिर...

गुजरात टाइटंस को आठ विकेट पर 155 रन ही बनाने दिए। नरेंद्र मोदी स्टेडियम की लाल और काली मिट्टी के मिश्रण वाली पिच पर शुरुआत में शॉट खेलना बिलकुल भी आसान नहीं था जो गुजरात टाइटंस की बल्लेबाजी में साफ झलक रही थी जिससे आरसीबी के लिए रसिख सलाम ने तीन जबकि भुवनेश्वर कुमार और जोश हेजलवुड ने दो दो विकेट चटकाए। क्रुणाल पंड्या ने 23 रन देकर एक विकेट झटका। गुजरात टाइटंस के लिए एकमात्र वॉशिंगटन सुंदर ही इस मुश्किल का सामना करते हुए 37 गेंद में पांच चौके से नाबाद 50 रन बना पाए।

शुक्रवार को दूसरा क्वालीफायर खेलने की थकान और मुल्लांपुर में खराब मौसम के कारण देरी से हुई रवानगी ने भी शायद उनकी मुश्किलों को और बढ़ा दिया था। लेकिन आरसीबी के गेंदबाजों ने इस पिच पर ज्यादातर समय सही लाइन एवं लेंथ पर गेंदबाजी की। आरसीबी ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया और उसके गेंदबाजों ने शुरू से ही दबदबा बनाते हुए पावरप्ले में सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल (10) और साई सुदर्शन (12) के विकेट झटक लिए। गुजरात टाइटन्स को अपनी सलामी जोड़ी से अच्छी शुरुआत की उम्मीद थी जिससे टीम इन झटकों से उबर नहीं सकी।

हालांकि टीम शुरू से ही धीमी शुरुआत करती रही है जो कोई नई बात नहीं थी। लेकिन हेजलवुड (37 रन देकर दो विकेट) की गेंद पर गिल ने जोरदार शॉट खेला और गेंद उनके बल्ले का किनारा चूमते हुए आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार के हाथों में चली गई। सुदर्शन एक बार डीआरएस की मदद से जैकब डफी की गेंद पर कैच आउट होने से बच गए थे लेकिन वह भी ज्यादा देर तक टिक नहीं पाए। भुवनेश्वर (29 रन देकर दो विट) की एक सटीक, ऊंची और वाइड बाउंसर पर इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने खराब पुल शॉट खेला और विकेटकीपर जितेश शर्मा ने दौड़कर आसान कैच लपक लिया। इस तरह ङ्गपर्पल कैपफ की दौड़ में भुवनेश्वर अब कागिसो रबाडा (28 विकेट) के साथ बराबरी पर आ गए हैं।

गिल और सुदर्शन के आउट होने के बाद टीम लड़खड़ा गई

गिल और सुदर्शन ने इस सत्र में 700 से ज्यादा रन बनाए थे। इन दोनों के आउट होने के बाद गुजरात टाइटंस की की बल्लेबाजी पूरी तरह से लड़खड़ा गई। उनका पावर प्ले में स्कोर दो विकेट पर 45 रन रन था। बाकी बल्लेबाजों में पारी को संभालने का जोश और धैर्य नहीं दिखा। जोस बटलर (19) और वाशिंगटन पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन रक्षात्मक खेलने से जूझते नजर आए। युवा तेज गेंदबाज रसिक सलाम अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने निशांत सिंधु (18 गेंद में 20 रन) और राहुल तेवतिया के विकेट लिए। घरेलू टीम ने 100 रन के आंकड़े तक पहुंचने से पहले ही मुख्य बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिए थे।

गुजरात टाइटंस को अपनी पारी का पहला छक्का लगाने के लिए 13वें ओवर तक इंतजार करना पड़ा जो कृणाल की गेंद पर अरशद खान (15 रन) मिड-विकेट के ऊपर से लगाया था। आरसीबी के गेंदबाजों के दबदबे का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि घरेलू टीम की पारी में (अरशद के दो और राशिद खान के एक छक्के से) केवल तीन छक्के शामिल थे।

वैभव को...

इस अवॉर्ड के लिए उन्हीं बल्लेबाजों को शॉर्ट लिस्ट किया गया था, जिन्होंने कम से कम 7 मैच खेले और 100 गेंदों का सामना किया। वैभव ने पूरे सीजन में 237.30 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। उनके बाद फिन एलन (214.11), प्रियांश आर्य (211.62) और अभिषेक शर्मा (204.72) का नंबर रहा। वैभव को इनाम के तौर पर टाटा सिएरा कार दी गई।

सबसे ज्यादा छक्कों के लिए 10 लाख रुपये

वैभव सूर्यवंशी ने पूरे सीजन में 72 छक्के उड़ाए। वैभव आईपीएल के एक सीजन में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बल्लेबाज हैं। इस सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के लिए वैभव को 10 लाख रुपये की प्राइज मनी मिली। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर सनरा-इजर्स हैदराबाद (डठक) के अभिषेक शर्मा रहे, जिन्होंने 43 छक्के लगाए। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार ने 41 छक्के जड़े।

इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन

वैभव सूर्यवंशी को इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन भी चुना गया। इस अवॉर्ड के लिए उन्हीं खिलाड़ियों को शॉर्ट लिस्ट किया गया था, जिनका जन्म 1 अप्रैल 2000 के बाद हुआ हो, जिन्होंने इस सीजन से पहले 25 से कम आईपीएल मैच खेले हों और जिन्होंने अब तक इंटरनेशनल क्रिकेट नहीं खेला हो। प्रियांश आर्य और प्रिंस यादव जैसे युवा खिलाड़ी भी इस रेस में थे, लेकिन वैभव सबसे आगे निकले।

मोस्ट वैल्युएबल प्लेयर ऑफ द सीजन और 15 लाख रुपये

वैभव सूर्यवंशी को आईपीएल 2026 का सबसे बड़ा व्यक्तिगत सम्मान भी मिला। उन्होंने ममोस्ट वैल्युएबल प्लेयर ऑफ द सीजनफ अवॉर्ड जीता। वैभव के कुल 436.5 पॉइंट्स रहे। वहीं गुजरात टाइटन्स (जीटी) के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा दूसरे स्थान पर रहे। इस अवॉर्ड के तहत वैभव को 15 लाख रुपये मिले। पिछले सीजन यह अवॉर्ड मुंबई इंडियंस (चख) के सूर्यकुमार यादव ने जीता था।

ऑरेंज कैप और 10 लाख रुपये की प्राइज मनी

वैभव सूर्यवंशी ने 776 रन बनाकर आईपीएल 2026 में ऑरेंज कैप भी अपने नाम की। उनके बाद गुजरात टाइटन्स के स्टार खिलाड़ियों शुभमन गिल (732 रन) और साई सुदर्शन (722 रन) रहे। ऑरेंज कैप के साथ-साथ वैभव को सबसे ज्यादा रन बनाने के लिए 10 लाख रुपये की प्राइज मनी भी मिली।

सूर्या का...

अचानक हुए हमले में सूर्या गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। उसके शरीर से काफी खून बह रहा था।

फरहान ने पुलिस को बताया कि हमला करने के बाद उन्हें लगा कि सूर्या की मौत हो चुकी है। इसके बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल सूर्या को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी।

घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई थी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और तकनीकी साक्ष्यों, स्थानीय इनपुट तथा पूछताछ के आधार पर नवाब, फरहान और आतीक को गिरफ्तार कर लिया। अब पुलिस तीनों आरोपियों से पूछताछ कर हत्याकांड से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में जुटाए गए साक्ष्यों और आरोपियों के बयानों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है. वहीं इस हत्याकांड के खुलासे के बाद पुलिस ने दावा किया है कि घटना से जुड़े प्रमुख किरदारों को कानून के दायरे में लाया जा चुका है।

ममता की...

इसलिए नहीं आए। उन्होंने आगे कहा, यह बैठक पहले से तय थी। लेकिन हमारे नेताओं पर हुए हमलों के बाद हमारे विधायक जमीनी स्तर पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, जिसके चलते हमारे कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है।अनुपस्थित विधायकों ने विधायी दल को पहले ही जानकारी दे दी थी और अनुरोध किया था कि बैठक को कुछ समय के लिए टाल दिया जाए। कुणाल घोष ने कहा कि इस उचित अनुरोध को देखते हुए तृणमूल विधायी दल ने बैठक को फिलहाल रद्द करने का फैसला किया है। हालांकि उन्होंने यह भी बताया कि तय समय दोपहर 3 बजे तक करीब 20 विधायक बैठक स्थल पर पहुंच चुके थे। सूत्रों के अनुसार, कम उपस्थिति के बावजूद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मौजूद विधायकों से बातचीत की है।

हालांकि, औपचारिक बैठक नहीं हो सकी। टीएमसी ने यह भी संकेत दिया कि बैठक को बाद में किसी तारीख पर आयोजित किया जाएगा और सभी विधायकों को समय पर इसकी जानकारी दी जाएगी।

अगले 48 घंटों में विरोध प्रदर्शन तेज करने का फैसला

इसी बीच टीएमसी ने अपने आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों को लेकर नई रूपरेखा भी तैयार की है। अगले 48 घंटों में विरोध प्रदर्शनों को तेज करने का फैसला है। टीएमसी प्रवक्ता ने कहा कि पार्टी नेताओं से 1 जून को ग्रामीण क्षेत्रों में ब्लॉक स्तर पर और शहरी क्षेत्रों में नगर निगम वार्डों में विरोध रैलियां आयोजित करने को कहा गया है। इन रैलियों में अभिषेक बनर्जी, कल्याण बनर्जी और अन्य कार्यकर्ताओं पर हुए हमलों की निंदा की जाएगी।

टीएमसी विधायक बेलेघाटा ने कोलकाता में एक दिवसीय सांकेतिक धरने का ऐलान किया है। इसका नेतृत्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मंगलवार को करेंगी। यह धरना एस्प्लेनेड के रानी राशमोनी रोड पर आयोजित होगा।

ममता बनर्जी करेंगी धरने का नेतृत्व

पार्टी का कहना है कि यह धरना चुनाव के बाद जारी हिंसा और राज्य में बुलडोजर के जरिए हॉकरों को हटाए जाने के खिलाफ होगा। टीएमसी ने कहा कि अगले राजनीतिक कार्यक्रमों की घोषणा 2 जून को धरने के मंच से की जाएगी।

हिमाचल में ...

सेमीफाइनल की जीत और बूस्टर डोज के रूप में पेश कर रही है। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर का राजनीतिक कद भी इन परिणामों के बाद और मजबूत हुआ माना जा रहा है। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार होने के बावजूद शहरी क्षेत्रों में पार्टी को अपेक्षित समर्थन नहीं मिला। पिछली बार जब राज्य में बीजेपी की सरकार थी, तब कांग्रेस सोलन और पालमपुर जैसे शहरी क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रही थी। इस बार सोलन भी बीजेपी के खाते में चला गया।

सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस नेतृत्व अब हार के कारणों की समीक्षा के लिए जल्द ही बड़ी बैठक कर सकता है। पार्टी संगठन और सरकार के प्रदर्शन की भी समीक्षा होने की संभावना है।

बीजेपी को मिला नया मनोबल

इन नतीजों से बीजेपी कार्यकर्ताओं में नया उत्साह देखने को मिल रहा है। पार्टी अब इस जीत की लय को 2027 विधानसभा चुनाव तक बनाए रखने की रणनीति पर काम करेगी। शहरी क्षेत्रों में मिले समर्थन को बीजेपी अपने लिए सकारात्मक संकेत मान रही है। हालांकि मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने नगर निगम चुनावों के आधार पर किसी बड़े राजनीतिक निष्कर्ष से बचने की सलाह दी है। उनका दावा है कि पंचायती राज संस्थाओं और स्थानीय निकायों के अन्य चुनावों में कांग्रेस का प्रदर्शन बेहतर रहा है।

सुक्खू के अनुसार, नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों में कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों ने 29 स्थानों पर जीत दर्ज की, जबकि बीजेपी 21 स्थानों पर सफल रही। उन्होंने यह भी दावा किया कि पंचायत चुनावों में कांग्रेस समर्थित करीब 2400 प्रधान और बड़ी संख्या में उपप्रधान चुने गए हैं। मुख्यमंत्री का कहना है कि जिला परिषद और ब्लॉक समिति चुनावों में भी कांग्रेस बेहतर प्रदर्शन करेगी।

भले ही यह चुनाव स्थानीय निकायों के हों, लेकिन सोलन, मंडी और धर्मशाला जैसे प्रमुख शहरी केंद्रों में बीजेपी की जीत ने राज्य की राजनीति में नई चर्चा छेड़ दी है। कांग्रेस जहां इसे सीमित दायरे का चुनाव बता रही है, वहीं बीजेपी इसे जनता के बदलते रुझान और 2027 विधानसभा चुनाव की दिशा का संकेत मान रही है।

बेटे-बहू की सालगिरह पर अन्नदान कर मिला आत्मिक संतोष : वीरेन्द्र गुप्ता

हैदराबाद, 31 मई (शुभ लाभ ब्यूरो) । राधे राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास रविवार को नियमित अन्नदान सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आज की सेवा श्री सर्वेश गुप्ता एवं श्रीमती दीपिका गुप्ता की 34वीं शादी की सालगिरह के उपलक्ष्य में ओम विष्णु मेडिकल हॉल, गुलजार हौज, चारकमान की ओर से की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जरूरतमंद एवं असहाय लोगों को भोजन वितरित कर सेवा, संस्कार और मानवता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने सर्वेश गुप्ता एवं दीपिका गुप्ता को उनकी 34वीं वैवाहिक वर्षगांठ पर शुभकामनाएं देते हुए उनके सुखमय, स्वस्थ एवं समृद्ध जीवन की कामना की। अपने विचार व्यक्त करते हुए वीरेन्द्र गुप्ता ने कहा कि बेटे-बहू की शादी की सालगिरह राधे-राधे ग्रुप के साथ मनाने का अवसर मिलना उनके लिए अत्यंत हर्ष और गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि परिवार के मांगलिक अवसरों पर जो प्रसन्नता प्राप्त होती है, वही खुशी आज जरूरतमंदों और निराश्रित जनों को भोजन करवाकर मिली है। उन्होंने कहा कि जीवन के विशेष अवसरों को सेवा कार्यों से जोड़ना सबसे बड़ा पुण्य है, क्योंकि इससे समाज के वंचित वर्ग के चेहरों पर मुस्कान आती है और मन को अद्भुत आत्मिक संतोष प्राप्त होता है।

वीरेन्द्र गुप्ता ने राधे-राधे ग्रुप का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह संस्था केवल अन्नदान ही नहीं कर रही, बल्कि समाज में सेवा, सहयोग और संवेदनशीलता की भावना को भी मजबूत कर रही है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप ने अनेक परिवारों को अपने सुखद अवसरों को मानव सेवा से जोड़ने की प्रेरणा दी है, जो वास्तव में अनुकरणीय कार्य है। इस अवसर पर वीरेन्द्र गुप्ता, सर्वेश गुप्ता, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, गजराज श्रीमाल, प्रीतिका अग्रवाल, महेश अग्रवाल, पाबूराम पीपावत, जगन गुप्ता, बिमल किशोर संघी, नयन संघी एवं मनीष चिंडालिया सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

यशवंतीबेन अमृतलाल निसर के निधन से कच्छी एवं जैन समाज में शोक की लहर

हैदराबाद, 31 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। कच्छी समाज के वरिष्ठ कार्यकर्ता, प्रमुख समाजसेवी एवं धर्मप्रेमी श्री अमृतलालभाई निसर की धर्मपत्नी एवं समाजसेवी श्रीमती यशवंतीबेन अमृतलाल निसर का शनिवार दोपहर 1:39 बजे निधन हो गया। वे 87 वर्ष की थीं। उनके निधन के समाचार से कच्छी समाज एवं समस्त जैन समाज में शोक की लहर व्याप्त हो गई।

यशवंतीबेन लंबे समय से धार्मिक, सामाजिक एवं परोपकारी गतिविधियों से जुड़ी हुई थीं। समाज सेवा के क्षेत्र में उनका योगदान अविस्मरणीय माना जाता है। वे श्री कच्छी समाज की स्थापना से जुड़े कार्यों में सक्रिय रहीं तथा विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं में उन्होंने उल्लेखनीय योगदान दिया।

इसके अतिरिक्त श्री आठ कोटि नानी पक्ष की गतिविधियों में भी उनका विशेष सहयोग रहा।

समाज में सेवा, सहयोग और परोपकार की भावना को बढ़ावा देने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिसके कारण वे समाज में अत्यंत सम्मानित व्यक्तित्व के रूप में जानी जाती थीं।

यशवंतीबेन अपने पीछे सुपुत्री लीनाबेन, दामाद निलेशभाई, भतीजे दिर्गेश निसर सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। उनके निधन पर समाज के अनेक अग्रणी व्यक्तियों ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

समाजसेवी दिनेश गोसर ने अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि यशवंतीबेन का निधन समाज के लिए अपूरणीय क्षति है।

उन्होंने कहा कि उनकी स्मृतियां और समाजसेवा के कार्य आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरणा देते रहेंगे।

वहीं रिद्धिश जागीरदार ने उन्हें समाज का स्तंभ बताते हुए कहा कि उनका संपूर्ण जीवन धर्म, परोपकार और समाज सेवा के लिए समर्पित रहा।

यशवंतीबेन की अंतिम यात्रा शनिवार, 30 मई 2026 को विशाल जनसमुदाय की उपस्थिति में संपन्न हुई।

हिंदू उत्सव समिति का

ग्रीष्मकालीन सेवा अभियान सम्पन्न हजारों लोगों को वितरित की ठंडी छाछ

हैदराबाद, 31 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदू उत्सव समिति द्वारा विगत 10 वर्षों से संचालित ग्रीष्मकालीन सेवा अभियान के अंतर्गत ग्रीष्म ऋतु के 11वें रविवार को भी दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक आमजन एवं राहगीरों के लिए मसाला ठंडी छाछ वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। समिति द्वारा प्रत्येक रविवार लगभग 8 हजार ग्लास ठंडी छाछ के साथ-साथ गुलाब शरबत, आइसक्रीम एवं तरबूज का वितरण किया जाता है। इस सेवा कार्य में समिति के सभी सदस्य तन, मन और धन से समर्पित होकर बिना किसी भेदभाव के राहगीरों एवं जरूरतमंदों की विनम्रतापूर्वक सेवा करते हैं। कार्यक्रम के समापन अवसर पर समिति के वरिष्ठ सदस्य किरण तायल ने सभी सेवा सहयोगियों, समिति सदस्यों, मीडिया प्रतिनिधियों, ट्रैफिक पुलिस कर्मियों तथा सफाई कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग एवं सहभागिता से यह सेवा अभियान सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है और समाजसेवा की यह परंपरा आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर वॉल पोस्टर का अनावरण

हैदराबाद, 31 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के निदेशक डॉ. रवींद्र नायक ने कहा कि धूम्रपान एवं तंबाकू उत्पादों के सेवन से लोगों को गंभीर स्वास्थ्य, आर्थिक एवं सामाजिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उन्होंने यह बात तेलंगाना सिटिजन्स काउंसिल के तत्वावधान में कोटी स्थित स्वास्थ्य निदेशालय कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही। ॉ. नायक ने कहा कि धूम्रपान के कारण मानसिक तनाव, चिंता, कार्य में एकाग्रता की कमी तथा अनेक स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न होती हैं। उन्होंने बताया कि तंबाकू के सेवन से विशेष रूप से फेफड़े, गला, मुंह, अन्ननली, मूत्राशय सहित शरीर के विभिन्न अंगों में कैंसर होने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

उन्होंने लोगों से तंबाकू उत्पादों से दूर रहने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। तेलंगाना सिटिजन्स काउंसिल के राज्य अध्यक्ष डॉ. राज नारायण मुदिराज ने कहा कि सिगरेट, बीड़ी, गुटखा तथा ई-सिगरेट जैसे विभिन्न रूपों में तंबाकू का उपयोग लगातार बढ़ रहा है। विशेष रूप से युवा एवं विद्यार्थी इसकी लत की ओर आकर्षित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार विश्वभर में प्रतिवर्ष लगभग 80 लाख लोग तथा भारत में करीब 13.5 लाख लोग तंबाकू से संबंधित बीमारियों के कारण अपनी जान गंवा देते हैं।

लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद समर्पण के जिला अध्यक्ष लायन प्रेमचंद जैन ने कहा कि तंबाकू सेवन से होने वाली बीमारियों के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने में स्वैच्छिक संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग को इस अभियान से जोड़कर तंबाकू मुक्त समाज के निर्माण का प्रयास किया जाना चाहिए।

इस अवसर पर विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में डॉ. राज नारायण मुदिराज द्वारा तैयार किए गए विशेष वॉल पोस्टर का अनावरण डॉ. रवींद्र नायक ने किया तथा उन्हें बधाई दी।

कार्यक्रम के दौरान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में पिछले 40 वर्षों से विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न रोगों के प्रति जागरूकता रैलियां, सेमिनार तथा धूम्रपान एवं तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों पर अभियान चलाने वाले हाल ही में सेवानिवृत्त कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर श्री के. रवींदर को डॉ. रवींद्र नायक ने शॉल, पुष्पमाला एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में सरकारी एम.एन.जे. इंस्टीट्यूट ऑफ ऑन्कोलॉजी के सेवानिवृत्त रेडियोग्राफर वी. विद्यसागर, समन्वयक श्री बिचुकारी सूर्य, श्री जी. वेणुगोपाल तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना तथा स्वस्थ एवं नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश देना था।

पेद्दापल्ली जिला कलेक्टर कोया श्री हर्ष ने रविवार को अपने परिवार के साथ जगतियाल जिले के प्रसिद्ध तीर्थस्थल कोंडागट्टू श्री अंजनेय स्वामी मंदिर में दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की। मंदिर पहुंचने पर कलेक्टर एवं उनके परिवार के सदस्यों ने विधिवत पूजा-अर्चना करते हुए भगवान श्री अंजनेय स्वामी के चरणों में श्रद्धा अर्पित की तथा जिले एवं राज्य की सुख-समृद्धि, शांति और जनकल्याण की कामना की। इस अवसर पर भगवान को विशेष प्रसाद भी अर्पित किया गया।

पूजा-अर्चना के उपरांत मंदिर के पुजारी कपिंदर वेदोक्ता ने वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार कलेक्टर एवं उनके परिवार को आशीर्वाद प्रदान किया। साथ ही उन्हें मंदिर परंपरा के अनुसार पवित्र शेष वस्त्र भेंट किए गए तथा लड्डू प्रसाद प्रदान किया गया।

इस अवसर पर मंदिर के इंस्पेक्टर चेकिला अशोक, एएसआई चिलुका श्रीनिवास तथा आरआई तिरुपति सहित मंदिर प्रशासन के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पेद्दापल्ली बस डिपो का कार्य तेज़ी से पूरा कर जल्द किया जाएगा शुरू : पोन्नम प्रभाकर

पेद्दापल्ली, 31 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य के सड़क परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि पेड्डापल्ली जिला मुख्यालय में प्रस्तावित आरटीसी बस डिपो के निर्माण कार्य में तेजी लाई जाएगी तथा इसे जल्द से जल्द शुरू करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

राज्य के सड़क परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर, आईटी, उद्योग एवं विधायी मामलों के मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू तथा सरकारी व्हिप विजयरमणा राव ने शनिवार को पेड्डापल्ली जिला केंद्र में प्रस्तावित बस डिपो स्थल का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि सरकारी व्हिप विजयरमणा राव एवं वरिष्ठ मंत्री श्रीधर बाबू के अनुरोध पर मुख्यमंत्री ने पेड्डापल्ली में आरटीसी बस डिपो की स्थापना को मंजूरी प्रदान की है। उन्होंने स्वीकार किया कि कुछ कारणों से परियोजना के कार्य में देरी हुई, लेकिन अब निर्माण प्रक्रिया को गति देने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

मंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बस संपर्क व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा योजना लागू होने के बाद गांवों में आरटीसी बसों की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस बढ़ती आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए नई बसों की खरीद की प्रक्रिया भी जारी है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को मजबूत बनाने और आरटीसी को और अधिक सशक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पोन्नम प्रभाकर ने भरोसा दिलाया कि आरटीसी कर्मचारियों से संबंधित सभी समस्याओं के समाधान के लिए सरकार गंभीरता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के बीच मौजूद गलतफहमियों को दूर किया जाना चाहिए ताकि संस्थान की प्रगति में सभी की सहभागिता सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने बताया कि उपमुख्यमंत्री के नेतृत्व में पांच मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों एवं 40 आरटीसी प्रतिनिधियों के साथ हुई विस्तृत चर्चा के बाद कर्मचारियों को 11 प्रतिशत पीआरसी (पे रिवीजन कमीशन) स्वीकृत किया गया है।

मंत्री ने स्पष्ट किया कि आरटीसी की मान्यता प्राप्त श्रमिक यूनियन के चुनाव शीघ्र कराए जाएंगे। निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ विचार-विमर्श के बाद भविष्य में आरटीसी विलय प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि विलय प्रक्रिया के दौरान किसी प्रकार का विवाद या बाधा उत्पन्न न हो तथा कर्मचारियों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े, इसके लिए सरकार पूरी सावधानी बरत रही है।

कार्यक्रम में संबंधित विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा आरटीसी के वरिष्ठ कर्मचारी उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज शालीबंडा शाखा द्वारा गौ सेवा कार्यक्रम संपन्न

अधिक मास के अवसर पर गौशाला में की गई तरबूज सेवा

हैदराबाद, 31 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज शालीबंडा शाखा द्वारा अधिक मास के पावन अवसर पर जियागुड़ा स्थित श्री समर्थ कामधेनु गौशाला में गौ सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत गौ माताओं के लिए विशेष रूप से तरबूज सेवा की गई, जिसमें समाज के अनेक सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

शाखा के मानद मंत्री पवन डोकानिया द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस सेवा कार्यक्रम के संयोजक के रूप में शाखा के परामर्शदाता मिट्ठूलाल अग्रवाल को नियुक्त किया गया था। उनके कुशल नेतृत्व एवं सक्रिय प्रयासों से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के दौरान गौशाला में उपस्थित गौ माताओं के लिए पर्याप्त मात्रा में तरबूज की व्यवस्था की गई। श्रद्धाभाव से संपन्न इस सेवा कार्य में गौ संरक्षण एवं गौ सेवा के प्रति समाज की प्रतिबद्धता देखने को मिली।

इस आयोजन को सफल बनाने में गौ सेवा मित्र मंडल, रिकाबगंज के श्री मनोज अग्रवाल एवं उनकी टीम की विशेष भूमिका रही। उन्होंने कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में सक्रिय सहयोग प्रदान करते हुए गौ सेवा के इस पुनीत कार्य को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। शाखा अध्यक्ष रामकिशन अग्रवाल ने कार्यक्रम में सहयोग देने वाले सभी सदस्यों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अग्रवाल समाज शालीबंडा शाखा भविष्य में भी इस प्रकार के धार्मिक, सामाजिक एवं सेवा कार्यों का आयोजन निरंतर करती रहेगी।

कार्यक्रम को सफल बनाने में शाखा अध्यक्ष रामकिशन अग्रवाल, मानद मंत्री पवन डोकानिया, संयुक्त मंत्री नवनीत अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य पंकज गोयंका, केंद्रीय समिति द्वारा मनोनीत सदस्य प्रेम अग्रवाल, परामर्शदाता एवं कार्यक्रम संयोजक मिट्ठूलाल अग्रवाल, प्रकाश अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, आनंद संघी, नवल किशोर गोयल, रामकुमार मित्तल, सचिन अग्रवाल, नमन कुमार अग्रवाल, अद्विक, महिला शाखा उपाध्यक्ष श्रीमती मंजू अग्रवाल, कोषाध्यक्ष कु. लीना अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य श्रीमती प्रियंका डोकानिया, श्रीमती कंचन अग्रवाल, श्रीमती देवी अग्रवाल, श्रीमती कल्पना अग्रवाल, श्रीमती प्रिया अग्रवाल, कु. ईशांकी बंसल एवं कु. अन्विका अग्रवाल सहित अनेक सदस्यों ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम का समापन गौ माता की सेवा, मंगलकामनाओं एवं समाज की सुख-समृद्धि की प्रार्थना के साथ संपन्न हुआ।

रेड्डी और कांग्रेस नेताओं ने हैदराबाद में की खड़गे से मुलाकात

हैदराबाद, 31 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ हैदराबाद में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से शिष्टाचार भेंट की।

श्री खरगे गुलबर्गा जाते समय हैदराबाद से गुज़र रहे थे। श्री खरगे से मिलने वालों में कांग्रेस समिति की प्रभारी मीनाक्षी नटराजन, तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, सरकारी सलाहकार हरकारा वेणुगोपाल राव, कांग्रेस सचिव संपत कुमार और पार्टी के अन्य नेता शामिल थे। इन नेताओं ने गुलबर्गा की आगे की यात्रा पर जाने से पहले हैदराबाद में कांग्रेस अध्यक्ष के संक्षिप्त पड़ाव के दौरान उनका अभिवादन किया।

खड़ी लॉरी से टकराई बस, तीन की मौत, नौ घायल

विशाखापत्तनम, 31 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश में विशाखापत्तनम जिले के गाजुवाका क्षेत्र में रविवार को आंध्र प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (एपीएसआरटीसी) की एक बस के खड़े ट्रक से टकरा जाने से चालक सहित तीन लोगों की मौत हो गयी, जबकि नौ अन्य यात्री घायल हो गये।

पुलिस के अनुसार दुर्घटनाग्रस्त बस राजमहेंद्रवरम से पार्वतीपुरम जा रही थी। राष्ट्रीय राजमार्ग पर गाजुवाका के निकट बस एक खड़े ट्रक से जा टकरायी। हादसे में बस चालक रामबाबू (50), यात्री गंगुलु (70) और लेंका ईश्वरम्मा की मौके पर ही मौत हो गई। घायल नौ यात्रियों को किंग जॉर्ज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस ने मामला दर्ज कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया है। राज्य के परिवहन मंत्री एम. रामप्रसाद रेड्डी तथा गाजुवाका विधायक और तेलुगु देशम पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पल्ला श्रीनिवास ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल जाना। उन्होंने चिकित्सकों से घायलों की स्थिति की जानकारी ली और मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

परिवहन मंत्री ने पीड़ित परिवारों को हरसंभव सहायता का आश्वासन देते हुए प्रत्येक मृतक के परिजन को पांच लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

एपीएसआरटीसी के अध्यक्ष के. नारायण राव ने दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि निगम यात्रियों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सभी आवश्यक एहतियाती कदम उठाए जायेंगे।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की 39वीं मैरेज डाटा कमेटी बैठक संपन्न

विवाह योग्य युवक-युवतियों के अभिभावकों ने देखा बायोडाटा, रिश्तों पर हुई चर्चा

समाज के परिवारों को एक सशक्त वैवाहिक मंच प्रदान कर रही है कमेटी : नरेंद्र गोयल

हैदराबाद, 31 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की 39वीं मैरेज डाटा कमेटी की बैठक आबिड्स स्थित समाज कार्यालय, राघव रत्ना टावर्स में उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित की गई। बैठक में बड़ी संख्या में विवाह योग्य युवक-युवतियों के अभिभावकों ने भाग लिया तथा अपने बच्चों के लिए उपयुक्त रिश्तों की जानकारी प्राप्त करने हेतु विभिन्न बायोडाटा का अवलोकन किया।

बैठक के दौरान अभिभावकों ने अपनी पसंद एवं आवश्यकताओं के अनुरूप योग्य वर-वधू के बायोडाटा का अध्ययन किया। साथ ही आपसी परिचय एवं संवाद के माध्यम से संभावित वैवाहिक संबंधों पर विस्तृत चर्चा भी की गई। कार्यक्रम में समाज के सदस्यों एवं अभिभावकों का उत्साह देखने योग्य था।

परिवारों को जोड़ने का सशक्त माध्यम बनी मैरेज डाटा कमेटी

अग्रवाल समाज तेलंगाना के कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र गोयल ने उपस्थित अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि मैरेज डाटा कमेटी का मुख्य उद्देश्य समाज के परिवारों को एक ऐसा सशक्त मंच उपलब्ध कराना है, जहां वे अपनी पसंद, आवश्यकताओं और पारिवारिक मूल्यों के अनुरूप उपयुक्त रिश्तों की खोज कर सकें।

उन्होंने अभिभावकों से उपलब्ध बायोडाटा का गंभीरतापूर्वक अवलोकन करने तथा योग्य जीवनसाथी के चयन में इस मंच का अधिकतम लाभ उठाने का आग्रह किया।

समाज में वैवाहिक संबंधों को सुदृढ़ बनाने के प्रयासों की सराहना

बैठक में वाइस चेयरमैन पंकज संघी, जितेंद्र अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, शीतल रूंगटा, रानी मित्तल एवं गोविंद राम अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

सभी पदाधिकारियों ने उपस्थित अभिभावकों का स्वागत करते हुए समाज में वैवाहिक संबंधों को सुदृढ़ बनाने के लिए मैरेज डाटा कमेटी द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार की बैठकों से समाज के परिवारों को एक-दूसरे के निकट आने का अवसर मिलता है तथा योग्य युवक-युवतियों के विवाह संबंध स्थापित करने में सहायता मिलती है।

सामाजिक समरसता और पारिवारिक मूल्यों को मिल रहा प्रोत्साहन

बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। उपस्थित अभिभावकों ने मैरेज डाटा कमेटी की पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए अत्यंत उपयोगी एवं प्रभावी मंच बताया, जो सामाजिक समरसता और पारिवारिक मूल्यों को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

कविता ने रायतु डिस्कॉम के पीछे साज़िश का लगाया आरोप, कानूनी लड़ाई की दी चेतावनी

हैदराबाद, 31 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना रक्षा सेना (टीआरएस) की अध्यक्ष के. कविता ने रविवार को आरोप लगाया कि किसानों के लिए एक अलग मरायतु डिस्कॉम स्थापित करने की साज़िश रची जा रही है, जिससे तेलंगाना में बिजली वितरण कंपनियों के निजीकरण का रास्ता साफ हो जाएगा।

सुश्री कविता ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मांग की कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी किसानों को औपचारिक रूप से आश्वासन दें कि 24 घंटे मुफ्त बिजली की आपूर्ति जारी रहेगी और कृषि मोटरों पर मीटर नहीं लगाये जाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने इस मुद्दे को छह महीने तक गुप्त रखा। उन्होंने बिजली नियामक आयोग से आग्रह किया कि वह प्रस्तावित मरायतु डिस्कॉम के लिए अनुमति न दे।

टीआरएस अध्यक्ष ने कहा कि तेलंगाना जागृति ने पहले ही एक कानूनी मामला दायर कर दिया है और चेतावनी दी कि अगर आवश्यक हुआ तो इस मुद्दे को उच्चतम न्यायालय तक ले जाया जाएगा। उन्होंने मरैतु भरोसाफ के कार्यान्वयन, लंबित कृषि ऋण माफी, खरीद संबंधी मुद्दों और मरैतु बीमाफ योजना को कमजोर करने के कथित प्रयासों को लेकर भी सरकार की आलोचना की।

बीआरएस ने तेलंगाना के ऑटो चालकों से किए गये वादों को लेकर राहुल गांधी से पूछा पर सवाल

हैदराबाद, 31 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि 2023 के विधानसभा चुनावों के दौरान तेलंगाना के ऑटो चालकों से किए गए वादे पूरे करने में कथित तौर पर वे क्यों नाकाम रहे।

श्री रामा राव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म मएक्सफ पर एक पोस्ट में कहा कि दिल्ली में बड़े-बड़े नए वादे करने से पहले वे (श्री गांधी) यह बताएं कि तेलंगाना के ऑटो चालकों को दिए गये आश्वासनों का क्या हुआ। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने ऑटो चालकों के लिए एक कल्याण बोर्ड बनाने और हर चालक को सालाना 12,000 रुपये देने का वादा किया था।

उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में कांग्रेस के शासन के 30 महीने बीत जाने के बाद भी इनमें से कोई भी वादा पूरा नहीं किया गया है। बीआरएस नेता ने दावा किया कि तेलंगाना में कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से 100 से ज़्यादा ऑटो चालकों ने आत्महत्या कर ली है। उन्होंने कांग्रेस पर ऑटो चालकों के कल्याण की अनदेखी करने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेतृत्व पर सवाल उठाते हुए श्री रामा राव ने कहा, दिल्ली में यह नाटक क्यों, जब तेलंगाना के ऑटो चालकों से तीन साल पहले किए गये वादे अभी भी अधूरे पड़े हैं?

श्री सत्यनारायण व्रत कथा का आयोजन

हैदराबाद, 31 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं एनकेएस ग्रुप के चेयरमैन एन.के. सिंह के शारदा नगर, वनस्थलीपुरम स्थित निवास पर पुरुषोत्तम मास की पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्री सत्यनारायण व्रत कथा का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ। विद्वान आचार्य पंडित सुखेंद्र शास्त्री ने विधि-विधानपूर्वक श्री सत्यनारायण भगवान की पूजा एवं व्रत कथा संपन्न कराई। कथा के पश्चात हवन, पूजन तथा भव्य महाआरती का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने श्रद्धा-पूर्वक भाग लिया।

इस धार्मिक आयोजन में वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं एनकेएस ग्रुप के चेयरमैन एन.के. सिंह अपने परिवार सहित उपस्थित रहे और भगवान श्री सत्यनारायण का पूजन-अर्चन कर परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि की कामना की।

इस अवसर पर श्रीमती मालती देवी, नंद किशोर सिंह, श्रीमती दीपिका सिंह, सूर्यांश सिंह, ज्योति, शीतल, गायत्री, छवि, द्रुही सहित परिवार के सदस्य एवं अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का समापन महाआरती एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ। उपस्थित श्रद्धालुओं ने धार्मिक वातावरण में भक्ति एवं आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव करते हुए भगवान श्री सत्यनारायण का आशीर्वाद प्राप्त किया।

कुमुराम भीम का बलिदान देश के लिए प्रेरणा है : गवर्नर

आसिफाबाद, 31मई (रमेश सोलंकी):-

राज्य के गवर्नर शिव प्रताप शुक्ला ने युवाओं से अपनी उम्मीदों के साथ आगे बढ़ने की अपील करते हुए कहा कि कुमुराम भीम का बलिदान देश के लिए प्रेरणा है। तेलंगाना के गवर्नर श्री शिव प्रताप शुक्ला ने शुक्रवार को कोमुराम भीम आसिफाबाद ज़िले के राउटा संकेपल्ली गांव में आयोजित कुमुराम भीम जल, जंगल, ज़मीन स्फूर्ति ग्रामोत्सवम-2026 प्रोग्राम में मुख्य अतिथि के तौर पर हिस्सा लिया।इस मौके पर गवर्नर ने कहा कि रौता संकेपल्ली सिर्फ़ एक गांव नहीं, बल्कि एक पवित्र जगह है जो आदिवासी समुदाय की वीरता, त्याग, स्वाभिमान और संस्कृति का प्रतीक है।गवर्नर ने कहा कि अमर नायक कुमुराम भीम का दिया नारा जल, जंगल, ज़मीन सिर्फ़ तीन शब्द नहीं हैं, बल्कि प्रकृति और इंसान के साथ रहने का प्रतीक है।

SHED on RENT

FACTORY SHED

lease /Rent. 5000 sq feet

TIN SHED with 10 hp power

at JIYAGUDA.

Good for Wood furniture, Iron furniture, Steel furniture, Packing etc.

Contact:

9848225473,

9948137195

(9am to 9pm)

नौ लाख रुपये रिश्वत लेने के आरोप में पुलिस निरीक्षक गिरफ्तार

हैदराबाद, 31 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने तेलंगाना साइबर सिक्योरिटी ब्यूरो (टीजी-सीएसबी) से जुड़े एक पुलिस निरीक्षक को रिश्वत मांगने और लेने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है।

एसीबी की ओर से शनिवार रात जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार हैदराबाद स्थित टीजीसीएसबी के साइबर अपराध थाना के निरीक्षक बाथुला महेंद्र के खिलाफ आपराधिक कदाचार का मामला दर्ज किया गया था। आरोपी अधिकारी ने कथित तौर पर शिकायतकर्ता से नौ लाख रुपये की रिश्वत की मांग की थी, जिसके बदले में उसने हैदराबाद स्थित टीजीसीएसबी के सेंट्रल क्राइम थाना (सीसीपीएस) में दर्ज एक साइबर धोखाधड़ी के मामले में शिकायतकर्ता के परिवार के सदस्यों और दोस्तों को शामिल न करने का वादा किया था। एसीबी ने बताया कि अधिकारी ने पहले ही शिकायतकर्ता से आंशिक भुगतान के तौर पर पांच लाख रुपये नकद स्वीकार कर लिए थे। निरीक्षक ने शनिवार को कथित तौर पर शेष चार लाख रुपये की मांग की और अपने कार्यालय में शिकायतकर्ता को धमकी दी। एसीबी के अनुसार शिकायत पर कार्रवाई करते हुए एसीबी की केंद्रीय जाँच इकाई (सीआईयू) की टीम ने जाल बिछाया और अधिकारी को उसके कार्यालय में ही उस समय गिरफ्तार कर लिया, जब वह कथित तौर पर शेष रिश्वत की राशि की मांग कर रहा था। आरोपी अधिकारी के आवास पर ली गयी तलाशी के दौरान एसीबी अधिकारियों ने कथित तौर पर 13 लाख रुपये की बेहिसाब नकदी, सोने के आभूषण और संपत्ति से जुड़े कुछ दस्तावेज बरामद किए। उसकी संपत्तियों का सत्यापन कार्य वर्तमान में जारी है। आरोपी अधिकारी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले में आगे की जांच जारी है। एसीबी ने सुरक्षा कारणों से शिकायतकर्ता की पहचान उजागर नहीं की है।

पुरुषोत्तम मास में श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव कल से

कोठी स्थित विशामोढ़ गौभुजा समाज वाड़ी में होगा नौ दिवसीय आयोजन

2 जून को निकलेगी भव्य कलश यात्रा, श्रद्धालुओं से सहभागिता का आह्वान

हैदराबाद, 31 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

परम पावन पुरुषोत्तम मास (ज्येष्ठ अधिक मास) के शुभ अवसर पर श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव का आयोजन 2 जून से 9 जून 2026 तक श्री विशामोढ़ गौभुजा समाज वाड़ी, गिरिराज लेन, कोठी, हैदराबाद में किया जाएगा। आयोजन समिति के अनुसार कथा के दौरान व्यासपीठ से प्रख्यात भागवताचार्य पंडित मनोज जी त्रिवेदी श्रीमाली श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथा का रसपान कराएंगे। कथा प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से सायं 7 बजे तक आयोजित होगी।

2 जून को निकलेगी भव्य कलश यात्रा

कथा महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर मंगलवार, 2 जून को भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। कलश यात्रा प्रातः 11:30 बजे श्री गिरिराज मंदिर, कोठी से प्रारंभ होकर कथा स्थल तक पहुंचेगी।

आयोजकों ने कलश यात्रा में भाग लेने वाली महिलाओं से अनुरोध किया है कि वे अपने-अपने कलश आकर्षक ढंग से सजाकर लाल चुनरी की साड़ी धारण कर निर्धारित समय से पूर्व उपस्थित हों, जिससे यात्रा की भव्यता और धार्मिक गरिमा में वृद्धि हो सके।

श्रद्धालुओं से अधिकाधिक संख्या में शामिल होने की अपील

आयोजन समिति के सदस्य रवि शर्मा, पवन खंडेलवाल, दिलीप बेनीवाल, उदय मेहता, पवन अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, देवेंद्र दवे एवं मीतेश जोशी ने समस्त भागवत प्रेमी श्रद्धालुओं से कलश यात्रा एवं कथा महोत्सव में अधिकाधिक संख्या में भाग लेने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा केवल धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि आध्यात्मिक जागरण और सांस्कृतिक मूल्यों के संवर्धन का भी माध्यम है। अतः सभी श्रद्धालु इस पुण्य अवसर का लाभ उठाकर धर्मलाभ प्राप्त करें और आयोजन को सफल बनाने में सहयोग दें।

खम्मम में शिशु का हाथ काटने के मामले में टीजीएचआरसी ने लिया स्वत: संज्ञान

हैदराबाद, 31 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना मानवाधिकार आयोग (टीजीएचआरसी) ने खम्मम के सरकारी मातृ एवं शिशु कल्याण केंद्र में एक समयपूर्व जन्म लेने वाले शिशु की बाईं बांह को काटने के मामले में चिकित्सा लापरवाही के आरोपों पर स्वत: संज्ञान लिया है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, टीजीएचआरसी की सदस्य (न्यायिक) सुश्री शिवादी प्रवीणा ने 31 मई को एक तेलुगु दैनिक में प्रकाशित एक समाचार का संज्ञान लिया। यह देखते हुये कि यदि आरोप सच पाये जाते हैं, तो यह एक नवजात बच्चे के जीवन, स्वास्थ्य, गरिमा और उचित चिकित्सा देखभाल तक पहुंच के अधिकारों से संबंधित गंभीर चिंताएं पैदा करता है। आयोग ने इस मामले में एक स्वत: संज्ञान मामला दर्ज किया है। आयोग ने जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (डीएमएंडएचओ), खम्मम जिला को समाचार में उल्लिखित आरोपों पर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। इस मामले को अगली सुनवाई और रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए आयोग के समक्ष आगामी 29 जून को सुबह 11:00 बजे के लिए सूचीबद्ध किया गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.